kanwhizztimes
@kanwhizztimes
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

# कैनविज टाइम्स
सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-23 | बुधवार, 19 फरवरी 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12



सीईसी की नियुक्ति पर राहुल गांधी की असहमति न केवल 'राजनीति से प्रेरित' है, बल्कि इसमें दम नहीं है। 'यह दुर्भावनापूर्ण न्यायिक सक्रियता के माध्यम से चुनी हुई सरकार के संवैधानिक जनादेश को कमजोर करने का प्रयास है। **अमित मालवीय**

ऋषि सुनक ने परिवार के साथ संसद भवन का किया दौरा 11

महाकुम्भ : विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी : जीयर स्वामी 12

## संक्षेप

### सुलतानपुर में दीवार गिरने से तीन बच्चों की मौत

**सुलतानपुर।** उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के गोसाईंगंज क्षेत्र में जर्जर दीवार गिरने से घायल दो बच्चों की मंगलवार को उपचार के दौरान मृत्यु हो गयी। सोमवार शाम हुये हादसे में एक बच्चे की पहले ही मृत्यु हो चुकी है जिसे मिला कर हादसे में तीन बच्चों की मौत हो चुकी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस दुर्घटना में दीवार से दब कर शहबान (9) की मौके पर ही मौत हो गई थी। गंभीर रूप से घायल इशू और सैनूद को लखनऊ रेफर किया गया था, जहां मंगलवार को इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। हादसे के समय सात बच्चे मुस्तकीन उर्फ बखेडू के अधूरे पड़े पक्के मकान पर खेल रहे थे। इनमें शहबान, सैनुद, आलिम, आरिज, सैयम, मो.इसु और असरफ शामिल थे। अचानक छज्जा सहित पक्की दीवार गिर गयी। स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर बच्चों को मलबे से निकाला। भटमई चौकी इंचार्ज जितेंद्र यादव और कांस्टेबल प्रमोद कुमार ने घायल बच्चों को सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। मलबा हटाने के दौरान चार और लोग घायल हुए।

### सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलेगा

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को आप नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाने की परमिशन दे दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 14 फरवरी को राष्ट्रपति से इस मामले में मंजूरी मांगी थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन के खिलाफ बीएनएस की धारा 218 के तहत केस चलेगा। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अब जल्द ही जैन को गिरफ्तार कर सकता है। गृह मंत्रालय ने ईडी की जांच और पर्याप्त सबूत होने के आधार पर राष्ट्रपति से यह अनुरोध किया था। दरअसल, जिस समय ये मामला सत्येंद्र जैन के खिलाफ फ्रेम हुआ था, उस समय वह विधायक थे। इसलिए बीएनएस की धारा 218 के तहत उनके खिलाफ केस चलाने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी जरूरी थी।

### पीडब्ल्यूडी प्रमुख सचिव के निर्देश, बोर्ड परीक्षा में न लगे जेई-एई की ड्यूटी

**लखनऊ।** लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान ने सभी जिलों के डीएम को पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं कि जेई और एई की ड्यूटी बोर्ड परीक्षाओं में न लगाई जाए। उन्होंने कहा कि 20 फरवरी से 31 मार्च तक का मौसम बिटुमिनस और सीसी कामों के लिए मुफीद है। इन कामों के दौरान जेई और एई की उपस्थिति कार्यस्थल पर होनी चाहिए जबकि बोर्ड परीक्षाओं में इनकी ड्यूटी लगने से विभागीय काम प्रभावित होंगे। प्रमुख सचिव के ये निर्देश डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के अध्यक्ष एनडी द्विवेदी के उस पत्र के बाद आए हैं, जो उन्होंने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को लिखा था।

# 'देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं समाजवादी'

## सपा के लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरों के लिए उर्दू की वकालत करते हैं: सीएम

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

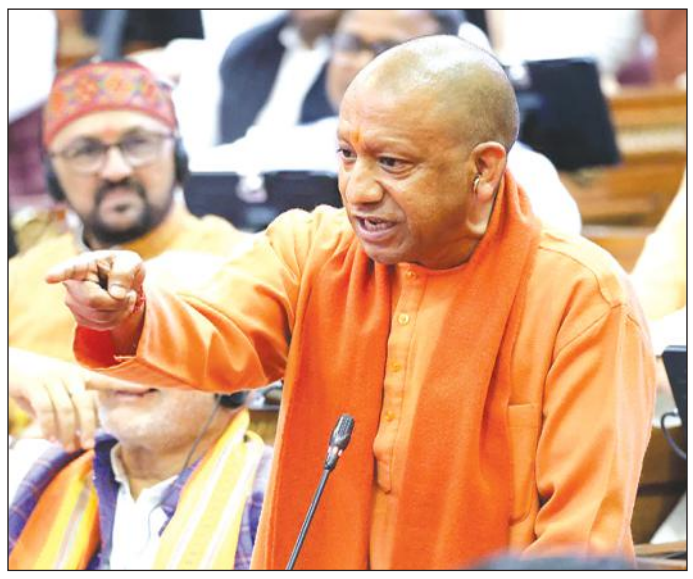



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ाएगी और जब सरकार आम जनता के बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने की बात करती है, तो ये लोग उर्दू थोपने की वकालत करने लगते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है, ये देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं, जो कतई स्वीकार्य नहीं होगा।

दरअसल, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को सदन में जानकारी दी कि विधानसभा की कार्यवाही का प्रदेश की स्थानीय बोलियों-भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी के अलावा अंग्रेजी में प्रसारण किया जाएगा। इस पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने अंग्रेजी प्रसारण का विरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष द्वारा विरोध करने का करारा जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यवाही में इन भाषाओं को स्थान देने के फैसले का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन भाषाओं को सम्मान दिलाने के लिए भोजपुरी अकादमी, अवधी अकादमी और ब्रज अकादमी की स्थापना की जा रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी मातृभाषाओं को सहेजें और उन्हें आगे बढ़ाएं। विपक्ष का यह विरोध बताता है कि वे न केवल विकास के विरोधी हैं, बल्कि हमारी संस्कृति के भी विरोधी हैं। ये लोग अपने बच्चों को इंग्लिश स्कूल में पढ़ाएंगे और दूसरे के बच्चे के लिए अगर वह सुविधा सरकार देना चाहती है तो कहते हैं कि नहीं उर्दू पढ़ाओ इसको। यानि ये बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं। देश को कठमुल्लापन की ले जाना चाहते हैं यह नहीं चल सकता है।

उन्होंने कहा कि इन बोलियों को हिंदी की उपभाषाएं मानते हुए सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारी सरकार इन भाषाओं के लिए अलग-अलग अकादमियों का गठन कर रही है, ताकि ये समृद्ध हों। ये हिंदी की बेटियां हैं और इन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। यह सदन केवल विद्वानों के लिए नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की आवाज को यहां स्थान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए कहा कि इनका चरित्र ही दोहरा हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रजभाषा इतनी समृद्ध है कि संत सूरदास ने इसी भाषा में अपनी रचनाएं दीं। इसी तरह, संत तुलसीदास ने अवधी में रामचरितमानस की रचना की, जो न केवल उत्तर भारत बल्कि प्रवासी भारतीयों के लिए भी संकट काल में संबल बनी। उन्होंने कहा कि जो लोग आज भोजपुरी, अवधी और ब्रज भाषा का विरोध कर रहे हैं, वे दरअसल भारत की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं के विरोधी हैं। यह दुखद है कि जब इन भाषाओं को सम्मान दिया जा रहा है, तब कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं।

### विधानसभा

- समाजवादियों का चरित्र दोहरा हो चुका है, ये देश को कठमुल्लापन की ओर ले जाना चाहते हैं : योगी
- भोजपुरी, अवधी का विरोध क्यों कर रहे समाजवादी पार्टी के लोग बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हैं : सीएम
- समाजवादी पार्टी हर अच्छे काम का विरोध करती है, ये उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के विरोधी हैं

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का स्वभाव ही यह बन चुका है कि वे हर अच्छे कार्य का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि आप लोग प्रदेश और देश के हित में किए जाने वाले हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। यह नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सचिवालय ने जब स्थानीय भाषाओं को मान्यता दी तो समाजवादी पार्टी ने इसका भी विरोध किया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सपा का यह दोहरा रवैया जनता को समझ में आ रहा है और उन्हें समाज के सामने एक्सपोज किया जाना चाहिए। इससे पहले अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा प्रस्ताव रखे जाने पर नेता प्रतिपक्ष सपा के माता प्रसाद पाण्डेय ने इसका जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की जनता पर अंग्रेजी थोपने का काम कर रही है। बड़ी मुश्किल से अंग्रेजी को हटाया गया है। इसके खिलाफ आंदोलन ● शेष पेज 11 पर

# विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यपाल ने पूरा किया अभिभाषण

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। विधानमंडल का बजट सत्र मंगलवार को विपक्ष खासतौर पर समाजवादी पार्टी के सदस्यों के जोरदार हंगामे के बीच शुरू हुआ। राज्यपाल के सदन में अभिभाषण पढ़ने की शुरुआत करने के साथ ही सपा सदस्य वेल में उतर आए और जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे और शोर-शराबे के बीच राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं और अपना अभिभाषण महज़ 8.35 मिनट में पूरा कर दिया।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सदन में करीब 11.03 बजे आईं। राष्ट्रगान के बाद जैसे ही उन्होंने अभिभाषण पढ़ना शुरू किया तो सपा सदस्य तख्तियां लेकर सदन के वेल में उतर आए। उन्होंने जोरदार नारे लगाने शुरू कर दिए। उनके हाथ में तख्तियां थीं, जिन पर सरकार विरोधी नारे लिखे हुए थे। सपा सदस्य बार-बार इन तख्तियों में लिखे नारे लगाते रहे।

वेल में नारेबाजी करने वाले सपा सदस्यों ने कुम्भ में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत का आंकड़ा सामने रखने की मांग की। उनकी तख्तियों पर नारे लिखे थे-कुम्भ में मौत के आंकड़ों को बताया जाए, सच को न छुपाया जाए...। आंकड़े हो जारी, सच छिपा रहे अत्याचारी...। किसानों को एमएसपी का वादा अधूरा.... किसान बेहाल, युवा



- गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, महज 8.35 मिनट में पूरा किया अभिभाषण
- सपा सदस्यों ने वेल में उतर कर किया हंगामा
- कुम्भ में मारे गए श्रद्धालुओं की संख्या बताने की मांग

बेरोजगार... नाकारा है ये सरकार...। सपा सदस्य इसी के साथ राज्यपाल वापस जाओ के नारे बुलंद करते रहे। राज्यपाल का अभिभाषण पूरा होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का अभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार का मार्गदर्शन करने के लिए राज्यपाल का बहुत बहुत आभार। सदन की कार्यवाही शुरू होने से ● शेष पेज 11 पर

# महाकुंभ में श्रद्धालुओं की संख्या 55 करोड़ पार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महाकुंभनगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ में अब तक 54.31 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगा चुके हैं।

यह संख्या किसी भी धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक आयोजन में मानव इतिहास की अबतक की सबसे बड़ी सहभागिता बन चुकी है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में कुल 110 करोड़ सनातनी निवास करते हैं। इस लिहाज से महाकुम्भ में देश की आधे सनातनी त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगाकर पुण्य फल प्राप्त कर चुका है। 26 फरवरी को शिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व तक यह संख्या 60 करोड़ से भी ज्यादा हो सकती है। भारत की इस प्राचीन परंपरा ने अपनी दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया को मुग्ध कर दिया है।

गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों,श्रद्धालुओं, कल्पवासियों , स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से ● शेष पेज 11 पर

# घरेलू हिंसा अधिनियम: स्थिति रिपोर्ट दाखिल नहीं करने के लिए न्यायालय ने की राज्यों की आलोचना

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने घरेलू हिंसा से संबंधित कानून के कार्यान्वयन के बारे में स्थिति रिपोर्ट दाखिल नहीं करने के लिए कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की आलोचना की और उन्हें जुर्माने के तौर पर 5,000 रुपये का भुगतान करते हुए चार सप्ताह में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ से याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने शीर्ष अदालत के निर्देश के बावजूद स्थिति रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। पीठ ने कहा, संबंधित राज्यों के वकीलों ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कुछ और समय मांगा है। इसलिए, उन्हें उच्चतम न्यायालय मध्यस्थता केंद्र को 5,000 रुपये जुर्माने का भुगतान करके स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए चार और सप्ताह दिए जाते हैं। पीठ ने कहा कि आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और असम ने स्थिति ● शेष पेज 11 पर

# प्लेटफॉर्म बदलने के कारण हुआ था नई दिल्ली स्टेशन पर हादसा : आरपीएफ

एजेंसी

नयी दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गत शनिवार को नई दिल्ली स्टेशन पर हुई भगदड़ को लेकर अपनी रिपोर्ट में कहा है कि स्टेशन पर प्रयागराज के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन के प्लेटफॉर्म में परिवर्तन की घोषणा के बाद अफरातफरी में फुटओवर ब्रिज पर लोगों में धक्का-मुक्की के बाद यात्री एक दूसरे पर गिरने लगे जिससे 20 यात्रियों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

आरपीएफ चौकी नई दिल्ली के प्रभारी निरीक्षक द्वारा वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त (समन्वय) को रविवार को सौंपी गई रिपोर्ट में विस्तार से घटना की जानकारी दी। हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में रेल अधिकारियों और आरपीएफ रिपोर्ट के दावे अलग अलग हैं। रिपोर्ट में प्रभारी निरीक्षक ने लिखा है कि दिनांक 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की भांति प्रयागराज की तरफ जाने वाली भीड़-भाड़ वाली गाड़ियों को निरीक्षक नई दिल्ली हमराह स्टाफ आरपीएफ पोस्ट नई दिल्ली एवं मंडल की अन्य पोस्टों से आये स्टाफ के साथ कुम्भ मेले के दौरान भीड़ को और दिनों की तरह ठीक-ठाक पास करवाया जा रहा था। गाड़ी संख्या 12560 शिवगंगा के प्लेटफॉर्म 12 से प्रस्थान होने के बाद अचानक से स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी जिससे फुटओवर ब्रिज 2 और 3 चोक हो गए तथा प्लेटफॉर्म 12-13,14-15 एवं 16 पर जाम की स्थिति पैदा हो गयी। मौके पर ही सहायक सुरक्षा आयुक्त (नई दिल्ली) फुटओवर ब्रिज 2 पर आये और भीड़ का आंकलन कर स्टेशन डायरेक्टर को और अधिक टिकट बेचने से मना किया और अधिक भीड़ होने का अंदेशा जताते हुए सतर्कता बरतने के लिए कहा गया।

रिपोर्ट के अनुसार आरपीएफ प्रभारी ने सीसीटीवी के माध्यम से उद्घोषणा करवाकर सभी ऑन ड्यूटी तथा ऑफ ड्यूटी स्टाफ को तुरंत उक्त प्लेटफॉर्म और फुटओवर ब्रिजों पर पहुचने के निर्देश दिए तथा स्टेशन डायरेक्टर को स्पेशल गाड़ी भर जाने पर तुरंत चलाने का आदेश देने हेतु कहा गया और स्वयं स्टाफ के साथ फुटओवर ब्रिज 2 पर मौजूद रहकर तथा अन्य अधिकारियो को स्टाफ के साथ फुटओवर ब्रिज 3 पर पहुँच कर स्थिति को सँभालने के निर्देश दिए। इसी दौरान सहायक सुरक्षा आयुक्त (नई दिल्ली) स्वयं फुटओवर ब्रिज 3 पर पहुंचे और स्टाफ के साथ मिलकर फुटओवर ब्रिज 3 को क्लियर करने का प्रयास किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब रेलवे सुरक्षा बल द्वारा फुटओवर ब्रिज 2 और 3 ● शेष पेज 11 पर

# जन्म या मृत्यु तिथि के सत्यापन का अधिकार एसडीएम को नहीं : हाईकोर्ट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा है कि एसडीएम को जन्म या मृत्यु तिथि के सत्यापन करने का अधिकार नहीं है। इसी के साथ कोर्ट ने एटा के एसडीएम सदर के आदेश को निरस्त कर दिया है। साथ ही आदेश प्राप्ति के छह सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ एवं न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने एटा में शीतलपुर ब्लाक के अंबारी गांव निवासी संतोष कुमार की याचिका पर दिया है। हाईकोर्ट ने वेलु बनाम मादाथी के मामले में मद्रास हाईकोर्ट के आदेश के हवाले से कहा कि जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3) के अनुसार जन्म या मृत्यु जिसका उसके घटित होने के एक वर्ष के भीतर पंजीकरण नहीं किया गया है, उसे केवल प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट या प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट द्वारा जन्म या मृत्य की सत्यता की



- हाईकोर्ट ने एटा के एसडीएम का आदेश निरस्त किया-कानून के अनुसार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश

पुष्टि करने के बाद और उचित शुल्क के भुगतान पर ही पंजीकृत किया जाएगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जन्म या मृत्यु की सत्यता को सत्यापित करने के तरीके के संबंध में अधिनियम या नियमों के अंतर्गत कोई विशेष प्रक्रिया निर्धारित नहीं की गई है। इस सत्यापन के लिए कोई विशेष प्रक्रिया निर्धारित नहीं होने का तात्पर्य यह है कि अधिनियम की धारा 13(3) के तहत ● शेष पेज 11 पर

## प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर की वार्ता, संबंध रणनीतिक भागीदारी के स्तर तक ले जाने का फैसला

# बनी रणनीतिक साझीदारी, व्यापार होगा दोगुना

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत एवं कतर ने अपने दोपक्षीय रिश्तों को 'रणनीतिक साझीदारी' के स्तर पर उन्नत करते हुए आपसी व्यापार को पांच साल में दो गुना करने, भारत में कतर निवेश केन्द्र खोले जाने तथा भारत एवं कतर के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की आज घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के बीच यहां हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये निर्णय लिये गये। दोनों देशों ने वैश्विक एवं क्षेत्रीय भूराजनीतिक मामलों पर भी विचार विमर्श किया जिनमें हमास एवं इज़रायल के बीच संघर्ष तथा अफगानिस्तान के मुद्दे भी शामिल थे। कतर के अमीर की राजकीय यात्रा के दौरान दो समझौतों और 5 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें एक- द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझीदारी के स्तर पर उन्नत करने तथा दूसरा- दोहरे कराधान से बचाव संबंधी करार शामिल हैं।

बैठक के बाद विदेश मंत्रालय में सचिव (कांउसलर, पासपोर्ट, वीसा एवं प्रवासी भारतीय मामले) अरुण कुमार चटर्जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझीदारी में ऊर्ज़ा, व्यापार एवं निवेश तथा सुरक्षा के क्षेत्र शामिल हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने बुनियादी ढांचे, बंदरगाह, जहाज निर्माण, फूड पार्क, नवीकरणीय ऊर्ज़ा, रोबोटिक्स एवं आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जतायी है। उल्लेखनीय है कि कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने आखिरी बार मार्च 2015 को भारत का दौरा किया था। जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने फरवरी 2024 में अपनी दूसरी यात्रा की, तो उन्होंने कतर के अमीर को भारत की राजकीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया था। कतर के अमीर के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक नेता शामिल हैं। कतर के अमीर का भारत के राष्ट्रपति



द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी में आज सुबह राष्ट्रपति भवन में रस्मी स्वागत किया गया। राष्ट्रपति आज शाम को कतर के अमीर से मिलेंगीं और प्रतिनिधिमंडल के साथ अमीर के सम्मान में एक भोज का आयोजन भी करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी और अमीर के बीच हैदराबाद हाउस में हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक व्यापार संबंधों, लोगों के बीच गहरे संबंधों और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को याद किया। श्री चटर्जी ने कहा कि अपने द्विपक्षीय रिश्ते को रणनीतिक साझीदारी के स्तर तक बढ़ाने के लिए, भारत और कतर ने आज इस संबंध में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। व्यापार, निवेश और ऊर्ज़ा आज दोनों नेताओं के बीच चर्चा के प्रमुख विषयों में से थे। आज भारत और कतर के बीच सालाना लगभग 14 अरब डॉलर का व्यापार होता है। दोनों पक्ष अगले 5 वर्षों में इसे दोगुना करने का लक्ष्य तय करने पर सहमत हुए हैं। कतर भारत में निवेश के लिए भी एक महत्वपूर्ण भागीदार है। कतर के संप्रभु धन कोष, कतर निवेश प्राधिकरण का वर्तमान में भारत में लगभग 1.5 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने आज ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें कतर निवेश प्राधिकरण भारत में निवेश बढ़ा सकता है। प्रधानमंत्री ने इस यात्रा पर व्यापार के लिए शीर्ष कतरी व्यवसाय का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल लाने के लिए कतर के अमीर की सराहना की। इसी के साथ आज भारत और कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्रियों की सह-अध्यक्षता में संयुक्त व्यापार मंच भी आयोजित किया ● शेष पेज 11 पर

# प्रयागराज/महाकुम्भ विशेष

## हेट स्पीच के मामले में बीजेपी सबसे आगे : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बीजेपी सरकार को आये दिन कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यूपी सरकार ने जो 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का सपना देखा है क्या वो इस सपने को कुंभ से पूरा करना चाहती है? हेट स्पीच के मामले में बीजेपी सबसे आगे रही, उसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सबसे आगे हैं। मुझे लगता है गलत भाषा बोलने पर उन्हें कोई ना कोई मेडल दे रहा है। दूसरी ओर, उन्होंने सहारनपुर में एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि जब प्रदेश की सरकार सारा पैसा कुंभ में लगा देगी तो फिर किसानों के लिए क्या होगा। अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए हमारी खेती और किसानों से सम्बन्धित योजनाएं बनेंगी एवं उनकी मदद होगी तो हमारा देश भी खुशहाल होगा। श्री यादव ने किसानों की समस्यायों को गिनाते हुए कहा, '' आज किसानों को क्या मिला? क्या गन्ने की कीमत बढ़ गई? क्या उनकी कीटनाशक दवाइयां सस्ती हो गई? इसके अलावा क्या किसानों की बाकी आवश्यकता की चीजें उन्हें मिल रही हैं? '' उन्होंने बीजेपी सरकार को घेरते हुए कहा कि ये वही सरकार है जिसने आय दोगुनी करने की बात कही थी लेकिन इन लोगों ने कोई ऐसा स्थान नहीं बताया जहां आय दोगुनी जायेगी। किसानों के साथ-साथ सपा अध्यक्ष ने युवाओं की बेरोज़गारी के बहाने भी बीजेपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नौजवान भी बड़े पैमाने पर बेरोज़गार? हैं। उनके पास ना नौकरी है और न ही रोज़गार है। अखिलेश यादव ने बीजेपी को टारगेट करते हुए कहा, '' ये लोग कहते थे कि हम विश्व गुरु बन गये हैं। ये लोग कहते थे कि हम बहुत जल्द तीन नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जायेंगे। ये लोग कहते थे कि आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। दुनिया का सबसे ताकतवर देश जिसको यह सरकार मित्र बोलती थी, क्या उसने हमारे देश के लोगों को अपमानित नहीं किया? क्या अब दुनिया में डंका नहीं बज रहा एक तरफ हमारे देश के लोग अपमानित हो रहे हैं और दूसरी तरफ हम पूरा बाजार अमेरिका को दे दे रहे हैं। हमारा पूरा बाजार उनके हाथों में है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोग प्रचार कर रहे हैं कि कुंभ इन लोगों ने ही शुरू किया है। उन्होंने कुंभ पर आगे कहा, ''हम तो चाहेंगे कि कुंभ की तारीख और बढ़ाई जाए। हम लोगों ने भी इस कुंभ में सीखा कि स्नान करें तो कपड़ा पहनकर करें। अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, '' बीजेपी के चुनाव लड़ने का तरीका बड़ा अलग है। वे दबाव बनाते हैं और बेईमानी की सारी सीमायें लांघ जाते हैं।

## करोड़ों स्नानार्थियों ने प्रदूषित जल में स्नान किया : विनय कुशवाहा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



कोरांव प्रयागराज । अचानक से देश के एक प्रतिष्ठित अखबार में दिल्ली से मुख्य पृष्ठ पर खबर छपती हैं कि संगम का पानी नहाने योग्य नहीं हैं जिसमें मल व कोलीफार्म की मात्रा पाई गई गंगा जमुना के पानी की गुणवत्ता बेहद खराब पायीं गई जो नहाने योग्य नहीं है तो आचमन की बात ही दूर हैं।उक्त बातें सांसद उज्जवल रमण सिंह प्रतिनिधि विनय कुशवाहा ने बताया कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया अगर रिपोर्ट सच है तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण हैं कि कितने महान साधू संत शंकराचार्य के साथ आस्था के नाम पर पचासों करोड़ लोगों को प्रदुषित जल में स्नान कराया गया ।प्रतिनिधि ने कहा कि और अगर यह भीड़ को कंट्रोल करने की कोई प्लानिंग के तहत खबर छपी हैं तो भी गलत बात है क्योंकि एक दिन में तो गंगाजी मैली नहीं हो जायेगी। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि केन्द्र भाजपा की सरकार प्रदेश में भाजपा की सरकार नगर निगम में भाजपा की सरकार तो गंगा जमुना में नाले का प्रदूषित पानी कैसे जा रहा है यह करोड़ों लोगों के आस्था के साथ खिलवाड़। सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि जमुनापार के किसानों के लगातार फोन आ रहे हैं कि इस समय फसलों को यूरिया कि जरूरत है जो सम्पूर्ण जमुनापार से गायब हैं किसी भी सोसायटी पर यूरिया नहीं किसान दूगने दाम पर यूरिया खरीदने को मजबूर हैं।उन्होंने कहा कि अधिकारियों से वार्ता करने पर पता चला कि जाम रास्ते बंद और बड़े वाहनों के रोक की वजह से आपूर्ति ठप हैं सब परेशान हैं इस महाकुंभ की अव्यवस्था से चाहे किसान हो, मरीज हो या छात्र।

## विधानसभा कोरांव के सेक्टर सिकरो में पी डी ए जन चौपाल का कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

**कोरांव प्रयागराज कैनविज टाइम्स संवाददाता।** सेक्टर प्रभारी बालकरन सोनकर के नेतृत्व में इस कार्यक्रम के मुख्य रुप से समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष पवन सिंघाल पटेल पवन सोनकर विधानसभा उपाध्यक्ष कोरांव समाजवादी पार्टी कल्लेटर सोनकर अंकित रामखेलावन बनारसी बूथ प्रभारी व नैता गण कार्यकर्ता गण उपस्थित हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमन कोल समाजवादी पार्टी महिला सभा विधान सभा अध्यक्ष कोरांव जिला पंचायत सदस्य माडा उपस्थित रहे।

## समाजवादी पार्टी की असलियत कुछ और है : केशव प्रसाद मौर्य

**लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता।** एएनआई से बात करते हुए यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी पर करारा हमला किया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की असलीयत कुछ और है। वो राजनीतिक दल के रूप में प्रदेश की सेवा के लिए काम करने वाली पार्टी नहीं है। डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा कि सपा गुंडों, अपराधियों और माफियाओं की पार्टी है। उन्होंने कहा कि आज जिस प्रकार से राज्यपाल को इनके सदस्यों के आचरण के कारण अपना अभिभाषण रोकना पड़ा, उसने पूरे प्रदेश को शर्मिन्दा किया है। विधानसभा में बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर विपक्ष पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष का आचरण गैर- जिम्मेदाराना है। राज्यपाल के अभिभाषण के द्वारा प्रदेश में सरकार जो काम कर रही है, उसकी जानकारी दी जाती है। उन्होंने समाजवादी पार्टी को घेरते हुए कहा कि सपा का आचरण सदा ऐसा ही रहा है कि वे राज्यपाल का आदर करने की बजाय हल्ला बोल करते हैं। इसकी सज़ा उन्हें जनता देगी।

## बाइक सवार ने युवक को मारी टक्कर,मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



कोरांव, प्रयागराज। थाना कोरांव बड़ोखर चौकी अंतर्गत ग्राम भोगन में 17 फरवरी दिन सोमवार को शाम लगभग 7 बजे आसपास अपने घर से सड़क पर पैदल जा रहे युवक को तेज रफ्तार से आ रहे बाईक सवार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिससे पैदल जा रहा युवक गंभीर रूप सें घायल हो गया। मोटर साईकिल चालक कों भी सिर मे चोट आई है स्थानीय लोगो द्वारा प्राथमिक उपचार कराया गया स्थानीय लोगो ने बताया ही चालक शराब की नशे मे था परिजनों द्वारा सड़क पर पड़े युवक को इलाज हेतु सी एच सी कोरांव ले गए।मिली जानकारी के अनुसार चंद्रकांत सिंह पुत्र विजय कांत सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी भोगन रोज की तरह अपने घर से दुकान पर जा रहा था। कुछ दूर पहुंचा ही था कि अचानक तेज रफ्तार से आ रहे बाईक सवार ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे युवक गंभीर घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। हालत नाजुक देख स्थानीय लोगों ने आनन फानन में युवक के इलाज हेतु अस्पताल ले जा रहे थे कि आधे रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया।मौत की खबर जैसे ही परिजनों को हुई तो पूरे परिवार में कोहराम मच गया।मां बेसुध हो गई और पत्नी निशा भी अचेत होकर जमीन पर गिर पड़ी और पिता एवं छोटे भाई का रो -रो कर बुरा हाल हो रहा ।चौकी प्रभारी बड़ोखर राजकुमार ने शव का पंचनामा कर अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम हेतु मर्चरी हाउस के लिए भेज दिया।

## यूपी विधानसभा में अंग्रेजी भाषा पर हंगामा: डॉ. राजेश्वर सिंह ने सपा को वास्तविकता समझने और दूरदर्शी सोच अपनाने की दी सलाह

❐ समाजवादी पार्टी का भाषाई विरोध युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के खिलाफ षड्यंत्र : डॉ. राजेश्वर सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समाजवादी पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा में अंग्रेजी भाषा के विरोध को लेकर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ड्ड (एक्स) पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी ग्लोबल सिटीजन है, और उसे अंग्रेजी भाषा से वंचित करना उनके करियर, शिक्षा और वैश्विक अवसरों पर कुठाराघात है। डॉ. सिंह ने बताया कि विश्वभर में 1.5 अरब से अधिक लोग अंग्रेजी बोलते हैं, और इंटरनेट पर 60% से अधिक सामग्री अंग्रेजी में उपलब्ध है। ऐसे में, इस भाषा का ज्ञान रखना न केवल आवश्यक बल्कि सफलता के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित करते हुए बताया कि, अंग्रेजी जानने वाले लोग औसतन 30% अधिक वेतन पाते हैं। दुनिया के 50% शीर्ष विश्वविद्यालय अंग्रेजी में कार्यक्रम संचालित करते हैं। 75% अंतरराष्ट्रीय नौकरियों के लिए अंग्रेजी अनिवार्य है। अंग्रेजी 70 देशों की आधिकारिक भाषा है। हर दिन 2 अरब से अधिक लोग अंग्रेजी में संवाद करते हैं। डॉ. सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह विरोध प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के खिलाफ एक षड्यंत्र है। आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में अंग्रेजी का विरोध करना प्रगति में बाधा डालने जैसा है। विधायक ने समाजवादी पार्टी से सामाजिक और आर्थिक सच्चाई को समझने और भविष्य की संभावनाओं के अनुरूप सोचने की अपील की। उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।


रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

# महाकुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ियां

महाकुम्भ मेला–2025 के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा नियमित रेलगाड़ियों के अलावा विभिन्न विशेष रेलगाड़ियों का भी संचालन किया जा रहा है। इन विशेष रेलगाड़ियों का तिथिवार विवरण निम्नानुसार है:–

**दिनांक 19.02.2025 (बुधवार) को चलने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ**

| विशेष गाड़ी सं. | स्टेशन से | प्रस्थान समय | स्टेशन तक | आगमन समय | ठहराव |
|---|---|---|---|---|---|
| 04210 | प्रयागराज संगम | 11:15 | जौनपुर जं. | 14:00 | प्रयाग, फाफामऊ जं., फूलपुर, जंघई जं. एवं मड़ियाहूँ स्टेशन |
| 04209 | जौनपुर जं. | 14:15 | प्रयागराज संगम | 17:15 | |
| 04202 | प्रयागराज संगम | 12:20 | आलमनगर | 17:00 | प्रयाग, कुण्डा हरनामगंज, ऊंचाहार जं., रायबरेली जं., बछरावां एवं उतरेटिया जं. स्टेशन |
| 04201 | आलमनगर | 19:15 | प्रयागराज संगम | 23:25 | |
| 04206 | प्रयागराज संगम | 13:30 | अयोध्या कैंट | 17:00 | प्रयाग, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04205 | अयोध्या कैंट | 08:45 | प्रयागराज संगम | 12:15 | |
| 04251 | प्रयाग जं. | 20:30 | अयोध्या कैंट | 23:55 | फाफामऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04252 | अयोध्या कैंट | 15:45 | प्रयाग जं. | 19:55 | |
| 04253 | फाफामऊ जं. | 11:15 | अयोध्या कैंट | 14:45 | माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04254 | अयोध्या कैंट | 06:15 | फाफामऊ जं. | 10:15 | सुल्तानपुर एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन |
| 04255 | प्रयाग जं. (रिंग रेल) | 05:35 | प्रयाग जं. (रिंग रेल) | 21:30 | फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुन्डौर, सुल्तानपुर, कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सलारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ा गाँव, रुदौली, रौजागाँव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली, बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ, उतरेटिया जं., मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहाँ, श्रीराजनगर, बछरावाँ, कुनियनगंज, हरचन्दपुर, गंगागंज, राय बरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाखजुरी, अमेठी, मिसरौली, माँ चंडिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम बिशनाथगंज, मऊ अइमा, सेवाइत व फाफामऊ जं. स्टेशन |
| 04525 | फाफामऊ जं. | 06:30 | बठिण्डा जं. | 01:10 | रायबरेली जं., लखनऊ, हरदोई, शाहजहाँपुर जं., बरेली जंक्शन, मोरादाबाद जं., नजीबाबाद जं., लक्सर जं., रूड़की, सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अंबाला कैंट जं., राजपुरा जं., पटियाला, धुरी जं., बरनाला एवं रामपुरा फूल स्टेशन |
| 04614 | फाफामऊ जं. | 19:30 | श्रीमता वैष्णो देवी कटड़ा | 22:00 | रायबरेली जं., लखनऊ जं., बरेली, मोरादाबाद, रूड़की, सहारनपुर जं., अम्बाला कैंट जंक्शन, लुधियाना जं., जलंधर कैंट, पठानकोट कैंट, कठुआ, जम्मू तवी एवं शहीद कैप्टन तुषार महाजन स्टेशन |
| 02417 | सूबेदारगंज | 21:35 | दिल्ली जं. | 08:55 | फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन |
| 02418 | दिल्ली जं. | 09:30 | सूबेदारगंज | 19:40 | अलीगढ़ जं., टूण्डला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी एवं फतेहपुर स्टेशन |
| 09403 | अहमदाबाद जं. | 21:15 | जंघई जं. | 03:00 | आणंद जं., छायापुरी, गोधरा जं., दाहोद, रतलाम जं., नागदा जं., भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा जं., सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, बयाना जंक्शन, आगरा किला, टूंडला जं., इटावा जं., गोविंदपुरी, फ़तेहपुर एवं प्रयागराज जं. स्टेशन |
| 09406 | जंघई जं. | 08:30 | अहमदाबाद जं. | 18:00 | प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूंडला जं., आगरा किला, बयाना जंक्शन, गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा जं., रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा जं., रतलाम जं., दाहोद, गोधरा जं., छायापुरी एवं आणंद जं. स्टेशन |
| 05011 | गोरखपुर जं. | 14:30 | अयोध्या छावनी | 19:35 | सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, एस नारायण छपिया, मसकनवा, मनकापुर जंक्शन एवं अयोध्या धाम जं. स्टेशन |
| 05012 | अयोध्या छावनी | 21:50 | गोरखपुर जं. | 04:30 | |
| 04117 | प्रयागराज जं. | 22:20 | अयोध्या कैंट | 03:30 | प्रयाग, फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04118 | अयोध्या कैंट | 05:15 | प्रयागराज जं. | 10:15 | |
| 04111 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 06:00 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 18:50 | प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर , माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन |
| 04112 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 06:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 21:00 | |
| 04113 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 17:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 07:45 | प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन |
| 04114 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 17:45 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 08:00 | |
| 04120 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 13:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 04:00 | प्रयाग, फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., गोशाईगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., ज़फराबाद जं., मड़ियाहूँ, जंघई जं., भदोही, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास, झूँसी जं. एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशन |
| 05104 | प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल) | 10:30 | प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल) | 04:30 | झूसी, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., सुल्तानपुर, खजुरहट, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, मऊ जं., दुल्लाहपुर, औड़िहार जं., सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड एवं झूसी स्टेशन |
| 05150 | गोरखपुर जं. | 19:30 | झूँसी | 04:00 | चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं.,मऊ जं., दुल्लहपुर, औड़िहार, जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05149 | झूँसी | 11:15 | गोरखपुर जं. | 20:00 | |
| 05152 | गोरखपुर जं. | 23:45 | झूँसी | 08:00 | चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेलथरा रोड, इंदारा जं.,मऊ जं., दुल्लहपुर, औड़िहार, जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05151 | झूँसी | 15:15 | गोरखपुर जं. | 23:45 | |
| 05101 | झूँसी (रिंग रेल) | 09:00 | झूँसी (रिंग रेल) | 04:15 | ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, सारनाथ, औड़िहार जं., जखनियां, दुल्लहपुर, मऊ जं., इंदारा जं., बेलथारा रोड, सलेमपुर जं., भटनी जंक्शन, भाटपार रानी, मैरवा, सीवान जंक्शन, हथुआ, थावे जं., गोपालगंज, रतन सराय, सिधवलिया, दिघवा दुबौली, मसरख, मढौरा, छपरा कचहरी, छपरा, सुरेमनपुर, बलिया, चित बड़ागांव, यूसुफपुर, गाजीपुर सिटी, औंरिहार जंक्शन, सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस, माधोसिंह एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05102 | झूँसी (रिंग रेल) | 14:30 | झूँसी (रिंग रेल) | 09:00 | |
| 09802 | बनारस | 14:45 | सोगरिया | 15:45 | चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर, मझगवां, जैतवार, सतना, मैहर, झुकही, कटनी, रीठी, बांदकपुर, दमोह, पथरिया, गणेशगंज, गिरवर, सौगोर, नारिओली, खुरई, बीना मालखेडी, मुंगावली, अशोक नगर, गुना, रुठियाई, छबडा गुगोर, अटरू, बारां एवं अंता स्टेशन |
| 08561 | गोरखपुर जं. | 14:20 | विशाखापट्णम | 12:15 | देवरिया सदर, मऊ जं., जौनपुर जं., वाराणसी, चुनार, मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जं., सतना, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनुपपुर जं., पेंड्रा रोड, बिलासपुर जं., चांपा, रायगढ़, झारसुगुडा रोड, संबलपुर शहर, रायकाखोल, बोइंदा, अंगुल, ढेंकनाल, नाराज मराठापुर, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड जं., बालूगन, छत्रपुर, ब्रह्मपुर, पलासा, श्रीकाकुलम रोड, विजयनगरम जं. एवं कोट्टावलसा स्टेशन |
| 06001 | पुरट्चि तलैवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन | 14:20 | गोमती नगर | 14:15 | गूडूर जं., नेल्लूर, ओंगोल, चीराला, तेनाली जं., न्यू गुंटूर, विजयवाड़ा जं., खम्मम, वरंगल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, गोंदिया जं., बालाघाट जं., नैनपुर जं., जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, चुनार, वाराणसी और अयोध्या धाम जं. स्टेशन |
| 05267 | मुज़फ़्फ़रपुर जं | 17:15 | झूँसी जं. | 09:55 | मोतीपुर, मेहसी, चकिया, बापूधाम मोतिहारी, सगौली जं., बेतिया, नरकटियागंज जं., बगहा, कप्तानगंज जं., गोरखपुर जं., देवरिया सदर, भटनी जं., मऊ जं., औंरिहार जं. एवं वाराणसी स्टेशन |
| 07088 | बनारस | 17:50 | मौला अलि | 07:00 | प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जं., सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पिपरिया, इटारसी जं., बैतूल, नागपुर जं., चंद्रपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेलमपल्ली, रामगुंडम, पेद्दापल्ली जमिकुंटा, काजीपेट जं., जनगांव एवं भोंगिर स्टेशन |
| 03412 | झूँसी | 19:15 | मालदा टाउन | 14:30 | बनारस, वाराणसी जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., राजेंद्र नगर टर्मिनल, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, किऊल जंक्शन, अभयपुर, जमालपुर जं., सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं. |
| 04408 | दिल्ली जं. | 23:25 | फाफामऊ जं. | 14:15 | नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड़, गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला जं., अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहान पुर, हरदोई, लखनऊ जं. एवं राय बरेली जं. स्टेशन |

**दिनांक 20.02.2025 (वीरवार) को चलने वाली विशेष रेलगाड़ियाँ**

| विशेष गाड़ी सं. | स्टेशन से | प्रस्थान समय | स्टेशन तक | आगमन समय | ठहराव |
|---|---|---|---|---|---|
| 04210 | प्रयागराज संगम | 11:15 | जौनपुर जं. | 14:00 | प्रयाग, फाफामऊ जं., फूलपुर, जंघई जं. एवं मड़ियाहूँ स्टेशन |
| 04209 | जौनपुर जं. | 14:15 | प्रयागराज संगम | 17:15 | |
| 04202 | प्रयागराज संगम | 12:20 | आलमनगर | 17:00 | प्रयाग, कुण्डा हरनामगंज, ऊंचाहार जं., रायबरेली जं., बछरावां एवं उतरेटिया जं. स्टेशन |
| 04201 | आलमनगर | 19:15 | प्रयागराज संगम | 23:25 | |
| 04206 | प्रयागराज संगम | 13:30 | अयोध्या कैंट | 17:00 | प्रयाग, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04205 | अयोध्या कैंट | 08:45 | प्रयागराज संगम | 12:15 | |
| 04251 | प्रयाग जं. | 20:30 | अयोध्या कैंट | 23:55 | फाफामऊ जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04252 | अयोध्या कैंट | 15:45 | प्रयाग जं. | 19:55 | |
| 04253 | फाफामऊ जं. | 11:15 | अयोध्या कैंट | 14:45 | माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04254 | अयोध्या कैंट | 06:15 | फाफामऊ जं. | 10:15 | सुल्तानपुर एवं माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. स्टेशन |
| 04255 | प्रयाग जं. (रिंग रेल) | 05:35 | प्रयाग जं. (रिंग रेल) | 21:30 | फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., खुन्डौर, सुल्तानपुर, कूड़ेभार, खजुरहट, भरतकुण्ड, अयोध्या कैंट, सलारपुर, सोहावल, देवराकोट, बड़ा गाँव, रुदौली, रौजागाँव, पटरंगा, दरियाबाद, सैदखानपुर, सफदरगंज, रसौली, बाराबंकी जं., सफेदाबाद, मल्हौर, लखनऊ, उतरेटिया जं., मोहनलालगंज, कनकहा, निगोहाँ, श्रीराजनगर, बछरावाँ, कुनियनगंज, हरचन्दपुर, गंगागंज, राय बरेली जं., रूपामऊ, फुरसतगंज, जायस, बनी, गौरीगंज, तालाखजुरी, अमेठी, मिसरौली, माँ चंडिका देवी धाम अन्तू, जगेशरगंज, चिलबिला जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., शनिदेव धाम बिशनाथगंज, मऊ अइमा, सेवाइत व फाफामऊ जं. स्टेशन |
| 04662 | अमृतसर जं. | 20:10 | फाफामऊ जं. | 19:00 | ब्यास, जलंधर सिटी, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, देवबंद, मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी, हापुड, गढ़मुक्तेसर, गजरौला, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली जं.,शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं.स्टेशन |
| 04302 | हरिद्वार जं. | 06:15 | फाफामऊ जं. | 21:10 | नजीबाबाद जंक्शन, मुरादाबाद, चंदौसी जंक्शन, शाहजहाँपुर, लखनऊ एवं रायबरेली जं.स्टेशन |
| 04622 | अमृतसर जं. | 12:45 | अयोध्या धाम जं. | 11:30 | जंडियाला, जलंधर सिटी, लुधियाना जं., धुरी जं., अंबाला कैंट जं., सहारनपुर, नजीबाबाद जं., मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर एवं लखनऊ स्टेशन |
| 04603 | श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा | 03:50 | फाफामऊ जं. | 04:25 | शहीद कैप्टन तुषार महाजन, जम्मू तवी, कठुआ, पठानकोट कैंट, जलंधर कैंट, लुधियाना जं., अम्बाला कैंट जंक्शन, सहारनपुर, रूड़की, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ एवं रायबरेली जं. स्टेशन |
| 02418 | दिल्ली जं. | 09:30 | सूबेदारगंज | 19:40 | फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूण्डला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन |
| 04145 | सुबेदारगंज | 21:35 | दिल्ली जं. | 09:30 | फतेहपुर, गोविन्दपुरी, इटावा, टूंडला जं. एवं अलीगढ़ जं. स्टेशन |
| 09404 | जंघई जं. | 08:30 | अहमदाबाद जं. | 18:00 | प्रयागराज जं., फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टूंडला जं., आगरा किला, बयाना जं., गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर, कोटा जं., रामगंज मंडी, भवानी मंडी, नागदा जं., रतलाम जं., दाहोद, गोधरा जं., छायापुरी, आनंद जं. एवं गेरातपुर स्टेशन |
| 01823 | वीरांगना लक्ष्मीबाई | 17:50 | आनन्द विहार (ट.) | 13:45 | निवाड़ी, मऊरानीपुर, हरपालपुर, महोबा जं., बांदा जं., अतर्रा, चित्रकुट धाम कर्वी, मानिकपुर जं., शंकरगढ़, नैनी जंक्शन, सूबेदारगंज, फ़तेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ एवं चिपयाना बुजुर्ग स्टेशन |
| 05011 | गोरखपुर जं. | 14:30 | अयोध्या छावनी | 19:35 | सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, एस नारायण छपिया, मसकनवा, मनकापुर जंक्शन एवं अयोध्या धाम जं. स्टेशन |
| 05012 | अयोध्या छावनी | 21:50 | गोरखपुर जं. | 04:30 | |
| 04117 | प्रयागराज जं. | 22:20 | अयोध्या कैंट | 03:30 | प्रयाग, फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं. एवं सुल्तानपुर स्टेशन |
| 04118 | अयोध्या कैंट | 05:15 | प्रयागराज जं. | 10:15 | |
| 04111 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 06:00 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 18:50 | प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर , माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन |
| 04112 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 06:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 21:00 | |
| 04113 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 17:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 07:45 | प्रयागराज रामबाग, झूँसी जं., हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., मड़ियाहूँ, जफराबाद जं., जौनपुर जं., शाहगंज जं., अकबरपुर, गोशाईगंज, अयोध्या धाम जं., अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., मऊ आइमा, फाफामऊ जं. एवं प्रयाग स्टेशन |
| 04114 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 17:45 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 08:00 | |
| 04120 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 13:30 | प्रयागराज जं. (रिंग रेल) | 04:00 | प्रयाग, फाफामऊ जं., मऊ आइमा, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., सुल्तानपुर, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., गोशाईगंज, अकबरपुर, शाहगंज जं., जौनपुर जं., ज़फराबाद जं., मड़ियाहूँ, जंघई जं., भदोही, बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड, हंडिया खास, झूँसी जं. एवं प्रयागराज रामबाग स्टेशन |
| 05104 | प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल) | 10:30 | प्रयागराज रामबाग (रिंग रेल) | 04:30 | झूसी, ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, भदोही, जंघई जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., चिलबिला जं., सुल्तानपुर, खजुरहट, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम जं., मनकापुर जं., बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., बेलथरा रोड, मऊ जं., दुल्लाहपुर, औड़िहार जं., सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी जं., बनारस, माधोसिंह, ज्ञानपुर रोड एवं झूसी स्टेशन |
| 05150 | गोरखपुर जं. | 19:30 | झूँसी | 04:00 | चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेल्थरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05149 | झूँसी | 11:15 | गोरखपुर जं. | 20:00 | ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंरिहार जं., दुल्लहपुर, मऊ जं., इंदारा जं., बेल्थरा रोड, लार रोड, सलेमपुर जंक्शन, भटनी जंक्शन, देवरिया सदर, गौरी बाजार और चौरी चौरा स्टेशन |
| 05152 | गोरखपुर जं. | 23:45 | झूँसी | 08:00 | चौरी चौरा, गौरी बाजार, देवरिया सदर, भटनी जं., सलेमपुर जं., लार रोड, बेल्थरा रोड, इंदारा जं., मऊ जं., दुल्लहपुर, औड़िहार जं., वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05151 | झूँसी | 15:15 | गोरखपुर जं. | 23:45 | ज्ञानपुर रोड, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, औंरिहार जं., दुल्लहपुर, मऊ जं., इंदारा जं., बेल्थरा रोड, लार रोड, सलेमपुर जंक्शन, भटनी जंक्शन, देवरिया सदर, गौरी बाजार और चौरी चौरा स्टेशन |
| 05101 | झूँसी (रिंग रेल) | 09:00 | झूँसी (रिंग रेल) | 04:15 | ज्ञानपुर रोड, माधोसिंह, बनारस, वाराणसी, वाराणसी सिटी, सारनाथ, औड़िहार जं., जखनियां, दुल्लहपुर, मऊ जं., इंदारा जं., बेलथारा रोड, सलेमपुर जं., भटनी जंक्शन, भाटपार रानी, मैरवा, सीवान जंक्शन, हथुआ, थावे जं., गोपालगंज, रतन सराय, सिधवलिया, दिघवा दुबौली, मसरख, मढौरा, छपरा कचहरी, छपरा, सुरेमनपुर, बलिया, चित बड़ागांव, यूसुफपुर, गाजीपुर सिटी, औंरिहार जंक्शन, सारनाथ, वाराणसी सिटी, वाराणसी, बनारस, माधोसिंह एवं ज्ञानपुर रोड स्टेशन |
| 05102 | झूँसी (रिंग रेल) | 14:30 | झूँसी (रिंग रेल) | 09:00 | |
| 01661 | रानी कमलापति | 11:10 | बनारस | 10:15 | मंडी दीप, ओबेदुल्ला गंज, बुदनी, नर्मदापुरम, इटारसी जं., सोहागपुर, पिपरिया, गाडरवारा, करेली, नरसिंहपुर, श्रीधाम, मदन महल, जबलपुर, देवरी, सिहोरा रोड, कटनी, झुकेही, मैहर, सतना, जैतवार, मझगवां, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर और चुनार स्टेशन |
| 03409 | मालदा टाउन | 20:45 | प्रयागराज रामबाग | 17:15 | न्यू फरक्का जं., बरहरवा जं., साहिबगंज जं., कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, जमालपुर जं., अभयपुर, किऊल जं., मोकामा, बाढ़, बख्तियारपुर जं., राजेंद्र नगर, पटना जं., दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., वाराणसी एवं बनारस स्टेशन |
| 06004 | बनारस | 18:05 | कन्याकुमारी | 21:00 | वाराणसी जं., चुनार जं., मिर्जापुर, प्रयागराज छिवकी जं., मानिकपुर जं., सतना., मैहर, कटनी, जबलपुर, कछपुरा, नैनपुर जं. बालाघाट जं., गोंदिया जंक्शन, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, वारंगल, खम्मम, कोंडापल्ली, विजयवाडा जं., तेनाली जं., चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर जंक्शन, चेन्नई बीच जं., चेन्नई एग्मोर, तांबरम, चेंगलपट्टू जं., मेलमारुवथुर जं., विल्लुपुरम जं.,वृद्धाचलम जं., तिरुचिरापल्ली जं., डिंडीगुल जं., मदुरै जंक्शन, विरुदुनगर जं., कोविलपट्टी, तिरुनेलवेली एवं नागरकोइल जं. स्टेशन |
| 05268 | झूँसी जं. | 12:00 | मुज़फ़्फ़रपुर जं | 04:50 | वाराणसी, औंरिहार जं., मऊ जं., भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जं., बापूधाम मोतिहारी, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर स्टेशन |
| 07085 | काकिनाड़ा टाउन | 20:10 | आजमगढ़ | 17:15 | समालकोट जंक्शन, राजमुंदरी, निदादावोलु जंक्शन, ताडेपल्लीगुडेम, एलुरु, विजयवाडा जंक्शन, खम्मम, वारंगल, रामागुंडम, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, चंद्रपुर महाराष्ट्र, नागपुर, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर जं., प्रयागराज छिवकी, वाराणसी जं. एवं शाहगंज जं. स्टेशन |
| 04407 | फाफामऊ जं. | 23:30 | दिल्ली जं. | 13:40 | रायबरेली जं., लखनऊ, हरदोई, शाहजहाँपुर, बरेली, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, गजरौला जं., गढ़मुक्तेसर, हापुड एवं गाजियाबाद स्टेशन |

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल एवं गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES App** देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

## भोजपुरी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की

# विधानसभा में भोजपुरी भाषा में कार्यवाही होने पर आभार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उप्र. विधान सभा में कार्यवाही अन्य भाषाओं के साथ भोजपुरी भाषा में होने की घोषणा का भोजपुरी समाज ने स्वागत किया है। इस आदेश के लिए मुख्यमंत्री योगी एवं विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिलकर अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय ने आभार जताया। प्रभुनाथ के साथ प्रतिनिधिमंडल में संगठन के राष्ट्रीय सचिव वेद प्रकाश राय, रजनीश पांडेय एवं दिलीप सिंह आदि रहे। प्रभुनाथ ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में सभी क्षेत्रीय भाषाओं, संस्कृति तथा क्षेत्र के विकास का कार्य तेजी से हो रहा है। भोजपुरी भाषा को संविधान की अष्टम सूची में शामिल होने के लिए विधान सभा में भोजपुरी भाषा में कार्यवाही से बहुत बल मिलेगा और भोजपुरी भाषा, संस्कृति को संरक्षण एवं संवर्धन होगा।

# त्योहारी मांगने पर किन्नरों से अस्पताल कर्मियों ने की मारपीट

## अस्पताल कर्मियों ने किन्नरों से अभद्रता कर लोहे की रॉड से किया जानलेवा हमला

कैनविज टाइम्स संवाददाता



रहीमाबाद/लखनऊ। त्योहारी मांगने गये किन्नरों से एमएस अस्पताल कर्मियों ने अभद्रता की। विरोध करने पर अस्पताल कर्मियों ने किन्नरों पर वजनदार हथियार से वार कर लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद वहां चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन किन्नरों ने पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना देते हुए रहीमाबाद थाने में तहरीर दी। लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने करीब 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुक़द्दमा दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। लखनऊ के बाजार खाला थाना क्षेत्र के बुलाकीअड्डा निवासी किन्नर मधुरिमा उर्फ मधु ने बताया कि माल,मलिहाबाद,रहीमाबाद उनके क्षेत्र में आता है। मंगलवार को वह साथी नेहा,अनुष्का,सानिया और अनीसा के साथ होली की त्योहारी मांगने रहीमाबाद कस्बे में गई थी। बाजार में एक निजी अस्पताल से त्योहारी मांगने लगी। आरोप है कि अस्पताल कर्मी ने उन पर फब्तियां कसने लगे। नजर अन्दाज करने पर अस्पताल कर्मी अभद्रता पर उतारू हो गए। इस पर मधु और उनके साथियों ने विरोध किया तो वह नोंकझोंक करने लगे। इसी बीच किन्नरों पर वजनदार हथियार से वार कर सभी को लहूलुहान कर दिया।किसी तरह किन्नर वहां से बचकर निकले। जिसके बाद किन्नरों ने फौरन पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना देते हुए रहीमाबाद थाने में तहरीर दी है। पीड़ित किन्नर का कहना है कि उसके पास मारपीट की वीडियो सुरक्षित है। जिसमें साफतौर पर देखा जा रहा है कि करीब 15 अस्पताल कर्मी उनके साथियों से मारपीट कर रहे है। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनुभव सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल, जांच में मिले तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

### रहीमाबाद थाने पर किन्नरों ने जमकर किया हंगामा

अपनी साथी की पिटाई से नाराज़ किन्नरों ने थाना रहीमाबाद पर दो घंटा जमकर बवाल काटा मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की माग करते हुए अस्पताल में तोड़फोड़ की पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के बाद किन्नर शांत हुए।

# किसान पथ पर दो अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मंगलवार को एलडीए की प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए किसान पथ के पास 15 बीघा व 10 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 2 अवैध प्लाटिंग को बुलडोज़र चला कर ध्वस्त कर दिया। वहीं मड़ियांव में सीतापुर रोड पर 1 अवैध मैरिज लॉन व देवपुर पारा में 1 आवासीय निर्माण को भी सील किया गया। प्रवर्तन जोन 1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी के अनुसार अजय वीर व अन्य द्वारा किसान पथ के पास इंदिरा नहर के किनारे ग्राम-चौधरी का पुरवा, सिकन्दरपुर में लगभग 15 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए कामिनी इन्क्लेव नाम से अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। इसी तरह ग्राम-दुधरा में किसान पथ से लगी हुयी लगभग 10 बीघा जमीन पर क्वेडा रेजीडेंसी के सचिव द्वारा प्लाटिंग का कार्य करते हुए अवैध कालोनी बसाने का प्रयास किया जा रहा था। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इन दोनों अवैध प्लाटिंग के ख़िलाफ विहित न्यायालय के आदेश पर प्रवर्तन टीम ने मंगलवार को पुलिस बल के सहयोग से दोनों अवैध प्लाटिंग के ध्वस्त कर दिया। इसके अलावा प्रवर्तन जोन 4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार के अनुसार डॉ सैयद अजहर अब्बास रिजवी व अन्य द्वारा मड़ियांव में सीतापुर रोड पर आजाद इंटरप्राइजेज के बगल में लगभग 19,500 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर 2,250 वर्गफिट क्षेत्रफल में हॉल व कमरों का निर्माण कराकर ट्यूलिप मैरिज लॉन संचालित किया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये गये इस निर्माण कार्य को विहित न्यायालय के आदेश पर प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से सील कर दिया। साथ ही प्रवर्तन जोन 3 की जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय ने बताया की वीरपाल, रोहित पाल व अन्य द्वारा देवपुर पारा में सूर्यनगर फाटक के आगे राम बिहार कालोनी में लगभग 3,000 वर्गफिट क्षेत्रफल के भूखण्ड पर अवैध रूप से आवासीय भवन का निर्माण कराया जा रहा था। प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराये बिना अवैध रूप से किये जा रहे इस निर्माण कार्य को विहित न्यायालय के आदेश पर प्रवर्तन टीम ने प्राधिकरण पुलिस बल के सहयोग से सील कर दिया।

# नशेड़ी पति ने डंडे से पीट कर पत्नी को मार डाला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- राजधानी के कमिश्नरेट मोहनलालगंज में 48 घंटे बाद फिर हुआ रिश्तों का कत्ल
- गांव वालों की सूचना पर भाग रहे आरोपी को चौकी इंचार्ज हुलासखेड़ा ने दौड़ाकर पकड़ा

मोहनलालगंज लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में 48 घंटे पहले हुए मां बाप के कातिल बेटे की जहां अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई वही एक बार फिर से क्षेत्र के हुलासखेड़ा के मजरा आनंदपुर गांव में सोमवार की बीती रात मामूली बात से नाराज नशेड़ी पति ने पत्नी पर डंडे से वार कर बुरी तरह घायल कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मंगलवार को सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा और मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर नामजद मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी पति को हिरासत में ले लिया है। मोहनलालगंज के हुलास खेड़ा के मजरा आनंद नगर गांव में सोमवार की देर रात हुई हत्या के बाद में ग्रामीणों ने बताया कि गांव में प्यारेलाल और उनकी पत्नी सरोजनी ने नशेड़ी व झगड़ालू प्रवृति के अपने लड़के 35 वर्षीय राजकुमार को घर से अलग कर दिया था जो अपनी 30 वर्षीय पत्नी कंचन, 7 वर्षीय पुत्र पीयूष,5 वर्षीय पुत्र प्रिंस तथा 2 वर्षीय पुत्री प्रियांशी के साथ माता-पिता के घर से दूर प्लास्टिक के त्रिपाल में अपना आशियाना बना कर मजदूरी करके पेट पाल रहा था। सोमवार की रात बजे मामूली बात को लेकर नशेड़ी राजकुमार ने डंडे से अपनी पत्नी कंचन को बुरी तरह मारा पीटा जिसके बाद गंभीर रूप से घायल पत्नी मौके पर गिर पड़ी वही राजकुमार त्रिपाल के अंदर सो गया और सुबह उठकर जब वह अपनी पत्नी को ढूंढने लगा तो वह मृत पड़ी थी। राजकुमार की पत्नी के मौत की खबर आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। सूचना पाकर मौके पर एसीपी रजनीश वर्मा इंस्पेक्टर अमर सिंह पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद मृतका के शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों की ही निशानदेही पर पुलिस ने नहर किनारे छिपे कंचन के हत्यारे पति राजकुमार को हिरासत में लेकर थाने लाई। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया लगता है की राजकुमार की पिटाई के बाद भाग कर घर के बाहर गिरी कंचन रात भर बगैर इलाज के पड़ी रही और उसकी मौत हो गई। घटनास्थल पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत एसीपी रजनीश वर्मा भी पहुंचे और उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण की। मृतका कंचन के पिता ने तहरीर देकर अपने दामाद राजकुमार पर बेटी को पीट-पीट कर मार डालने का आरोप लगाते हुए पुलिस में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है।

# नवें औषधि अनुसंधान में वर्तमान रुझानों पर होगी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सीएसआईआर केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान में आज से शुरू होगी तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया एवं यूरोप के प्रमुख शोधकर्ताओं सहित 800 से अधिक प्रतिभागी होंगे शामिल

लखनऊ। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान 19 से 22 फरवरी तक जानकीपुरम एक्सटेंशन परिसर में 9वें ''औषधि अनुसंधान में वर्तमान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी'' की मेजबानी करने जा रहा है। सीएसआईआर-सीडीआरआई, लखनऊ की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने बताया कि यह संस्थान का प्रमुख सम्मेलन है, जो हर तीसरे वर्ष आयोजित किया जाता है। इस 9वें सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संक्रामक रोगों, चयापचय, अंतःस्त्रावी एवं न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों के साथ कैंसर में हो रहे नवीनतम शोधों को विस्तार से प्रस्तुत करना है। उन्होंने आगे कहा कि इस सम्मेलन में प्राकृतिक औषधीय उत्पाद एवं रसायन विज्ञान में हुई प्रगति को भी प्रदर्शित किया जाएगा, जो औषधि खोज में बेहतर बदलाव ला रही हैं। आयोजक सचिव, डॉ. कुमारवेलु एवं सह-आयोजक सचिव, डॉ. किशोर मोहनन ने जानकारी दी कि इस कार्यक्रम में प्लेनरी और आमंत्रित व्याख्यान, पैनल चर्चा, फ्लैश टॉक्स एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ होंगी, जिनमें भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक अपने शोध कार्य साझा करेंगे। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के प्रमुख शोधकर्ता इस संगोष्ठी में अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे, जबकि भारत और विदेशों के युवा वैज्ञानिक एवं पीएचडी छात्र चयनित फ्लैश टॉक्स और पोस्टर सत्रों में अपने कार्यों को प्रदर्शित करेंगे। सम्मेलन में लगभग 800 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है, एवं 340 से अधिक शोध पोस्टर प्रदर्शित किए जाएंगे, साथ ही आमंत्रित व्याख्यान और फ्लैश टॉक्स भी आयोजित किए जाएंगे।

### इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय फिएस्टा 2025 का उद्घाटन

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** इंटीग्रल यूनिवर्सिटी ने अपनी बहुप्रतीक्षित वार्षिक महोत्सव 'फिएस्ता 2025' का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के सलाहकार अवनीश कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। इस मौके पर इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रोफ़ेसर सैयद वसीम अख्तर ने छात्रों को कामयाबी का मंत्र देते हुए कहा कि अगर ख़ुद पर यक़ीन हो तो मुश्किल से मुश्किल दिखने वाले ख़्वाब को भी पूरा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ''हमारा प्रयास हमेशा से रहा है कि छात्रों को उच्चतम स्तर की शिक्षा प्रदान की जाए और ऐसे कार्यक्रमों से उनके सर्वांगीण विकास को बढ़ावा मिले। 'फिएस्ता' एक मंच है जहां छात्र अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर सकते हैं और समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ सकते हैं। वहीं कुलपति, प्रो. जावेद मुसर्रत ने इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के समग्र विकास पर केंद्रित दृष्टिकोण पर जोर दिया, जिसमें बौद्धिक वृद्धि, कौशल विकास, शारीरिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहभागिता और नेतृत्व को प्राथमिकता दी जाती है।

### गुरमति साहित्य में ब्रज भाषा का प्रभाव विषयक संगोष्ठी का आयोजन

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी की ओर से गुरमति साहित्य में ब्रज भाषा का प्रभाव विषयक संगोष्ठी का आयोजन मंगलवार को किया गया। इसमें संदेश दिया गया कि गुरमति साहित्य में सामाजिक एकजुटता के लिए पंजाबी और उत्तर भारत की स्थानीय भाषाओं का प्रयोग किया गया। अपने विचार रखते हुए आमंत्रित वरिष्ठ पंजाबी लेखक दविन्दर पाल सिंह ल्लबग्गाङ्क ने कहा कि वास्तव में गुरमत साहित्य का तात्पर्य गुरु ग्रंथ साहिब के सभी वाणी कारों की वाणी, गुरु गोविंद सिंह जी की वाणी और भाई गुरदास जी की रचनाओं से है। गुरु ग्रंथ साहब में वर्णित वाणीकारों में सिख धर्म के छह गुरु साहबान के अलावा 15 भक्त जनों की वाणी भी सम्मिलित है। नवयुग कन्या महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष मेजर डॉ मनमीत कौर सोढी ने कहा कि गुरमति साहित्य पर ब्रज भाषा का प्रभाव सिख धर्म की समावेशी प्रवृत्ति को दर्शाता है। सिख गुरुओं ने धर्म, भक्ति और वीर रस से ओतप्रोत ग्रंथों में ब्रज भाषा का उपयोग किया, जिससे उनके संदेश अधिक प्रभावी और जनसुलभ बने।

### जबरन जमीन कब्जा करने का आरोप मुकदमा दर्ज

**बंथरा,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** क्षेत्र के ऐन गांव निवासी सौरभ कुमार पुत्र सुंदरलाल ने अपने ही गांव में स्थित अपनी पैतृक जमीन को कुछ दबंग लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने और वहीं पर स्थित उनके मुर्गी फार्म को नष्ट करने का आरोप लगाया है। आरोप के आधार पर उनकी दी गई तहरीर पर बंथरा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अपनी कार्रवाई शुरू की। पीड़ित सौरभ कुमार के अनुसार उनकी पैतृक भूमि गाटा संख्या 1659 उनके ऐन गांव में ही स्थित है जिस पर अपने पिता के साथ खेती करते हुए वह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। बीती 15 नवंबर को दोपहर 11-12 बजे विजय प्रताप सिंह पुत्र धर्मेंद्र प्रताप सिंह निवासी न्यू सोसाइटी निकट गुरुद्वारा सरोजिनी नगर, उदयभान, बबलू दरोगा अपने चार-पांच साथियों के साथ एक जेसीबी मशीन लेकर आए और उनके खेत पर जबरन कब्जा करने लगे। सौरभ के अनुसार आरोपियों ने खेत पर ही स्थित उनके मुर्गी फार्म को भी नष्ट कर दिया जिससे उनको भारी आर्थिक नुकसान हुआ। सौरभ ने बताया कि जब वह अपने कुछ परिचितों के साथ मिलकर अपनी जमीन कब्जाए जाने का विरोध किया तो आरोपियों ने मिलकर उनके साथ गाली गलौज किया वह जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों द्वारा उनसे जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए कहा गया कि यहां से चले जाओ नहीं तुम्हें जमीन में गाड़ देंगे। फिलहाल पीड़ित के आरोपों के आधार पर बंथरा पुलिस ने मंगलवार को मुकदमा दर्ज करते हुए अपनी कार्रवाई शुरू की है।

# पक्की छत के लिए ग्रामीणों ने विधायक से लगाई गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बंथरा लखनऊ । हर गरीब को भी पक्की छत मिले यह सरकार का सपना है। हर मंच से मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक अपने इस सपने को साकार करने के लिए द्ण संकल्पित नजर आते हैं लगातार इसका ऐलान भी किया जाता रहता है। गांवों में प्रधानमंत्री सरकारी आवास योजना के तहत लोगों को आवास दिए भी जा रहे हैं, किंतु सरकार का यह सपना 100% कब तक पूर्ण होगा सरकार के तमाम वादों और दावों के बावजूद यह अभी भी बड़ा सवाल बना हुआ है। सरकार के वादों और दावों की जमीनी हकीकत जानना हो तो अभी भी गांव और गलियों में जाकर हकीकत पता की जा सकती है। अभी भी गावों में तमाम ऐसे घर मिल जाएंगे जिनको अभी भी पक्की छत नसीब नहीं हुई है, और यह हाल जब राजधानी का है तो दूर दराज के क्षेत्र का क्या हाल होगा आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है। हम बात कर रहे हैं राजधानी के सरोजिनी नगर विकासखंड के तिर्वा गांव की जहां करीब दर्जन भर ग्रामीण पक्की छत की आस में बैठे-बैठे जब थक गए तो हार कर वह क्षेत्रीय विधायक राजेश्वर सिंह के कार्यालय पर पहुंच गए और अपनी उम्मीद पूरी होने की आस में सरकारी आवास की गुहार लगाई। तिर्वा गांव के दर्जनों ग्रामीण अभी भी कच्चे मकान में रह रहे हैं यहां की रहने वाली मालती, पूजा, गीता, रामरती, विटोला, रजाका, सुनीता, रीना, खुशबू ,संजय कुमारी, मुन्नी, सुंदारा, निशा गौतम आदि ने विधायक कार्यालय पर अपनी उम्मीदों को पूरा होने की आस में पहुंचकर आवास के लिए गुहार लगाई है। इसके अलावा क्षेत्रीय कार्यकर्ता रामकिशोर कश्यप हरौनी गांव निवासी संदीप कुमार ने ग्रामीणों की बिजली, पानी की अन्य समस्याओं से भी अवगत कराया जहां विधायक कार्यालय की ओर से ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया है।

# केनव्यू ने शुरू की नई जनस्वास्थ्य पहल डायरिया से डर नहीं

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मंगलवार को हजरतगंज स्थित एक निजी होटल में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि ओआरएसएल बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने पॉपुलेशन सर्विसेज़ इंटरनेशनल इंडिया के साथ मिलकर एक नई जनस्वास्थ्य पहल डायरिया से डर नहीं की शुरुआत की है।

अगले दो से अधिक वर्षों में लगभग 5 मिलियन बच्चो तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ, यह पहल उत्तर प्रदेश के 7 जिलों और बिहार के 3 जिलों में दस्त से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर केंद्रित होगी। डायरिया से डर नहीं अभियान के तहत, ओआरएसएल के निर्माता केनव्यू और पीएसआई इंडिया राज्य सरकार के अधिकारियों और स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर एक एकीकृत दस्त प्रबंधन कार्यक्रम लागू करेंगे। यह कार्यक्रम रोकथाम और उपचार के दोनों पहलुओं पर केंद्रित होगा, जिसमें विशेष रूप से 0 से 5 वर्ष के बच्चों पर ध्यान दिया जाएगा। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के बदायूं, मथुरा, उन्नाव, मुरादाबाद, गोंडा, श्रावस्ती और फिरोजाबाद जिलों में लागू किया जाएगा।

## पीडीए महिला सम्मेलन में महिलाओं का उमड़ा जनसैलाब, 2027 जिताने का लिया संकल्प

# समाजवादी पार्टी के लिए पीडीए का हित सर्वोपरि : प्रदेश अध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- सपा सरकार में महिलाओं के लिए चलाई गई थी अनेकों कल्याणकारी योजनाएं : जूही सिंह





मलिहाबाद/लखनऊ। समाजवादी पाटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी महिला सभा द्वारा मंगलवार को मलिहाबाद में सागर लॉन पर पीडीए महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। पीडीए महिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल,विशिष्ट अतिथि सांसद आर.के चौधरी,महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह को कार्यक्रम की आयोजक महिला सभा जिलाध्यक्ष प्रेम लता यादव,नि. प्रत्याशी सोनू कन्नौजिया सहित उपस्थित सभी नेताओ व महिलाओं ने फूलों की मालाओं के साथ अंगवस्त्र भेंट कर ज़ोरदार स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने अपने संबोधन में कहा कि पीडीए महिला सम्मेलन का आयोजन महिलाओं को उनके हक एवं अधिकारों के साथ ही संविधान के बारे में जानकारी देना है। आज भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं को उनका हक पता न होने के कारण वह अपने अधिकारों से वंचित हैं। समाज में आज भी महिलाओं में शिक्षित महिलाओं का प्रतिशत बहुत कम है और वह सिर्फ एक गृहणी बन कर रह गयी हैं। सभी महिलाओं को अपने अधिकारों का ज्ञान होना आवश्यक है तभी उनका योगदान अपने परिवार के साथ ही देश-प्रदेश की तरक्की में होगा। इसके आगे उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव एवं दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ किया है। लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। परन्तु बीजेपी में लोकलाज नहीं बची है। इस दौरान महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिहं ने कहा कि भाजपा सरकार में महिला असुरक्षित महसूस कर रही हैं। आज देश भर में महिलाओं और बेटियों के साथ अत्याचार की घटना में वृद्धि हो रही है। भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने में असफल रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में महिला और बेटियों के उत्थान एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए अनेक योजना चलाई गई थी और उन्हें मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया गया था। समाजवादी पार्टी ने हमेशा महिलाओं के हितों को सर्वोपरि रखा है। आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में महिलाएं समाजवादी पार्टी से जुड़ रही हैं और आगामी 2027 में पुनः सपा सरकार बनाने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व सांसद सुशीला सरोज,पूर्व प्रत्याशी एवं प्रभारी सोनू कनौजिया,प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा,जिलाध्यक्ष जय सिंह 'जयन्त',उपाध्यक्ष विजयश्री गौतम,राष्ट्रीय प्रवक्त नाहिद लारी,प्रदेश सचिव राशिद अली,ललिता राजपूत लोधी,अर्चना रावत,इस्तियाक अहमद,पार्षद ममता रावत,विजयश्री गौतम,विधानसभा अध्यक्ष सोनीष मौर्य,निहाल अहमद सिद्दीकी,पूर्व जिलाध्यक्ष नागेन्द्र सिंह यादव,प्रवक्ता नाहिद लारी,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष वंदना चतुर्वेदी,काकोरी प्रधान संघ अध्यक्ष आनंद यादव,शब्बीर अहमद खान,बचान सिंह यादव,फ़ैसल मकबूल खान,अधिवक्ता सभा सचिव राम सिंह यादव,अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमान हसन खाँ,रामनाथ रावत,हारून अजीज,सरनाम सिंह,हरिशंकर यादव,संदीप सिंह यादव,ज़िला सचिव ज़िया उल रहमान ख़ान,.जीशान वली खाँ,राम गोपाल यादव,सरोज यादव,लुकमान अली,राम नारायण रावत,रणदीप गुप्ता उर्फ रिक्की गुप्ता,सहकारी संघ लिमिटेड काकोरी सभापति केशरी राव धारा सिंह यादव,वीना रावत,रामप्यारी रावत,पार्वती गौतम,रीना रावत,रूमन मौर्य,तितली राठौर,विमला पाल,उमा रावत,विद्यावती गौतम सहित हजारों की संख्या में महिलाएं एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# बोर्ड परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए : डीएम

- जनपद सीतापुर मे हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2025 में कुल 146 परीक्षा केन्द्र निर्धारित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । यू0पी0 बोर्ड परीक्षा को सकुशल एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा ड्यूटी को लेकर भी गंभीरता बरतें, यह सुनिश्चित किया जाये। राजकीय इंटर कॉलेज सभागार में बोर्ड परीक्षा की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट समेत केंद्र व्यवस्थापक व वाह्य केंद्र व्यवस्थापकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनपद सीतापुर मे हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट बोर्ड परीक्षा-2025 में कुल 146 परीक्षा केन्द्र निर्धारित है। कुल 146 परीक्षा केन्द्रों के सापेक्ष 19 राजकीय, 38 अशासकीय सहायता प्राप्त एवं 89 वित्तविहीन विद्यालय सम्मिलित है। बोर्ड परीक्षा-2025 में जनपद सीतापुर में कुल 92151 परीक्षार्थी पंजीकृत है, जिसमें हाईस्कूल के 47623 परीक्षार्थी एवं इण्टरमीडिएट के 44528 परीक्षार्थी सम्मिलित है। कार्यालय, जिला विद्यालय निरीक्षक, सीतापुर में जनपद स्तरीय कंट्रोल रूम/मॉनिटरिंग सेल स्थापित किया गया है, जिससे समस्त 146 परीक्षा केन्द्रों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जायेगी। समस्त 146 परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती की जा चुकी है। निर्धारित 146 परीक्षा केन्द्रों पर वाह्य केन्द्र व्यवस्थापकों/ स्टैटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट/जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती हो चुकी है। समस्त 146 परीक्षा केन्द्रों पर आवंटित छात्र संख्या के अनुसार कक्ष निरीक्षकों की तैनाती हो चुकी है। परीक्षा केन्द्रों के सघन निरीक्षण हेतु जनपद स्तर पर 06 सचल दल का गठन किया गया है। बोर्ड परीक्षा-2025 हेतु सादी उत्तर-पुस्तिकाओं/ओ0एम0आर0 का वितरण राजकीय इण्टर कॉलेज, सीतापुर से किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने कहा कि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होनी है। केंद्र व्यवस्थापक व परीक्षा में लगे अन्य सभी अधिकारी शासन के नियम निर्देशों को अच्छी तरह से पढ़ते हुए पालन कराएं। नकल विहीन व शुचितापूर्ण तरीके से परीक्षाएं संपन्न कराई जानी हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर सभी परीक्षार्थियों की तलाशी के बाद ही प्रवेश कराने की नियमित व्यवस्था की जाए। परीक्षा केंद्रों पर लगे सी0सी0टी0वी0 कैमरों समेत वॉयस रिकार्डर आदि के प्रभावी रूप से कार्य करने की जांच प्रतिदिन होनी चाहिए। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई समेत प्राथमिक चिकित्सा आदि की व्यवस्था दुरुस्त की जायें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा अवधि में परीक्षार्थियों, कक्ष निरीक्षकों और परीक्षा कार्य में लगे अन्य कर्मचारियों द्वारा मोबाइल फोन ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। केंद्र व्यवस्थापक ही फोन रख सकेंगे। परीक्षार्थी व कक्ष निरीक्षकों के फोन जमा करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर अलग से व्यवस्था रहेगी।क्षेत्राधिकारी नगर दिनेश कुमार शुक्ला ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे। इसके अलावा अतिसंवेदनशील परीक्षा केंद्रों का विशेष रूप से निरंतर सघन निरीक्षण किया जाएगा। सशस्त्र पुलिस बल की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। किसी भी स्थिति में परीक्षा अवधि में बाहरी व्यक्ति को परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं देना है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह सहित सभी उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेन्द्र सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अखिलेश प्रताप सिंह व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# राज्य स्तरीय आमंत्रण कबड्डी महिला सीनियर वर्ग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

## हार जीत सिर्फ खेल का एक अंग : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । जिला खेल कार्यालय, सीतापुर द्वारा आज दिनांक 18.02.2025 को खेल निदेशालय के तत्वाधान में राज्य स्तरीय आमन्त्रण कबड्डी (महिला सीनियर वर्ग) प्रतियोगिता आयोजन किया गया, जिसमें 10 टीमों क्रमशः सीतापुर, वाराणसी, आगरा हास्टल, लखनऊ, गाजीपुर, अयोध्या, कानपुर, गोरखपुर, महाराजगंज एवं जौनपुर ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनके मनोबल को बढ़ाया तथा कहा कि खेल पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ खेला जाये। हार जीत सिर्फ खेल का एक अंग है। जिलाधिकारी ने सीतापुर एवं जौनपुर के बीच हुयी कबड्डी प्रतियोगिता को भी देखा। जिलाधिकारी द्वारा दूसरे जनपद में आयोजित हुयी ओपेन स्टेट फुटबाल प्रतियोगिता में जनपद सीतापुर की टीम के विजय होने पर उनको सम्मानित करते हुये बधाई भी दी। इस मौके पर खेल निदेशालय के नियुक्त प्रतियोगिता प्रवेक्षक सुनील भारती, उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के चेयर मैन विनोद कुमार यादव एवं समस्त निर्णायक, आशीष सिंघानियां प्रबन्धक सिघांनिया एजूकेशनल इस्टीटयूट् सीतापुर, राज शर्मा, जिला व्यायाम शिक्षक, जिला खेल कार्यालय, सीतापुर के खेल प्रशिक्षक सुरेन्द्र कुमार लाल, विवेक सिंह, अरूण गौतम, मंयक आनंद, देवेन्द्र कुमार व खेल कार्यालय महमूदाबाद के प्रशिक्षक जय शंकर एवं समस्त स्टाफ व खिलाड़ीगण आदि उपस्थिति रहे। सर्वप्रथम प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी द्वारा मुख्य अतिथि को बुके देकर संमानित किया गया। तत्पश्चात जिला अधिकारी महोदय द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया एवं गुब्बारे छोड़कर कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। इसके उपरान्त प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी के द्वारा अपने संबोधन में जिलाधिकारी, महोदय को प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी देते हुये सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।*कबड्डी (महिला सीनियर वर्ग) प्रतियोगिता आयोजन के मैच का परिणामपहला मैच-* सीतापुर बनाम जौनपुर के मध्य खेला गया जिसमें जौनपुर ने 12-9 विजय प्राप्त की। दूसरा मैच-गोरखपुर बनाम अयोध्या के मध्य खेला गया जिसमें मैच 26-26 की बराबरी पर खत्म हुआ।

# तारकोल चुराते दो गिरफ्तार

- पांच ड्रम तारकोल लदी पिकप बरामद
- सदरपुर थाना क्षेत्र का मामला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जहांगीराबाद सीतापुर। पुलिस ने रोड बनाने के लिए रखा तारकोल चुराते दो चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मौके पर अभियुक्तों के पास से चोरी में प्रयुक्त पिकप वाहन भी मिला है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अपराध नियंत्रण एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत सोमवार/मंगलवार की देर रात 01:54 बजे क्षेत्रीय उपनिरीक्षक एवं देबियापुर पुलिस चौकी प्रभारी दिलीप कुमार सिंह अपने हमराही कांस्टेबलों शुभम तिवारी व पवन कुमार के साथ जहांगीराबाद क्षेत्र में गश्त कर रहे थे इसी बीच उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग जहांगीराबाद से त्रिलोकपुर गांव जाने वाले मार्ग पर सड़क मरम्मत के लिए रखा तारकोल चोरी से पिकप में लाद रहे हैं। पुलिस ने सूचना मिलते ही घेराबंदी कर दो चोरों को पकड़ लिया। उनके पास से चोरी कर ले जाया जा रहा पांच ड्रम तारकोल सहित पिकप वाहन संख्या यूपी 32 के एन 3363 भी पुलिस को मिला है।उपनिरीक्षक दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गये अभियुक्तों ने अपना नाम राम किशन(30) पुत्र राम औतार नाई व सोनू(28) पुत्र श्रीराम दोनों निवासी ग्राम लूमामऊ थाना संडीला जनपद हरदोई बताया है।

# महाकुंभ के धार्मिक लाभ से अब कैदी भी होंगे फलीभूत

- जेल प्रशासन खीरी ने उठाया यह बड़ा कदम
- जिला जेल में कैदी भी गंगाजल में डुबकी लगाएगे, कैदियों की आस्था को देखते हुए जिला जेल प्रशासन खीरी ने संगम तट से मंगाया गंगाजल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। हर किसी की चाह है कि वो भी 144 साल बाद आए महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाए। ऐसे में लखीमपुर-खीरी जिला जेल में बंद कैदियों व बंदियों की भी इच्छा थी कि वे भी गंगाजल से स्नान कर पुण्य कमाएं हालांकि कैदियों की आस्था को देखते हुए जेल प्रशासन ने संगम तट से पवित्र गंगाजल लाने के लिए कर्मचारियों को तीर्थराज प्रयागराज भेजा था वे संगम से गंगाजल लेकर लौट आए हैं। कैदियों व बंदियों की धार्मिक भावना का सम्मान खीरी जिला कारागार में बंद ज्यादातर कैदियों व बंदियों ने महाकुंभ के अवसर पर संगम तट से पवित्र गंगाजल प्राप्त करने की इच्छा जाहिर की थी। उक्त मामले में जेलर हरिवंश

पाण्डेय से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिला जेल में निरुद्ध पुरुष 964 व 28 महिला बंदी हैं। जिला कारागार प्रशासन खीरी द्वारा कैदियों की इस धार्मिक भावना को सम्मान देते हुए कर्मचारियों को प्रयागराज भेजा गया था, जो वहां से संगम का पावन जल लेकर लौट आए हैं जो गंगाजल मंगाया गया उस पर लिखा है संगम, प्रयागराज गंगा नदी का पवित्र जल, 21 फरवरी प्रातः 8 बजे से 9 बजें तक महाकुंभ संगम जल से जिला जिले में सभी बंदियों को गंगा स्नान कराया जाएगा जिससे कैदियों को आध्यात्मिक शांति, पुण्य और सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी। जेल में बंद कैदी ऐसे लेंगे महाकुंभ स्नान का लाभ जेल अधीक्षक पी. डी. सलौनिया ने बताया कि बंदी लोगों की भावनाओं को देखते हुए जेल प्रशासन ने स्टाफ को भेजकर संगम तट से गंगाजल को मंगवाया है। इससे जेल में बंद बंदी स्नान करेंगे और इससे उनकी धार्मिक भावनाओं की संतुष्टि होगी हालांकि वे बाहर जा नहीं सकते हैं, इसलिए उनके लिए गंगाजल मंगवाया है। गंगाजल मिलने की बात से कैदी भी बेहद खुश हैं, जिला जेल में इस समय 992 कैदी बंद हैं। कई कैदियों ने जताई थी स्नान की इच्छा जेलर हरिवंश पाण्डेय ने बताया कि कैदियों के नहाने के पानी की जहां से आपूर्ति होती है, उसी पानी में गंगाजल को मिलाया जाएगा। इससे सभी कैदियों तक गंगाजल का पानी पहुंच जाएगा जिससे वे स्नान करेंगे। कैदियों की मांग थी कि वे भी गंगाजल से स्नान करें। ऐसे में वे बाहर जा नहीं सकते, कैदियों की भी अपनी आस्था थी। जेल प्रशासन ने उनकी मांग को देखते हुए संगम से गंगाजल मंगवाया। जेल प्रशासन का ये प्रयास कैदियों के मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए किया गया है, जिससे वे सजा की अवधि के दौरान धार्मिक आस्था और मानसिक शांति बनाए रख सकें।जेलर हरिवंश पाण्डेय ने बताया कि जेल में बंद कैदियों को भी इस महाकुंभ के धार्मिक लाभ के लिए ऐसी व्यवस्था की गई है जिससे सभी कैदी पुण्य अर्जित कर सकेंगे।यह कैदियों के मानसिक शांति का साधन भी बनेगा।

# बीआरसी में नोडल शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण

- विशेष बच्चों की शिक्षा पर विशेष फोकस, दिव्यांग बच्चों की शिक्षा पर हुई चर्चा
- दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नोडल शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न
- बीआरसी पर चल रहे शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांकेगंज-खीरी। मंगलवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र बांकेगंज में खंड शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार के निर्देशन में समावेशी शिक्षा के अंतर्गत पांच दिवसीय नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। ब्लॉक संसाधन केंद्र में 13 फरवरी से चल रहे समावेशी शिक्षा के अंतर्गत पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दोनों बैचो का मंगलवार 18 फरवरी को समापन हो गया प्रशिक्षण में दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु शिक्षक की प्रविधियां कक्षा रूम प्रबंधन पाठक सहगामी क्रियाएं एवं अधिगम के लिए सार्वभौमिक अभिकल्प दिव्यांगजनों की शिक्षा में। सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी समर्थ मोबाइल एप पोर्टल निदानात्मक शिक्षक एवं इसके क्रियान्वयन के चरण बुनियादी साक्षरता में सपोर्ट हेतु शिक्षण रणनीतियां बुनियादी संख्या ज्ञान में सपोर्ट हेतु शिक्षण रणनीतियां होम बेस्ट एजुकेशन तथा विद्यालय सुगम्यता सर्वेक्षण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा पर चर्चा परिचर्चा हुई। नोडल शिक्षकों के प्रशिक्षण में विशेष शिक्षक सूरज पाल, अर्चना शुक्ला, प्रेमपाल गंगवार,जगतपाल सुमन लता, ओमप्रकाश गुप्ता, मिथिलेश मिश्रा ने दिया। प्रशिक्षण में विनय कुमार शुक्ला रामकृपाल मिश्रा पंकज मिश्रा जितेंद्र कुमार वर्मा जगन्नाथ प्रसाद अशोक कुमार रंजना जायसवाल प्रीति रीना गिरी राजकुमार मनोज कुमार आदि नोडल शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में विशेष सहयोग सहायक लेखाकार दिनेश कुमार शर्मा का रहा।

# सीडीओ व वैन लीर फाउंडेशन टीम ने जिले के हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

एजेंसी

फतेहपुर। जिले में बुधवार को चयनित हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र (लाइट हाउस) में निर्माणधीन लाइट हाउस का मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना के साथ वैन लीर फाउंडेशन की मुख्य कार्यक्रम अधिकारी रुश्दा मजीद, विक्रमशिला एजूकेशन रिसोर्स सोसाइटी की निदेशक शुभ्रा चैटर्जी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास व पुष्टाहार विभाग साहब यादव, खण्ड विकास अधिकारी राहुल मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से भ्रमण कर ग्राम पंचायत के सहयोग से किये जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया। भ्रमण कार्यक्रम में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत बिलंदपुर कार्यालय में ग्राम प्रधान रेखा देवी व ग्राम विकास अधिकारी अतुल श्रीवास्तव द्वारा आयोजित सामुदायिक बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों एवं बच्चों के देखभाल कर्ताओं के साथ ग्राम में बच्चों के लिए किये जा रहे विकास कार्यों पर चर्चा की गई। बाद मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना के नेतृत्व में समस्त विभागीय अधकारियों व पंचायत प्रतिनिधियों के द्वारा चयनित हाई टच आँगनबाडी केंद्र का भी निरीक्षण किया गया। जिला कार्यक्रम समन्वयक अनुभव गर्ग, स्वास्थ्य एवं पोषण विषय विशेषज्ञ सोनल रूबी राय द्वारा बताया गया कि इस हाई टच आँगनबाड़ी केंद्र को बाल संवेदनशील स्थान (लाइट हाउस) मॉडल के रूप में परिवर्तित कर अनेकों नवाचार किये जा रहे है। इस आँगनवाड़ी केंद्र के अंदर बच्चों के सीखने के अवसरों को बढ़ाने के लिए विभिन्न लर्निंग कार्नर का निर्माण, लो हाइट ब्लैकबोर्ड, फ्लोर पेंटिंग, सॉफ्ट बोर्ड, एवं आँगनबाड़ी केंद्र के अंदर व बाहर अनेकों शिक्षाप्रद चित्रकारी निर्मित की गई हैं।

# कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन में बम की सूचना निकली फर्जी

एजेंसी

बलिया। बलिया रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को मुम्बई जाने के लिए प्लेटफार्म पर खड़ी कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन में कंट्रोल रूम से संदिग्ध बैग (बम) रखने की सूचना पर प्रशासन में खलबली मच गई। देखते ही देखते स्टेशन पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। मौके पर सीओ सिटी श्यामकांत, आरपीएफ उपनिरीक्षक जयेंद्र कुमार मिश्र और जीआरपी प्रभारी विवेकानन्द भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। वाशिंग पिट पर साफ-सफाई के लिए खड़ी कामायनी एक्सप्रेस की जांच की। जवानों ने खोजी कुत्ते व मेटल डिटेक्टर से जांच की, इसको लेकर घंटों गहमागहमी बनी रही। शाम साढ़े चार बजे के बाद ट्रेन रवाना की गई। कामयानी एक्सप्रेस ट्रेन में बम होने की सूचना के बाद प्लेटफार्म पर बैठे यात्रियों के सामानों व संदिग्ध बैग, गठरी की जांच की गई। इसकी पल-पल की सूचना कंट्रोल लेता रहा। कामायनी एक्सप्रेस में मैनुअली चेकिंग में कुछ न मिलने पर छपरा से डॉग स्क्वायड व आजमगढ़ से बम निरोधक दस्ता को बुलाया गया। रेलवे स्टेशन पर पुलिस चप्पे-चप्पे पर पुलिस जवान जांच-पड़ताल करते रहे। प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट रहा। सीओ सिटी श्यामकांत ने बताया कि कामायनी एक्सप्रेस ट्रेन में सुबह छह बजे के करीब मुबई से बलिया प्लेटफार्म संख्या तीन पर खड़ी थी। करीब 11 बजे गोरखपुर कंट्रोल से ट्रेन में कामायनी एक्सप्रेस में संदिग्ध बैग (बम) रखने की सूचना मिली। पुलिस बल ट्रेन से यात्रियों को खाली करवा कर जांच के लिए वाशिंग पिट पर ले जाकर जांच पड़ताल की। सुरक्षा की दृष्टि से डॉग स्क्वायड व बम निरोधक दस्ता को भी बुलाया गया। ट्रेन में कोई बम नहीं मिला। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि जांच के बाद 04:45 पर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है।

# टॉपर्स ने लिया निशुल्क हवाई यात्रा का आनंद, देखीं दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतें

- 30 बच्चों के एकमुस्त एडमिशन पर हमसे जुड़े हवा में उड़े योजना की पेशकश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। जनपद खीरी के ख्याति प्राप्त शिक्षण संस्थान सिटी मांटेसरी स्कूल के उत्कृष्ट शिक्षार्थियों को निःशुल्क हवाई यात्रा से दिल्ली घूमने का अवसर विद्यालय प्रबंधन द्वारा दिया गया। बताते चलें कि सिटी मोंटेसरी इण्टर कॉलेज लखीमपुर के अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम की गृह परीक्षाओं में टॉप करने वाले छात्रों किशन वर्मा और अथर्व मिश्रा को निःशुल्क हवाई यात्रा से दो दिवसीय दिल्ली भ्रमण का वादा विद्यालय प्रबंधन ने पूरा करते हुए दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतें से परिचित करवाया। लखनऊ से इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली जाकर छात्रों ने लाल किला, जंतर मंतर,

इंडिया गेट, बिरला मंदिर, मुगल गार्डन, कुतुब मीनार, लोकसभा, लोटस टेम्पल और अक्षर धाम मंदिर का भ्रमण किया एवं लाल किले के ऐतिहासिक महत्व को दिखाने वाले लाइट शो जय हिन्द को भी आनंद लिया।दोनों छात्रों के साथ दिल्ली भ्रमण से लौटे विद्यालय प्रबंधक विशाल सेठ और एम डी लेखनी सेठ, प्रबंधक विशाल सेठ ने बताया कि भविष्य में भी टॉपर्स को ये अवसर मिलेगा, साथ ही विद्यालय में 30 बच्चों का एक साथ प्रवेश कराने वाले किसी भी व्यक्ति को ''हमसे जुड़े-हवा में उड़े'' अभियान के अंतर्गत निःशुल्क हवाई यात्रा का अवसर मिलेगा।

## कस्तूरबा गांधी विद्यालय की कक्षा आठ की बालिकाओं के बौद्धिक विकास के दृष्टिगत साइंस सिटी लखनऊ भ्रमण कार्यक्रम

**सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता।** जनपद सीतापुर में लिंगानुपात में सुधार के दृष्टिगत संचालित बेबचाओ बेटी पढ़ाओ/ मिशन शक्ति 0.5 आभियान के अन्तर गत जनपद के समस्त कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के कक्षा आठ की छात्राओं के बौद्धिक विकास के दृष्टिगत दिनांक 18 फरवरी से 23 फरवरी 2025 तक आंचलिक विज्ञान नगर जनपद लखनऊ का भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन कराया जा रहा है, जिसके क्रम में दिनांक 18-02-2025 कों कस्तूरबा गांधी विद्यालय हरगांव, परसेण्डी, लहरपुर तथा खैराबाद जनपद सीतापुर कि समस्त छात्राओं को साइंस सिटी भ्रमण हेतु जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा 02 बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन आधिकारी प्रिया पटेल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खेल क्रीड़ा अधिकारी, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी दीपिका नाग संरक्षण अधिकारी तथा डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर चाइल्ड लाइन उपस्थित रहीं।

## जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक बैठक समस्त तहसीलदारों के साथ आहूत की गयी

**सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता।** मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीतापुर, ''श्री कुलदीप सक्सेना'' के निर्देशानुसार, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ''श्री नरेन्द्र नाथ त्रिपाठी'' द्वारा आज दिनांक-18.02.2025 को समय-01:30 बजे एक बैठक समस्त तहसीलदारों के साथ आहूत की गयी, उक्त बैठक की ''अध्यक्षता श्री भगीरथ वर्मा,'' अपर जिला जज, पाक्सो कोर्ट/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा, दिनांकित-08.03.2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफल बनाये जाने हेतु उपस्थित समस्त तहसीलदारो/नायब तहसीलदारों से वार्ता की गयी। मा0 नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हांकित कर निस्तारित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किये जाने हेतु उपस्थित समस्त अधिकारियों से वार्ता की गयी।

## महाकवि सुब्रमण्यम भारती की हर सांस मां भारती की सेवा के लिए थी समर्पित : डॉ.जयंती

**वाराणसी।** तमिल महाकवि सुब्रमण्यम भारती की पौत्री डॉ. जयंती मुरली कहा कि महाकवि सुब्रह्मण्य भारती ऐसे महान मनीषी थे, जो देश की आवश्यकताओं को देखते हुए काम करते थे। उनका विजन व्यापक था। उन्होंने हर उस दिशा में काम किया, जिसकी जरूरत उस कालखंड में देश को थी। वह काशी तमिल संगमम-3 के चौथे दिन मंगलवार को नमोघाट पर आयोजित चित्र प्रदर्शनी में प्रतिभागियों से रूबरू हो रही थीं। उन्होंने तमिल विद्यार्थियों के साथ शहर के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्रों द्वारा नारा लेखन,पोस्टर पेंटिंग एवं प्रश्नोत्तरी में पूरे उत्साह से भागीदारी की। ऋषि अगस्त्य एवं विकसित भारत विषयक चित्र प्रदर्शनी में शामिल छात्रों का उत्साह बढ़ाया। साथ ही विद्यार्थियों को महाकवि के जीवन और कृतित्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाकवि केवल तमिलनाडु और तमिल भाषा की ही धरोहर नहीं हैं। वो एक ऐसे विचारक थे, जिनकी हर सांस माँ भारती की सेवा के लिए समर्पित थी। भारत का उत्कर्ष, भारत का गौरव उनका सपना था। काशी से उनका रिश्ता, काशी में बिताया गया उनका समय, काशी की विरासत का एक हिस्सा बन चुका है। वो काशी में ज्ञान प्राप्त करने आए और यहीं के होकर रह गए। महाकवि ने अपनी बहुत सी रचनाएँ गंगा के तट पर काशी में रहते हुए लिखी थीं। केवल 39 वर्ष के जीवन में महाकवि ने हमें बहुत कुछ दिया। वे एक ओर आध्यात्म के साधक भी थे, दूसरी ओर वो आधुनिकता के समर्थक भी थे। उनकी रचनाओं में प्रकृति के लिए प्यार भी दिखता है और बेहतर भविष्य की प्रेरणा भी दिखती है।डॉ. जयंती ने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान उन्होंने आज़ादी को केवल मांगा नहीं, बल्कि भारत के जन-मानस को आजाद होने के लिए झकझोरा। महाकवि भारती युवा और महिला सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक थे। गौरतलब है कि प्रदर्शनी का आयोजन केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की पहल पर आयोजित किया गया है।

## नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास

**फिरोजाबाद।** न्यायालय ने मंगलवार को नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसको अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। थाना टूंडला क्षेत्र अन्तर्गत 10 सितम्बर 2021 को एक नाबालिग गांव के बाहर खेत पर गई थी तभी पीछे से राजू उर्फ राजकुमार पुत्र भूरी सिंह आ गया। उसने बालिका को बुरी नियत से पकड़ लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के पिता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने विवेचना के बाद राजू उर्फ राजकुमार के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। मुकदमा अपर सत्र न्यायाधीश, विशेष न्यायाधीश पोक्सो मुमताज अली की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष की तरफ से मुकदमे की पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक संजीव शर्मा ने बताया मुकदमे के दौरान कई गवाहों ने गवाही दी। कई साक्ष्य न्यायालय के सामने प्रस्तुत किए गए। गवाहो की गवाही तथा साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने राजू उर्फ राजकुमार को दोषी माना।न्यायालय ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 21000 रुपए का अर्थ दंड लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

## बोर्ड परीक्षा 2025: सुचारू संचालन के लिए जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

**मीरजापुर।** आगामी बोर्ड परीक्षा 2025 को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मंगलवार को ओझला स्थित एक स्कूल में सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। परीक्षा 24 फरवरी से 12 मार्च 2025 तक दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें 72,784 छात्र भाग लेंगे। बैठक में जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल प्रतिबंध, सीसीटीवी निगरानी, सघन तलाशी और परीक्षा में अनुशासन बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।


उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना सं. 2025–ए.एम.वी.–सी एंड डब्लू ईनिविदा–11 दिनाँक 15.02.2025

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| 1 | कार्य का नाम | ओवरआलिंग ऑफ ई.पी.पी.एफ.एस. सिस्टम इन एल.एच.बी. कोचेस |
| 2 | कार्यस्थल | सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ |
| 3 | अनुमानित लागत | रू. 2,02,75,010.16 मात्र (रु. दो करोड़ दो लाख पचहत्तर हजार दस और सोलह पैसे) |
| 4 | निविदा प्रपत्र का मूल्य | शून्य |
| 5 | बिड सिक्युरिटी | रू. 2,51,400/- मात्र (रु. दो लाख एक्यावन हजार चार सौ मात्र) |
| 6 | कार्य पूर्ण करने की अवधि | 02 वर्ष। |
| 7 | निविदा जमा करने की तिथि एवं समय | दिनांक 24.02.2025 से 10.03.2025 समय 15.00 बजे तक। |
| 8 | प्रमाणपत्र | फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A (a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए। |
| 9 | खुलने का समय | निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है। |
| 10 | कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है | निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट |
| 11 | वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है। | www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। |

534/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

# डीएम की अध्यक्षता मे बोर्ड परीक्षा से सम्बंधित तैयारियों की हुई समीक्षा

## डयूटी में लगाये गये सभी अधिकारीगण पूरी संवेदनशीलता एवं तन्मयता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करें : डीएम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा को जनपद में सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुचितापूर्ण व नकलविहीन संपन्न कराए जाने के संबंध में जनपद मुख्यालय स्थित आरसेटी हॉल में तैयारियों से सम्बंधित समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बोर्ड परीक्षाओं को सुचारू, शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने के दृष्टिगत की गयी तैयारियों एवं सम्बंधित अधिकारियों को दी गयी जिम्मेदारियों आदि के संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि बोर्ड परीक्षा वर्ष 2025 को सम्पन्न कराने हेतु कुल 152 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है। जिसपर हाई स्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षार्थी सम्मिलित होगें। परीक्षा को नकलविहिन एवं शांतिपूर्णढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु सभी केन्द्र व्यवस्थापक, वाह्य केन्द्र व्यवस्थापक, 06जोनल मजिस्ट्रेट, 17 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 152 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, की डयूटी लगायी गयी है। उन्होंने बताया कि सुचारू मॉनिटरिंग हेतु सचल दल बनाये गये है। हाईस्कूल एवं इण्टरमीडियट की परीक्षा दिनांक 24 फरवरी 2025 से प्रारम्भ होकर दिनांक 12 मार्च 2025 को समाप्त होगी।उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रथम पाली में प्रातः 08 बजे से 11:45 बजे तक एवं द्वितीय पाली में अपरान्ह 02 बजे से 05:15 बजे तक संपन्न कराई जाएगी। परीक्षा की उचित मॉनिटरिंग एवं किसी भी शिकायत के लिए कन्ट्रोल रूम भी बनाया गया है। जिलाधिकारी ने बोर्ड परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु की गयी तैयारियों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए सभी जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेटों व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों, केंद्र व्यवस्थापकों, वाहृय केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्ण एवं नकलबिहीन संपन्न कराना सभी का दायित्व है। उन्होंने प्रश्नपत्रों, उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखने से लेकर परीक्षा केन्द्रों पर वितरण कराने, परीक्षा के दौरान सतत मॉनिटरिंग करने एवं अपनी डयूटी के अनुसार पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने आदि के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन एवं दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण परीक्षा प्रक्रिया के दौरान दिये गये निर्देशों का अक्षरः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। कही पर भी अनियमित्ता अथवा लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों से कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा संचालित रहे, इसके अलावा शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, फर्नीचर, बाउंड्री वॉल बैठने की समुचित व्यवस्था कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट पूर्व में ही सभी परीक्षा केंद्रों का भ्रमण अवश्य कर ले। सुरक्षा कर्मियों के अलावा शस्त्र केंद्रों पर अंदर ले जाना वर्जित है, परीक्षा केंद्रों के अंदर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर आदि कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूर्णतया प्रतिबंधित है। उन्होंने कहा कि जो परीक्षा संपन्न कराने के लिए बोर्ड द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं उसी के अनुसार परीक्षा को सकुशल संपन्न कराना है। अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा ने कहा कि हमे हर स्तर पर पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करने की आवश्यकता है किसी भी दशा में निर्धारित डयूटी अथवा नियमों के इतर कार्य नही करना है। उन्होंने कहा कि चूकि बोर्ड परीक्षा में स्थानीय लोगो के बच्चें ही परीक्षा में सम्मिलित होते है। अतः इस बात पर विशेष ध्यान देना है कि किसी भी स्तर पर परीक्षा की सुचिता संदिग्ध नही होनीा चाहिए। सभी को अपनी डयूटी का कड़ाई से निर्वहन करना है। उन्होंने बताया कि सभी केंद्र व्यवस्थापक, वाहृय केंद्र व्यवस्थापक एवं बोर्ड परीक्षा में लगे सभी अधिकारी गण बोर्ड द्वारा परीक्षा को संपन्न कराने के लिए जो निर्देशिका दी गई है उसमें'क्या करें क्या ना करें ' उसका अच्छी तरह से अध्ययन अवश्य करें ताकि परीक्षा के दौरान कोई समस्या न हो। अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार ने कहा कि परीक्षा को सुरक्षित सम्पन्न कराने एवं शासन की मंशा के अनुसार कानून व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था करायी गयी है। किसी भी दशा में कोई समस्या अथवा अराजक तत्वों के कारण कोई व्यवधान आने पर सख्ती से निपटने के लिए व्यवस्था की गयी है। इस अवसर जिला विद्यालय निरीक्षक श्रवण कुमार गुप्त, विभागीय पर्यवेक्षक लालजी यादव सहित सभी केंद्र व्यवस्थापक,बाहृय व्यवस्थापक, समस्त जोनल/सेक्टर, स्टैटिक मजिस्ट्रेट सहित सचल दल प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

# थाई भिक्षुओं ने केंद्रीय मंत्री को भेंट की बुद्ध की प्रतिमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर । बुद्ध स्थली स्थित थाई बुद्धिस्ट मॉनेस्ट्री के प्रमुख भंते फ्राविडेश्चचिरायन (भंते सोम पोंग) ने केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को दया, करुणा, शांति के उपदेशक तथागत बुद्ध की प्रतिमा भेंट की। आज केंद्रीय पर्यटन, एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत एवं प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह द्वारा कुशीनगर भ्रमण कार्यक्रम के क्रम में थाई बुद्ध बिहार पहुंचे। जहां थाई भंते सोम पोंग, भंते सोम क्रान और अन्य भिक्षुओं ने स्वागत किया। मंत्री गण ने मुख्य थाई मंदिर में पूजन अर्चन किया। भिक्षु सोम पोंग ने मंदिर के निरीक्षण के दौरान थाई संस्कृति, परम्परा, स्थापत्य कला की जानकारी दी। थाई मंदिर की सुंदरता और बागवानी को देख केंद्रीय मंत्री मुग्ध हो गए। उन्होंने कहा कि बुद्ध के उपदेश विश्व कल्याण के लिए है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय, सांसद विजय दूबे, राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री कुंवर आरपीएन सिंह, दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह, पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी, नपाप अध्यक्ष किरन जायसवाल, प्रतिनिधि राकेश कुमार जयसवाल, डॉ अनिल कुमार सिन्हा, ओमप्रकाश कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

# संकुल स्तरीय बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन पर हुई चर्चा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजापाकड़/कुशीनगर। दुदही विकास खंड के धर्मपुर पर्वत न्याय पंचायत के शिक्षक संकुल की बैठक नौका टोला प्राथमिक विद्यालय परिसर में मंगलवार को हुई। बैठक में शिक्षकों ने शैक्षणिक चुनौतियों और उनके समाधन पर मंथन करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता संवर्धन पर चर्चा किया। प्राथमिकता के तौर पर चुने गए प्रमुख कार्यों पर चर्चा तथा संकुल में सर्वाधिक उपस्थिति व शिक्षण में नवाचार के लिए शिक्षकों की सराहना करते हुए सफल अनुभव पर चर्चा की गई। निपुण लक्ष्य व विद्यालय के निपुण बनाने के लिए चर्चा की गई तथा समय सारणी का अनुपालन व मासिक कार्य विभाजन कर शिक्षण कार्य करने पर बल दिया गया। छात्रों के 75 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति, नामांकन में वृद्धि व शिक्षण अधिगम सामग्री के माध्यम से कक्षा संचालन करते हुए नियमित आंकलन व रिमिडियल टीचिंग के विभिन्न आयाम पर चर्चा की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि शिक्षक सामुदायिक सह भागिता व अभिभावक में विद्यालय के प्रति अपनत्व का भाव जगाने के लिए सतत प्रयास करें। इको क्लब को क्रियाशील रखने व संबंधित गतिविधियों पर चर्चा की गई। इस दौरान नोडल शिक्षक बालकृष्ण, शिक्षक संकुल प्रणव प्रकाश गिरी, रजनीश गुप्ता, योगेंद्र शर्मा, सत्येंद्र सिंह, प्रधानाध्यापक विमलेश प्रताप सिंह, ईश्वरचंद गुप्त, हरिकेश यादव, अबरार अहमद अंसारी, एजाज अहमद आदि मौजूद रहे।

## कैंडिल मार्च निकाल छात्रा को दी गयी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

राजापाकड़/कुशीनगर। बीते दिनों प्रदेश के वाराणसी में नीट परीक्षा की तैयारी करने वाली छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर सोमवार को गुरवलिया बाजार में युवाओं ने कैंडल मार्च निकाल छात्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान समाजसेवी आनन्द यादव ने कहा कि छात्रा के परिजनों ने छात्रा की मौत हत्या करके किए जाने की बात कही है। जिसकी जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। एक होनहार बिटिया हमारे बीच से चली गई जिसके माता पिता ने न जाने क्या क्या सपने देखे थे। वहीं इस दौरान टोनी सिंह ने कहा की छात्रा के मौत की जो तस्वीर सामने आई है उससे साफ़ लग रहा है कि छात्रा की हत्या की गई है। कैंडल मार्च के दौरान दोषियों को फांसी दो फांसी दो के नारे भी लगाए गए। दिनेश्वर यादव ने कहा कि एक पिता की खुशियां छीन गई। इस दौरान दुर्गेश गुप्ता, जनार्दन सैनी, मालती देवी, डॉ.मयालाल शर्मा, मुन्ना यादव, रामसेवक प्रसाद, लक्ष्मन यादव, शिवशंकर यादव, शोसिल प्रसाद, संदीप गुप्ता, शुभम चौरसिया, राजेश यादव, धर्मराज आदि मौजूद रहें।

# मुसहर बस्ती में ग्राम चौपाल का आयोजन सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने पर जोर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। Uni खड्डा विकास खंड के भगवानपुर स्थित मुसहर बस्ती में मंगलवार को ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। डीएम विशाल भारद्वाज के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी निबंधक एवं सहकारिता आयुक्त नीरज गौंड, नोडल अधिकारी जितेंद्र मिश्रा, बीओ पीआरडी ऋषिकेश यादव, सचिव अशोक कुशवाहा और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रवि चौरसिया मौजूद रहे। चौपाल का उद्देश्य मुसहर समुदाय को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करना और उनके समग्र विकास की रणनीति तैयार करना था। ग्राम पंचायत परिसर में आयोजित इस चौपाल में दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना, स्वयं सहायता समूह, पीएम किसान सम्मान निधि सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही, नामांकन से वंचित छात्रों को आंगनबाड़ी केंद्रों से जोड़ने, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण और विद्यालयों के कायाकल्प पर भी चर्चा हुई। ग्राम सचिव ने आवास से वंचित पात्रों की सूची पढ़कर सुनाई, जिससे लोगों को अपने अधिकारों की जानकारी मिली। नोडल अधिकारी नीरज गौंड ने कहा कि प्रदेश सरकार मुसहर समुदाय के विकास को प्राथमिकता दे रही है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। चौपाल में यह भी बताया गया कि तकनीकी कारणों से कुछ लाभार्थियों की पेंशन रुकी हुई है। नोडल अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थियों के खातों का एनपीसीआई (नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) से लिंक कराकर पेंशन बहाल की जाए। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने गांव में साफ-सफाई बनाए रखने, महिला-पुरुष पेंशन के पात्रों की पहचान कर प्राथमिकता से पेंशन बनवाने और अन्य कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पंचायत सहायक, रोजगार सेवक और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। चौपाल में मिली जानकारी से मुसहर समुदाय के लोगों में जागरूकता बढ़ी और उम्मीद का माहौल बना।

# श्री श्री 1008 श्री रुद्र महायज्ञ के लिये निकला भव्य कलश यात्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कुशीनगर। कसया तहसील के ग्राम पंचायत शामपुर हतवा टोला छोटका पिपरा के शिव परिसर में महाशिवरात्रि मेला के निमित्त आयोजित 9 दिवसीय श्री श्री 1008 श्री रुद्र महायज्ञ के लिए भव्य कलश यात्रा निकाल यज्ञ का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं के जयकारे से दिशाएं गुंजायमान रहीं। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे मंदिर परिसर से कलश यात्रा को मुख्य अतिथि भाजपा नेता सतीश मणि त्रिपाठी, जिला पंचायत प्रत्याशी सुनील शुक्ला, जेडीयू दल नेता शैलेन्द्र सिंह गहरवार ने फीता काटकर रवाना किया। पीत वस्त्रधारी 1001 कन्याओं, दो पहिया, चार पहिया वाहन, ध्वनि विस्तारक यंत्र,आतिशबाजी के साथ सैकडों की संख्या मे शामिल श्रद्धालु पिपरा तिवारी, बतर डेरा, शामपुर, हतवा, बड़ीपुल होते हुए बाड़ी नदी पहुंचे। जहां यज्ञाचार्य पं. रितेश द्विवेदी के नेतृत्व में मंत्रोच्चार के बीच कलश में जल भरा गया। वापसी में यह यात्रा बड़ीपुल चौराहा, भिखुछपरा होते हुए मंदिर परिसर में पहुंची जहां कलश स्थापना की गई।

## जेएस क्लीनिक , जच्चा-बच्चा केंद्र और रॉयल चाइल्ड क्लीनिक सील

मुरादाबाद। जिले के थाना कुंदरकी क्षेत्र में दस दिन पहले जेएस क्लीनिक एवं जच्चा-बच्चा केंद्र में डिलीवरी के दौरान हुई जच्चा-बच्चा की मौत को लेकर स्वास्थ्य विभाग गंभीर है। कुंदरकी सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सौरभ बरतरिया के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने मंगलवार को कुंदरकी में चकफाजलपुर संपर्क मार्ग पर अवैध रूप से संचालित जेएस क्लीनिक एवं जच्चा-बच्चा केंद्र और रॉयल चाइल्ड क्लीनिक को सील कर दिया। डॉ. सौरभ बरतरिया ने बताया कि जेएस क्लीनिक एवं जच्चा-बच्चा केंद्र और रॉयल चाइल्ड क्लीनिक से कुछ दवाइयों को कब्जे में लिया गया है। दोनों ही क्लीनिक अवैध रूप से संचालित पाए गए। यहां मौके पर मौजूद स्टाफ स्वास्थ्य विभाग में पंजीकरण का कोई भी प्रमाण पत्र नहीं दिखा पाया। जेएस क्लीनिक एवं जच्चा-बच्चा केंद्र में डिलीवरी होती थी तो बराबर के ही रॉयल चाइल्ड क्लीनिक में इलाज होने की जानकारी मिली थी।

# पुस्तक 'फ्रॉम द पेन ऑफ सर्जन्स' पर चर्चा का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। संजय ऑर्थोपीडिक, स्पाइन और मैटरनिटी सेंटर, देहरादून द्वारा दून लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर, देहरादून में पुस्तक 'फ्रॉम द पेन ऑफ सर्जन्स' पर मंगलवार को एक पुस्तक चर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि अनिल रतूड़ी (सेवानिवृत्त आईपीएस) एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। लेखक पद्मश्री डॉ. बी. के. एस. संजय ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और भोजन प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताएँ हैं। समाज में इनके प्रति जागरूकता बढ़ाने की सख्त ज़रूरत है। यह पुस्तक न केवल चिकित्सा क्षेत्र में लेखकों की गहरी समझ को दर्शाती है बल्कि एक जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ और प्रभावी संचारक के रूप में देश में सही सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने के उनके प्रयासों को भी प्रतिबिंबित करती है। सह-लेखक डॉ. गौरव संजय ने कहा कि इस पुस्तक का उद्देश्य जन स्वास्थ्य और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना है। यह पुस्तक चिकित्सा जगत के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों के जागरूक नागरिकों के लिए भी एक संदर्भ ग्रंथ का कार्य करेगी। इसमें संकलित आलेखों से पाठकों को सीखने और इसे आगे साझा करने का अवसर मिलेगा।मुख्य अतिथि अनिल कुमार रतूड़ी ने कहा कि भगवान हर जगह नहीं हो सकते, इसलिए उन्होंने माँ और डॉक्टरों को बनाया, जिन्हें जीवन बचाने की शक्ति प्राप्त है। उन्होंने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह पुस्तक समाज और राष्ट्र के विकास में शिक्षा की भूमिका को उजागर करती है। साथ ही, उन्होंने कहा कि शब्दों की शक्ति अमर होती है और यह किसी भी पेशे की सीमाओं से परे जाती है। न्यायमूर्ति राजेश टंडन ने कहा कि लेखक और सह-लेखक जनमानस को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने समाज में स्वास्थ्य और कल्याण को बेहतर बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारियाँ निभाने पर बल दिया। साथ ही, उत्तराखंड में पर्यावरणीय समस्याओं को एक प्रमुख चिंता का विषय बताया। इस अवसर पर डॉ. संजीव चोपड़ा (संस्थापक, वैली ऑफ वर्ड्स), लेफ्टिनेंट जनरल जे. एस. नेगी (सेवानिवृत्त जनरल ऑफिसर, आईएमए), प्रो. ओंकार सिंह (कुलपति, वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय), न्यायमूर्ति राजेश टंडन (सेवानिवृत्त न्यायाधीश, उच्च न्यायालय) ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सिमरन सूरी ने किया।

# कार्यालय नगर पालिका परिषद खैराबाद (सीतापुर)

पत्रांकः- 162 / न0पा0परि0 खैराबाद/2024-25 दिनाँक 18.02.2025

## विज्ञप्ति/सूचना

नगर पालिका परिषद खैराबाद जनपद सीतापुर के अन्तर्गत निम्नलिखित स्थानों पर शापिंग काम्पलेक्स / दुकानें निमार्णाधीन हैं। शापिंग काम्पलेक्स में दुकानों के आवंटन हेतु आवेदनपत्र निर्धारित शुल्क रू0 2000.00 जमा कर दिनांक 24.02.2025 तक कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आवेदनपत्र कार्यालय नगर पालिका परिषद खैराबाद में जमा करने की अन्तिम तिथि 25.02.2025 को अपराहन 04:00 बजे तक है।

| क्र. सं. | काम्पलेक्स / दुकान स्थल | दुकान नं. | औसत क्षेत्रफल (वर्गफीट) | प्रिमियम की धनराशि (रू0) | मासिक किराया प्रति दुकान (रू0 में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | नगर पालिका परिषद खैराबाद के मोहल्ला रकाबगंज में पानी टंकी के सामने दुकान निर्माण। | 01 से 11 तक | 130 | 500000 | 800 |
| 2 | नगर पालिका परिषद खैराबाद के मोहल्ला बक्सरिया टोला कांजी हाउस (ब्लाक-बी) में दुकान निर्माण। | 11, 12, 13, 14 | 111 | 400000 | 500 |
| | | 15., 16, 17, 18 | 108 | 500000 | 1000 |
| 3 | नगर पालिका परिषद खैराबाद के मोहल्ला बक्सरिया टोला वाल्दा (ब्लाक-ए) में दुकान निर्माण। | 1, 2, 3, 4, 5, 7, 8, 9, 10, 11 | 100 | 400000 | 700 |
| | | 6, 12 | 120 | 400000 | 700 |
| | | 13 व 14 | 150 | 500000 | 1000 |

## दुकान आवंटन हेतु नियम एवं शर्तें

01. श्रेणीवार दुकानों का आवंटन लाटरी पद्धति के माध्यम से दिनांक 28.02.2025 को पूर्वाहन 11:00 बजे से कार्यालय नगर पालिका परिषद खैराबाद पर किया जायेगा।
02. दुकान प्राप्त करने हेतु आवेदन शुल्क रू0 2000.00 होगा, जिसकी वापसी नहीं होगी।
03. दुकान की प्रिमियम धनराशि दुकान आवंटन होने के पश्चात 07 दिवस के अन्दर जमा करना होगा। यदि निर्धारित अवधि के अन्दर प्रिमियम धनराशि जमा नहीं की जाती है तो जमानत धनराशि जब्त करते हुए दुकान का आवंटन निरस्त कर दिया जायेगा।
04. दुकानों के आवंटन हेतु लॉटरी में प्रतिभाग करने पर जमानत धनराशि रू0 10000/- जमा करना होगा जो दुकन आवंटन न होने की दशा में वापस कर दिया जायेगा। आवंटित आवेदक का जमानत राशि उसकी प्रीमियम धनराशि में समायोजित कर दी जायेगी।
05. एक ही आवेदक को काम्पलेक्स के एक ही श्रेणी में एक से अधिक दुकान प्राप्त होने पर उसे आंवटित दुकानों को एक ही पास करने का अधिकार प्रशासक / अध्यक्ष में निहित होगा। जिस पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी।
06. किरायेदार को दुकान का किराया निर्धारित दर के अनुसार प्रति माह देय होगा। निर्धारित प्रति माह किराया का 50 प्रतिशत प्रिमियम धनराशि से तथा 50 प्रतिशत नगद / डिजिटल माध्यम से भुगतान करना होगा।
07. किरायेदार दुकान में बिना नगर पालिका परिषद खैराबाद की अनुमति के कोई संशोधन या नव-निर्माण नहीं करेगा।
08. किरायेदार विद्युत की व्यवस्था स्वयं कर के उसका भुगतान करेगा।
09. किरायेदार प्रत्येक कलेंडर माह की 05 (पांच तारिख) तक स्वयं मासिक किराया जमा करेगा। लगातार 06 (छः) माह का किराया बाकी रहने पर नगर पालिका परिषद खैराबाद को अधिकार होगा कि, 15 दिन की नोटिस देकर किरायेदारी समाप्त कर दें और दुकान खाली करा लें।
10. किरायेदार दुकान में स्वयं अपना करोबार करेगा। दुकान किसी को न तो किराये पर देगा, न तो हस्तान्तरित करेगा। यदि ऐसा करेगा तो नगर पालिका परिषद खैराबाद को यह अधिकार होगा कि, बिना किसी सूचना के किरायेदारी समाप्त कर के दुकान खाली करा लें।
11. किरायेदार दुकान में प्रतिबंधित वस्तुओं का करोबार नहीं करेगा।
12. किरायेदार का दुकान की छत या उपरी हिस्से में कोई भी दखल नहीं होगा। नगर पालिका परिषद खैराबाद जैसा चाहेगी वैसा प्रयोग करेगी।
13. किरायेदार प्रतिवर्ष दुकान का सफ़ेदी या रंगाई तथा प्रति दूसरे वर्ष दुकान में लगे शटर की वार्निश निजी व्यय पर स्वयं करायेगा। शटर की मरम्मत आदि का भी व्यय किरायेदार को ही वहन करना होगा।
14. दुकान के किरायेदारी के नवीनीकरण हेतु निर्धारित शुल्क रू0 500.00 अतिरिक्त जमा करके प्रत्येक वित्तीय वर्ष में नवीनीकरण कराना आवश्यक होगा, अन्यथा दुकान के किरायेदारी का अनुबन्ध निरस्त समझा जायेगा एवं दुकान खाली कराने की कार्यवाही करते हुए नियमानुसार अन्य कार्यवाही भी की जायेगी।
15. किरायेदार/आवंटी के मृत्यु के पश्चात किरायेदार के वारीसान द्वारा नगर पालिका परिषद खैराबाद में प्रार्थना पत्र देने पर सक्षम अधिकारी द्वारा पुनः आंवटन पर विचार किया जा सकेगा।
16. नगर पालिका परिषद खैराबाद के द्वारा निर्मित दुकानों का आंवटन व किरायेदार के द्वारा अनुबन्धों के उल्लंघन की स्थिति में अधिशासी अधिकारी / अध्यक्ष / प्रशासक नगर पालिका परिषद खैराबाद को यह अधिकार होगा कि, वह स्वतंत्र रूप से आवंटन निरस्त करते हुए किरायेदार को बेदखल कर दें।
17. पांच वर्ष बितने के पश्चात किराये की 10 प्रतिशत बढ़ोत्तरी पर किरायेदार द्वारा किराया अदा किया जायेगा।
18. यह कि किरायेदार को आंवटित दुकान के किरायेदारी का रजिस्ट्रेशन अपने व्यय से निर्धारित स्टाम्प पेपर पर करना होगा।
19. यह कि अनुबन्ध 60 वर्षों के लिए ही मान्य होगा, जो पंजीकृत विलेख द्वारा सम्पन्न किया जायेगा।
20. दुकान आवंटन हेतु निर्धारित नियम एवं शर्ते के क्रम संख्या 01 से लगायत 19 तक में संशोधन का अधिकार प्रशासक / अध्यक्ष नगर पालिका परिषद खैरबाद में निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद खैराबाद
सीतापुर

बेबी गुप्ता
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद खैराबाद
सीतापुर

# नो हेलमेट नो पेट्रोल की कार्यवाही पर कड़ाई से हो पालन : जिलाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन हुआ।उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा प्रशासन की उच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसकी जिम्मेदारी शिक्षण संस्थानों एवं अभिभावकों की भी होगी,अतः यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ऑन रोड सेफ्टी द्वारा दिए गए नवीनतम दिशा निर्देशों के अनुपालन में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निर्देश दिए कि संयुक्त भ्रमण

करते हुए दुर्घटना बाहुल्य ब्लैक स्पॉट को चिन्हित किया जाय,साथ ही वहां पर दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए होर्डिंग एवं बैनर के माध्यम से जो कार्य वाही की है उसका सत्यापन कराए जाने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक के दौरान उन्होंने एआरटीओ,पुलिस तथा जिला पूर्ति अधिकारी को कड़े निर्देश दिए हैं कि जिले में नो हेलमेट नो पेट्रोल की कार्यवाही पर कड़ाई से पालन कराया जाय। जिलाधिकारी ने यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि बिना हेलमेट के किसी भी वाहन चालक को पेट्रोल बिल्कु ल न दिया जाय। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि जिले में 18 वर्ष से कम आयु के वाहन चालकों को पेट्रोल न दिया जाय।उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारी को इसके लिए जिले के सभी पेट्रोल पंप के मालिकों को निर्देश जारी करने के आदेश दिए हैं। बैठक में पुलिस वि भाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि नियमों का पालन न करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाय।जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा के दृष्टि से की जाने वाली प्रवर्तन कार्यवाही जैसे वाहनों में बैकलाइट,हैडलाई ट एवं इण्डीकेटर, दो पहिया वाहनों में हैलमेट का प्रयोग, चार पाहिया वाहनों में सीट बेल्ट आदि का प्रयोग आवश्य क रूप से किए जाने के निर्देश दिए हैं।इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर रश्मि वर्मा,अपर जिलाधिकारी आलोक कुमार, नगर मजिस्ट्रेट पंकज कुमार वर्मा, सीओ सिटी आनंद राय, ट्रैफिक स्पेक्टर, एक्सईएएन प्रांतीय खंड प्रमोद त्रिपाठी, सीडी वन एआरटीओ प्रशासन, एआरटीओ प्रवर्तन (पीटीओ) शैलेन्द्र त्रिपाठी, आरएम रोडवेज विभाग, ईओ नगरपालिका गोण्डा संजय कुमार मिश्र एवं अन्य प दाधिकारी, सहित सभी संबंधित आधिकारीगण उपस्थित रहे।

# चेकिंग के दौरान पकड़ा गया अवैध पानी

- छिपाकर रखे गए 631 बोतल अवैध पानी,रेलवे कैंपस में रेल नीर की बिक्री की ही है परमिशन
- प्लेटफॉर्म निरीक्षक के मुताबिक हाई रेट में अवैध तरीके से इन्हें बेचते हैं शरारती तत्व

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। गोरखपुर से बांद्रा टर्मिनस जाने वाली अंत्योदय ए क्स प्रेस ट्रेन के कोच में मंगलवार को 631 बोतल अवैध रॉयल किंग मार्क कोच के अंदर पकड़ा गया।गोंडा रेलवे स्टेशन पर तैनात प्लेटफार्म इंस्पेक्टर की टीम ने मंगलवार को प्लेटफॉर्म नम्बर चार व पांच पर खड़ी अंत्योदय एक्स प्रेस कोच में छापा मारा। जिसमें पानी की अवैध बॉटल्स बरामद हुई। इन बॉटल्स को सुरक्षित स्थान पर रख दिया गया है।आपको

बता दें कि रेलवे कैंपस में रेल नीर की ही बिक्री की परमिशन है।मुख्य प्लेटफॉर्म निरीक्षक के.एल. यादव को मुखबिर के द्वारा सूचना मिली है कि रेल नीर की जगह अवैध वेण्डर अनाधिकृत पानी बॉटल को बेच रहे हैं। जबकि रेलवे कैंपस व ट्रेनों में केवल रेल नीर बेचने का नि र्देश है।सूचना पाते ही जांच टीम ने प्लेटफॉर्म नम्बर चार व पांच पर खड़ी अंत्योदय एक्सप्रेस कोच में अपनी टीम को साथ में लेकर कोच में छापा मारा तो कोच में 631 बोतल पानी लावारिस अवस्था में बरामद हुए।वही लावारिस पा नी की बोतल को एलपीयू में जमा करा दिया गया।

### प्लेटफार्म निरीक्षक डेली होगी जांच

प्लेटफार्म निरीक्षक के.एल.यादव ने बताया कि गर्मी के मौ सम की शुरुआत हो चुकी है जिससे की कुछ शरारती तत्व पानी की बॉटल्स को अवैध तरीके से भीड़-भाड़ वाली ट्रेंन के जनरल,स्लीपर सहित एसी कोचेज में बेचने की कोशि श करते हैं।उनके मंसूबों को फ़ेल करने के लिए रेलवे की टीम डेली इंस्पेक्शन करेगी।जिससे कि रेलवे के रेवेन्यू में बढ़ोत्तरी के साथ ही पैसेंजर्स को कम रेट पर रेल नीर मिल सके।

# एसपी ने किया नारी ज्ञानस्थली में नए स्टूडियो का उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल तथा डॉ.तन्वी जायसवाल ने दीपेन सिंहा डायरेक्टर एटीसी लैब की उप स्थिति में सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पीजी कालेज में 89.6 एफएम रेडियो ज्ञानस्थली न्यू स्टूडियो का फीता का टकर उद्घाटन किया गया तथा दीप प्रज्वलित कर माँ सर स्वती देवी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शु भारम्भ किया गया।रेडियो ज्ञानस्थली के छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया त था सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस रे डियो स्टेशन की स्थापना एटीसी लैब के सीईओ और रेडि यो ज्ञानस्थली के डायरेक्टर डॉ.दीपेन सिन्हा की पहल से की गई है,पुलिस अधीक्षक ने सम्बोधित करते हुए बताया कि सरस्वती देवी नारी ज्ञानस्थली पीजी कालेज में नये कोर्स डिजिटल मास कम्युनिकेशन एवं एक नये स्टूडियो का उद्घाटन किया गया है।रेडियो

ज्ञानस्थली एक शैक्षिक रेडियो कार्यक्रम है जो विभिन्न विषयों पर ज्ञान प्रदान कर ता है।यह स्टेशन सरकारी योजनाओं की जानकारी, सामा जिक मुद्दों पर चर्चा,लोकल टैलेंट को प्रमोट करने और ज्ञा नवर्धक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए जाना जाता है और शिक्षा,स्वास्थ्य, कृषि, ग्रामीण विकास जैसे विभिन्न मुद्दों पर जानकारी और जागरूकता प्रदान करते है। यह कार्यक्रम शिक्षा, संस्कृति, सामाजिक मुद्दों और अन्य विषयों पर चर्चा और विश्लेषण प्रदान करेगी। इन्टरनेट व डिजिटल दुनिया में जिले के छात्राओं को नये- नये कोर्स से परिचय होगा। युवाओं को मीडिया और संचार के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए डिजिटल मास कम्युनिकेशन कोर्स शुरू किया जा रहा है।यह कोर्स पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया, रेडियो, वी डियो प्रोडक्शन और विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में भविष्य बनाने के अवसर प्रदान करेगा।यह कोर्स छात्रों को आत्म विश्वास व शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने में मदद करेगा तथा छात्रों को अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने और समाज में अपनी भूमिका को समझने में लाभ मिलेगी।इसके लिए स्कूल प्रबन्धन के सभी पदाधिकारियों व फैकल्टी मेम्बर्स को बधाई एवं शुभकामनाए दी गयी। इस अवसर पर रेडियो ज्ञानस्थली के डायरेक्टर डॉ.दीपेन सिन्हा,डॉ.तनवी जायसवाल,ट्रस्टी आनंदिता रजत व काले ज के सभी पदाधिकारी एवं फैकल्टी मेम्बर्स मौजूद रहे।

# सरसों की खेती नेचर के लिहाज से किसानों के लिए बेहद फायदेमंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। कृषि विज्ञान केंद्र नानपारा द्वारा ग्राम बरदहा विकास खंड शिवपुर में वैज्ञानिकों द्वारा दी गई सरसों की प्रमुख प्रजाति पीएम 33 का प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मार्गदर्शन केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. एस के यादव द्वारा की गई उन्होंने बताया कि सरसों प्रमुख तिलहन फसल है। सरसों की खेती किसानों के लिए अन्य फसलों की अपेक्षा ज्यादा कमाई देने वाली फसल मानी जा सकती है। इसकी कुछ ऐसी किस्में हैं, जिसमें न कीट लगते हैं और न ही कोई बड़ा रोग होता है। इन किस्मों की खेती से किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। सरसों की खेती में पानी की कम आवश्यकता होती हैं। इसलिए इसकी खेती नेचर के लिहाज से भी अच्छी है। अक्टूबर से इसकी बुवाई शुरू कर सकते हैं। अगेती बुवाई ज्यादा उत्पादन के लिए अच्छी मानी जाती है । सरसों के तेल का लगभग सभी घरों में उपयोग किया जाता है।

इस वजह से इसका रेट अच्छा मिलता है। बाजार में इसकी हमेशा मांग बनी रहती हैं। ऐसे में किसान इसकी खेती कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। इसकी खेती राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, गुजरात, आसाम, झारखंड, बिहार और पंजाब में की जाती है। सरसों की खेती के लिए दोमट, बलुई, और उपजाऊ दोमट मिट्टी अच्छी मानी जाती है केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित की गई सरसों की एक किस्म है। इसका पूरा नाम पूसा डबल जीरो मस्टर्ड-33 (पीडीजेड 11) है। यह किस्म स्वास्थ्य के लिए अच्छी मानी जाती है। इसमें इरुसिक एसिड की मात्रा कम होती है और यह सफ़ेद रतुआ रोग से प्रतिरोधी होती है। इसमें इरुसिक एसिड की मात्रा 2% से कम होती है। इसमें ग्लूकोसिनोलेट की मात्रा 30 माइक्रोमोल से कम होती है। यह सफ़ेद रतुआ रोग से प्रतिरोधी होती हैम्इसकी बीज उपज 26.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। इसमें तेल की मात्रा 38% होती है। यह 141 दिनों में पक जाती है। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.पीके सिंह ने बताया कि सरसों की अच्छी उपज के लिए उर्वरकों का संतुलित उपयोग आवश्यक है। नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश, और गंधक का सही अनुपात में उपयोग करना चाहिए। मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरक की सही मात्रा निर्धारित की जा सकती है, जिससे पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त हो सकें। मिट्टी में उर्वरकों का उचित वितरण फसल की उपज और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करता है। पूसा डबल जीरो सरसों 33 किस्म सफ़ेद रतुआ रोग के प्रति प्रतिरोधी है, लेकिन अन्य रोगों जैसे भूरी गेरुई और चूर्णी फफूंदी से बचाव के लिए किसानों को सतर्क रहना चाहिएम् कीट और रोग प्रबंधन के लिए जैविक और रासायनिक दोनों तरीकों का उपयोग किया जा सकता हैम् पौधों की नियमित निगरानी करके समय पर उपचार किया जा सकता है, जिससे फसल को नुकसान से बचाया जा सके। केंद्र की वैज्ञानिक संदीप कुमार ने बताया कि इरुसिक एसिड और ग्लूकोसिनोलेट कम होने की वजह से इसका तेल स्वास्थ्य के लिए अच्छा है।

# मुख्य विकास अधिकारी ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के विकासखंड कटरा बाजार के ग्राम पंचायत खेमपुर में मंगलवार को चार बजे मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन ने 'ब्लॉक आपके द्वार कार्यक्रम' का आयोज न किया।इस कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने ग्रामी णों की समस्याएं विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।सीडीओ ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना,आयुष्मान भारत योजना और स्वच्छ भारत मिशन की जानकारी दी।ग्रामीणों ने जल निकासी,स्वच्छता, स्वा स्थ्य सेवाओं और पेंशन संबंधी समस्याएं रखीं।कई सम स्याओं का मौके पर समाधान किया गया।अधिकारियों ने कूड़ा प्रबंधन केंद्र का निरीक्षण किया।यहां व्यवस्थागत क मियां मिलीं।आयुष्मान आरोग्य केंद्र की सेवाओं और सामु दायिक शौचालय की स्थिति की भी समीक्षा की गई।साफ सफाई और रखरखाव में सुधार के निर्देश दिए गए। कार्य क्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्राम प्रधान भी मौजूद रहे।अधिकारियों ने समस्याओं के प्राथमिकता से समाधान का आश्वासन दिया।इस पहल से ग्रामीणों में सरकार के प्र ति विश्वास बढ़ा है।विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का भरोसा दिलाया गया।

# 29 फरवरी को होगा सांसद खेल महाकुम्भ का शुभारम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जनपद में ''सांसद खेल महाकुम्भ के सफल आयोजन हेतु सोमवार को देर शाम देर शाम विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड ने कहा कि ''सांसद खेल स्पर्धा योजना'' का मुख्य उद्देश्य है कि ग्राम, ब्लाक व तहसील स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को खेल के प्रति उत्साहित किया जाय। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवेश में मेधा की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता इस बात की है कि छिपी हुई मेधा को पहचान कर उसे तराशा जाय। सांसद डॉ. गोंड ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में छिपी हुई मेधा को पहचानने में सांसद खेल स्पर्धा योजना मील का पत्थर साबित होगी। सांसद ने सम्बन्धित अधिकारियों से अपेक्षा की शासन की मंशानुरूप सांसद खेल स्पर्धा का प्रत्येक स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजित करें ताकि योजना के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके। सांसद डॉ. गोंड ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि आयोजन स्थलों पर प्रतिभागियों के लिए माकूल बन्दोबस्त किये जायें जिससे सभी खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने कहा कि सभी का यह प्रयास होना चाहिए सांसद खेल महाकुम्भ ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रेरित करने

में सफल हो। सांसद डॉ. गोंड ने निर्देश दिया कि तहसील एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, एम्बुलेन्स के साथ मेडिकल टीम, सुरक्षा एवं यातायात इत्यादि के उचित प्रबन्ध किये जायें। प्रतियोगिताओं के उद्घाटन हेतु क्षेत्रीय सांसद, विधायक, उप जिलाधिकारी एवं ब्लाक प्रमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा क्षेत्रीय गणमान्य व संभ्रान्तजन को आमंत्रित किया जाये ताकि खिलाड़ियों की हौसला अफ़जाई हो सके। सांसद खेल महाकुम्भ के सफल आयोजन हेतु विभिन्न स्तर पर गठित होने वाली समितियों के सम्बन्ध में सांसद ने कहा कि पूर्व वर्षों में गठित समिति के अनुरूप इस वर्ष भी समितियों का गठन कर लिया जाय। बैठक में तहसील स्तरीय प्रतियोगिता आयोजन के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया कि तहसील मिहींपुरवा अन्तर्गत ब्लाक मिहींपुरवा एवं बलहा के लिए 29 फरवरी 2025 को एस.पी.डी. कालेज सेमरहना, तहसील महसी अन्तर्गत के ब्लाक तेजवापुर व महसी के लिए 01 मार्च 2025 को ब्लाक मुख्यालय तेजवापुर बेड़नापुर तथा तहसील नानपारा अन्तर्गत ब्लाक बलहा, नवाबगंज व शिवपुर के लिए 02 मार्च 2025 को सआदत इण्टर कालेज नानपारा में तहसील स्तरीय में प्रतियोगिताएं आयोजित होगी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 07 व 08 मार्च 2025 को इन्दिरा गांधी स्पोटर्स स्टेडियम, बहराइच लोकसभा क्षेत्र अन्तर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी जिसमें तहसील मिहीपुरवा, महसी व नानपारा के विजेता खिलाड़ी व टीमें प्रतिभाग करेंगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सांसद खेल महाकुम्भ में बालक व बालिका वर्ग हेतु 100मी., 200मी., 400मी. व 800मी. की दौड़, खो-खो, कबड्डी और वालीबाल की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।

### दीवार पर पोस्टर लगाने वाली संस्था के खिलाफ एफआईआर

**लखनऊ कैनविज टाइम्स संवाददाता।** नगर आयुक्त डॉ इंद्रजीत सिंह ने जोन 7 के अधिकारियों को प्लॉट ही प्लॉट' का पोस्टर लगाकर शहर की दीवारों को गंदा करने वाली संस्था पर एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए हैं। मंगलवार को नगर आयुक्त डॉ इंद्रजीत सिंह ने शहर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें कई दीवारों पर पोस्टर लगे हुए मिले, जो शहर की स्वच्छता की दिशा में एक बड़ी बाधा थे। इन पोस्टरों में 'प्लॉट ही प्लॉट' नामक संस्था द्वारा विज्ञापन लगाए गए थे जो न केवल शहर की दीवारों को गंदा कर रहे थे, बल्कि इनसे शहर का सौंदर्य भी प्रभावित हो रहा था। इसके बाद, नगर आयुक्त ने जोन सात के जोनल अधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि 'प्लॉट ही प्लॉट' नामक संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाए और जिन दीवारों पर ये पोस्टर लगे हुए हैं उन्हें संस्था से साफ करवा कर पेंट भी कराया जाए। इसके साथ ही जुर्माना वसूलने का आदेश भी दिया गया ताकि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही को रोका जा सके। नगर आयुक्त ने यह स्पष्ट कहा कि स्वच्छता के लिए नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस अभियान में सहयोग करें और अपने शहर को स्वच्छ बनाए रखें।

### काली मिर्च में मिलाए जा रहे थे हानिकारक तेल, हल्दी में मिला रंग

**गोरखपुर।** पूर्वांचल की सबसे बड़ी मंडी साहबगंज में कानपुर से मंगाई जा रही थी नकली काली मिर्च व हल्दी को मुखबिर खास की सूचना पर फूड विभाग के सहायक आयुक्त खाद्य डॉ सुधीर कुमार सिंह व मुख्य सुरक्षा अधिकारी हितेंद्र मोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी उमाशंकर सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ एस एन यादव ने आज राजघाट थाना क्षेत्र के लाल डिग्गी के पास स्वास्तिक ट्रांसपोर्ट पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने काली मिर्च और हल्दी के नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला हेतु जांच के लिए भेजा है। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि स्वास्तिक ब्रांड के काली मिर्च में हानिकारक तेल मिला पाया गया है। इसकी क्वालिटी भी बहुत खराब है। हल्दी में रंग मिला पाया गया है। दोनों ही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे लिवर, किडनी पर प्रभाव पड़ता है। फिलहाल दो नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला हेतु जांच के लिए भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसके नेटवर्क को भी खंगाला जा रहा है। यह कार्रवाई कल से चल रही है। बिल वाउचर नहीं मिला था। सूचना मिली थी कि 125 बोरी नकली काली मिर्च बाजार में आया हुआ है। फिलहाल 15 बोरी काली मिर्च और हल्दी की तीन बोरी 50 किलो को भी सीज किया गया है। उनके नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है, आगे बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

### बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन के पांचों स्टेशनों के प्रवेश द्वार हुए तैयार: प्रबंध निदेशक

**कानपुर।** कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 (आईआईटी से नौबस्ता) के अंतर्गत लगभग 5 किलोमीटर लंबे बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन का सिविल निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उक्त सेक्शन के सभी पांच स्टेशन बारादेवी, किदवई नगर, वसंत विहार, बौद्ध नगर और नौबस्ता अब तेजी से अपना अंतिम स्वरूप लेते दिख रहे हैं। सेक्शन के सभी 5 स्टेशनों के प्रवेश द्वारों के निर्माण का काम अब पूरा कर लिया गया है। यह जानकारी मंगलवार को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने दी। प्रबंध निदेशक ने बताया कि बारादेवी से नौबस्ता तक सभी स्टेशन बॉक्स तैयार हो जाने के बाद अब सड़क से स्टेशन तक पहुंचने के लिए द्वार, सीढ़ियां और रास्ते भी तैयार हो गए है । सभी स्टेशनों में तकनीकी कक्षों का निर्माण भी पूरा हो गया है। इसके बाद स्टेशनों के फ़्लोरिंग, फिनिशिंग और सिस्टम इंस्टॉलेशन का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। बारादेवी-नौबस्ता एलिवेटेड सेक्शन के पांचों स्टेशनों को भी प्रायोरिटी कॉरिडोर के तर्ज पर डिजाइन किया गया है। सभी स्टेशनों के प्लेटफॉर्म की छत के निर्माण में प्री इंजीनियर्ड बिल्डिंग (पीईबी) स्ट्रक्चर का प्रयोग किया गया है। सेक्शन पर ट्रैक निर्माण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। तकनीकी कक्षों के निर्माण के साथ समय की बचत के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित सिस्टम इंस्टॉलेशन के कार्य भी किए जा रहे हैं। मैं हर्ष के साथ कहना चाहता हूँ कि हमारी पूरी टीम और कार्यदायी संस्थाएं सुनियोजित ढंग से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे दृढ़ संकल्प के साथ जुटी हुई हैं।

### फ्लोरीकल्चर सोसाइटी 22-23 फरवरी को पुष्प प्रदर्शनी का करेगी आयोजन, शहर के अलग- अलग इलाकों से लोग करेंगे प्रतिभाग

**कानपुर।** घरों और बागों में उगाई जा रहे, विभिन्न शोभा कार्य पौधों एवं फूलों की सुंदरता को बढ़ावा देने के लिए फ्लोरीकल्चर समिति कानपुर में जे. के. लॉन कमला नगर में आगामी 22 -23 फरवरी पुष्प प्रदर्शनी का आयोजन करेगी। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष उषा झुनझुनवाला ने कानपुर प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष शहर के बंगलों,घरों, अपार्टमेंट आदि में फूलों और शोभाकारी पौधों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार का आयोजन फ्लोरीकल्चर समिति करती है। जिसमें शहर में विभिन्न अपार्टमेंट में रहने वाले प्रतिभागी भाग लेते है जिनके पास अपने सजे हुए बागीचे के उगे हुए विभिन्न शोभाकारी पौधे और पुष्प प्रतिभाग करते हैं। उपाध्यक्ष डॉ सुषमा मनिकताला ने बताया कि इस समिति की स्थापना 2007 में हुई थी। तब से आज तक फ्लोरीकल्चर समिति हर साल इस तरह का सफल आयोजन करती चली आ रही है। प्रेस वार्ता में सचिव राजश्री डालमिया भी मौजूद रही।

# पूंजीवादी व्यवस्था का अगला निशाना भारत के मैदानी इलाकों के कृषि क्षेत्र हैं : हिमांशु कुमार

- मानवाधिकार कार्यकर्ता असद हयात की स्मृति में लखनऊ में हुई श्रद्धांजलि सभा
- बुद्ध से कबीर तक साइकिल यात्रा पर निकले हिमांशु कुमार का हुआ लखनऊ में स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मानवाधिकार कार्यकर्त्ता, अधिवक्ता असद हयात की स्मृति में यूपी प्रेस क्लब में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता गाँधी से बुद्ध तक साइकिल यात्रा कर रहे हिमांशु कुमार रहे। हिमांशु कुमार ने असद हयात को याद करते हुए कहा कि वो शहीद हुए हैं और असद हयात जिस दमन को झेलते हुए हमारे बीच से अलविदा हुए हैं वह हमें और ताकत देती है। सरकार और आदिवासियों के बीच की सच्चाई को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि पूंजीवादी व्यवस्था का अगला निशाना भारत के मैदानी इलाकों के कृषि क्षेत्र हैं। जेएनयू के पूर्व प्रो. आनंद कुमार ने कहा कि तत्कालीन सत्ता पक्ष इतना कायर है कि पुलिस और बुल्डोजर को जनता के आगे करते हैं और विचारों-बहसों से भागते हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता और रिहाई मंच अध्यक्ष मोहम्मद शोएब ने कहा कि असद हयात सदैव संवैधानिक न्याय के लिए लड़ते रहे और आज उनके जाने से हमारी ज़िम्मेदारी और भी बढ़ गई है। सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पांडेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज हम सभी एक खतरनाक दौर से गुज़र रहे हैं और ऐसे समय में असद हयात के योगदान से सीख लेने की ज़रूरत है और हिमांशु कुमार जैसे बहादुर व्यक्तित्व हमारे अंदर उम्मीद भरते हैं। कार्यक्रम का संचालन राजीव यादव और अध्यक्षता रिहाई मंच अध्यक्ष मोहम्मद शोएब ने की। कार्यक्रम में तस्वीर नकवी, शाहनवाज़ आलम, अनिल यादव, रॉबिन वर्मा, शाहरुख, आदियोग, आमिर मिनटोई, एडवोकेट इमरान, संतोष धरकार, शिवकुमार यादव, आलोक सिंह, ऊषा विश्वकर्मा, सत्यम प्रजापति, इरम रिजवी, मो. सलीम, सिद्धार्थ कलहंस, नाहिद अकील, राजीव ध्यानी, अमित अम्बेडकर आदि मौजूद रहे।

### नफरत के खिलाफ आजीवन लड़े असद हयात

असद हयात नफरत के खिलाफ साझी सहादत, साझी विरासत वाली परम्परा के लिए आजीवन कानूनी लड़ाई लड़ते रहे। मॉब लिंचिंग, साम्प्रदायिक हिंसा, हेट स्पीच, बुलडोज़र, इनकाउंटर जैसे सवालों पर असद हयात ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश समेत विभिन्न प्रदेशों में पीड़ितों से मुलाक़ात कर उनके इंसाफ की लड़ाई को अदालत तक पहुँचाया। योगी आदित्यनाथ की हेट स्पीच के खिलाफ पिछले अठारह साल से हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक अनवरत उनकी न्यायिक लड़ाई जारी रही। मुजफ्फरनगर समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के साम्प्रदायिक हिंसा पीड़ितों के इंसाफ के लिए मज़बूती से कानूनी लड़ाई लड़ी। पहलू खान, जुनैद, अकलाक समेत अनेकों मॉब लीचिंग पीड़ितों के सवाल को उठाकर उनके परिजनों में इंसाफ की आस जगाई। सत्ता के दबाव और तनाव के चलते उनको पैरालिसिस अटैक, ब्रेन हैमरेज हुआ लेकिन इसके बावजूद भी वे लड़ते रहे।

# सीमा विवाद को लेकर पीड़ित ने मुख्यमंत्री और डीएम से लगाई न्याय की गुहार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जनपद के तहसील कर्नलगंज अंतर्गत बहुवन मदार माझा परगना म्यारिच तहसील करनैलगंज ग्राम कमियार परगना दरियाबाद तहसील रामस्नेही घाट जनपद बाराबं की के मध्य सीमा विवाद का मामला काफी दिनों से जोरों पर चल रहा है,गौरतलब है कि जनपद बाराबंकी के राज स्व विभाग के कर्मचारी और जनपद गोण्डा के राजस्व विभाग के कर्मचारी सीमा विवाद की भूमि का चार बार पैमाइश करके जमीन का नाप जोख तो कर दिया लेकिन उसके बाद भी काफी दिनों से बाराबंकी व गोण्डा के राज स्व कर्मचारी सीमा विवाद का मामला सुलझा नही पा रहे हैं,जिसके कारण मामला बढ़ता जा रहा है।गोंडा जिले के तहसील कर्नलगंज क्षेत्र अंतर्गत बहुवन मदार मांझा के नि वासी सर्वजीत,शिव गोविन्द,उदय राज आदि समस्त ग्राम वासी ने गोंडा के जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई है कि सीमा विवाद को लेकर दोनों तरफ किसानो की परेशा नी बढ़ती जा रही है,जबकि जिले के किसान ज्यादा परेशा न हैं,ऐसी स्थित में सीमा विवाद का निस्तारण कराया जा ना अति आवश्यक है।पीड़ित जनों का कहना है कि यदि इस मामले का निपट नहीं रहा है सीमा विवाद का मामला,ग्राम बहुवन मदार माझा परगना ग्वारिच तहसील करनैलगंज जनपद गोण्डा और ग्राम कमियार परगना दरियाबाद तहसील राम स्नेही घाट जनपद बाराबंकी के बीच का हैं।

निस्तारण जल्द से जल्द नहीं कराया गया तो प्रार्थी गण अपने जान गवाने को तैयार हैं।ि जसके चलते गोण्डा जनपद के किसान का कहना है कि यदि विवाद को लेकर हम लोग किसान आत्म हत्या करते हैं तो उसकी सारी जिम्मेदारी गोंडा प्रशासन की होगी।आपको बता दें कि गोण्डा जिले के किसानों को मुख्यमंत्री आवास मिला था लेकिन बाराबंकी के किसान अपनी जमीन बता कर आवास बनने नहीं दे रहे हैं,इन बातों को लेकर 15. मार्च 1979 को जिलाधिकारी बाराबंकी व जिलाधिकारी गोण्डा ने मिल बैठकर समझौता कराया था, कि 36 एकड़ जमीन ग्राम बहुवन मदार माझा को काट करके ग्राम बांस गांव को दी जा रही है, तथा ग्राम कमियार से 36 एकड़ जमीन काट करके ग्राम बहुवन सदर माझा को दी जा रही है, पीड़ित बताते हैं कि वर्ष 15. मार्च 1979 के आदेश की फाइल बाराबंकी के राजस्व कर्मचारियों द्वारा गायब कर दी गयी है।

# नगर पालिका में डिजिटल लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन के अंतर्गत नक्शा प्रोजेक्ट का हुआ शुभारम्भ

❐ इस प्रोजेक्ट के शुभारंभ होने से पूरनपुर नगर के नाम जुड़ गई एक और बहुत बड़ी उपलब्धि : चेयरमैन शैलेंद्र गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। डिजिटल लैंड रिकॉर्ड मॉडर्नाइजेशन के अंतर्गत नक्शा शहरी भूमि की सही पहचान प्रोजेक्ट का शुभारम्भ कार्यक्रम नगर पालिका परिषद कार्यालय सभागार में आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम पूरे भारत के कुल 152 शहर अथवा क़स्बों में जबकि उत्तर प्रदेश के केवल 10 शहर अथवा क़स्बों में एक ही दिन एक ही समय पर एक साथ डिजिटल लाइव प्रसारण माध्यम से आयोजित हुआ।जिसमें नक्शा पायलट प्रोजेक्ट का शुभारम्भ किया गया।जो कि केंद्र सरकार का प्रोजेक्ट है। जिसका राज्य सरकार के साथ एमओयू साइन होने के पश्चात क्रियान्वयन हो रहा है। उत्तर प्रदेश के 10 चयनित शहर अथवा क़स्बों में से एक पूरनपुर नगर भी है। जो कि पूरनपुर नगर के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस प्रोजेक्ट में ड्रोन के द्वारा पूरे शहर का फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी सर्वे होगा जिसमें तीन प्रकार की टेक्नोलॉजी वाले ड्रोन प्रयोग किये जाएंगे जिसके पश्चात नगर में स्थित सभी दुकानों एवं मकानों के डिजिटल नक़्शे बनाये जाएंगे। सरकारी आंकड़ों एवं दस्तावेजों के आधार पर एक नक्शा प्रॉपर्टी कार्ड बनाया जाएगा जो सभी प्रॉपर्टी धारकों को उपलब्ध कराया जाएगा। यह कार्ड पूरी तरह से डिजिटल होगा जो प्रॉपर्टी दस्तावेजों एवं नक़्शे के आधार पर तैयार होगा और पूरी तरह से डिजिटल लीगल डॉक्यूमेंट होगा जो कि जरुरत पड़ने पर सभी जगह उपयोग किया जा सकेगा और इस प्रकार डिजिटल कार्ड धारकों को अन्य कागजी दस्तावेजों की आवश्यकता नही पड़ेगी। इस कार्ड के आधार पर लोन की भी सुविधा मिल सकेगी। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह, ऋतू पूनिया अपर जिलाधिकारी, प्रफुल्ल मिश्रा जिला उपाध्यक्ष भाजपा, रामबहादुर गुप्ता समाजसेवीअजीतप्रतापसिंह उपजिलाधिकारी, राजेंद्र आर्या समाजसेवी, संदीप खंडेलवाल समाजसेवी, संजय सक्सेना एड, संजय पाण्डेय एड,ऋषि कुमार दीक्षित व अभिषेक त्रिपाठी नायाब तहसीलदार, हर्ष प्रधान नगर अध्यक्ष भाजपा, जेई नरेन्द्र कुमार जैसल, जयदीप कुलश्रेष्ठ, विक्रांत चौधरी, सभासद सौरभ सक्सेना,अनुज कुमार गुप्ता, सूरज बाथम,नादिर रज़ा बरकाती, सभासद प्रतिनिधि तौफीक अहमद कादरी, नदीम अंसारी, साजिद रिजवी,शेर सिंह यादव, सभासद राजेश कुमार, दुर्वेश कुमार, रविंदर शर्मा, अखिलेश मिश्रा,मानस शुक्ला,विवेक तिवारी,प्रदीप सिंह व अन्य क़ई सम्मानित जनों की उपस्थिति रही हैं।

# अमेठी के अस्सी परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी बोर्ड परीक्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन, सुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिये प्रशासन संकल्पित है जिसमें जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, वाहृय केंद्र व्यवस्थापक, सचल दल प्रभारी, मानिटरिंग सेल प्रभारी एवं कंट्रोल रूम प्रभारी की तैनाती की गई है।जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ राजेश द्विवेदी ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल,इंटरमीडिएट परीक्षा आगामी चौबीस फरवरी से प्रारम्भ होकर बारह मार्च तक संचालित होगी।हाईस्कूल,इंटरमीडिएट परीक्षा दो पालियों में पूर्वाहन साढ़े आठ बजे से पौने बारह बजे तक एवं द्वितीय पाली में अपराह्न दो बजे से सवा पांच बजे तक आयोजित की जायेगी। हाईस्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षा हेतु जनपद में अस्सी परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं जिनमें राजकीय विद्यालय बारह, अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय बाइस, वित्त विहीन विद्यालय छियालिस सम्मिलित हैं। उन्होंने बताया कि हाई स्कूल की परीक्षा में पच्चीस हजार छह सौ बीस एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा में बाइस हजार सात सौ तेरह छात्र छात्राएं बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिये अस्सी केंद्र व्यवस्थापक, अस्सी वाहृय केंद्र व्यवस्थापक, चार जोनल मजिस्ट्रेट, तेरह सेक्टर मजिस्ट्रेट, अस्सी स्टैटिक मजिस्ट्रेट, चार सचल दल बनाये गये हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना हम सभी की जिम्मेदारी है सभी अधिकारी अपने अपने परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर लें तथा वहां पर बच्चों के बैठने हेतु सीटिंग प्लान की व्यवस्था, पीने हेतु पानी, शौचालय, छात्र-छात्राओं के प्रवेश के समय जांच,तलाशी की व्यवस्था, पार्किंग, स्ट्रांग रूम, वॉइस रिकॉर्डर युक्त सीसीटीवी कैमरा एवं डीवीआर के साथ राउटर डिवाइस आदि व्यवस्था को देख लें यदि कहीं पर किसी चीज की कोई कमी पाई जाय तो उसे समय रहते सुनिश्चित करा लें जिससे परीक्षा के समय किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन तथा अन्य किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक गेजेट्स परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर जाना पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे संचालित होना आवश्यक है इसकी मॉनिटरिंग प्रदेश स्तर तथा जनपद स्तर पर की जायेगी। परीक्षा के दौरान निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र सिंह ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती की जायेगी स्थानीय थाने से पुलिस फोर्स, क्राइम ब्रांच, सोशल टीम सतर्क दृष्टि बनाये रखेंगे, बोर्ड परीक्षा के महत्वपूर्ण प्रश्न पत्र वाले दिन विशेष निगरानी रखी जाएगी और किसी के द्वारा यदि कोई भी घटना घटित हो तो उसकी सूचना तत्काल दी जाये जिससे कि वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये जा सके।

# अगौना में प्रधान पद के लिये उप चुनाव में चार बूथों पर आज होगा मतदान

❐ विकास खण्ड मुख्यालय से पोलिंग पार्टियों को किया गया रवाना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

तिलोई अमेठी। विकास खण्ड तिलोई की ग्राम पंचायत अगौना में प्रधान पद के लिये उप चुनाव में आगामी उन्नीस फरवरी को मतदान होगा जिसमें आधा दर्जन प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। ब्लाक मुख्यालय से आज पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया है। सीओ के साथ ही कोतवाली प्रभारी ने मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर मतदाताओं को निर्भीकता के साथ मतदान करने के लिये प्रेरित किया है। तिलोई विकास खण्ड की ग्राम पंचायत अगौना के ग्राम प्रधान की बीते दिनों मौत हो गई थी तो यहां पर उप चुनाव की तिथि आगामी उन्नीस फरवरी को निर्धारित की गई है। ग्राम पंचायत अगौना में पूरे नायब, पूरे अत्ता, पूरे पलिया, पूरे भगवत प्रसाद तिवारी, जगदीश नगर कालोनी, पूरे दम्मा, बंजरिया, पूरे भगवान दीन, पूरे ढ़कोलिया, पूरे बसंती, पूरे ठाकुर राम तिवारी, पूरे ढूंढे ढोढे के साथ ही पूरे गुलजार शामिल हैं। इस ग्राम पंचायत में दो हजार एक सौ साठ मतदाता हैं और प्राथमिक विद्यालय अगौना के साथ ही प्राथमिक विद्यालय पूरे बसंती को मतदान केंद्र बनाया गया है जिसमें चार बूथ बनाये गये हैं। प्रधान पद के लिये होने वाले उप चुनाव में आधा दर्जन प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं। इस उप चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिये पुलिस प्रशासन काफी सतर्क नज़र आ रहा है। सोमवार को ब्लाक मुख्यालय से पोलिंग पार्टियों को रवाना किया गया। क्षेत्राधिकारी अजय कुमार सिंह के साथ ही कोतवाली प्रभारी राकेश सिंह ने भारी संख्या में पुलिस बल के साथ गांव का भ्रमण कर निष्पक्ष होकर मतदान करने के लिये प्रेरित किया और कहा कि अगर किसी भी मतदाता को डराया धमकाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी।

# मदरसा ग़ौसिया खटीमा की सालाना पैग़ामे हक़ कॉन्फ्रेंस और जश्ने दस्तारबंदी का हुआ आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के प्रसिद्ध धार्मिक मदरसा अल जामियतुल गौसिया खटीमा की 24 वीं सालाना पैग़ामें हक़ कॉन्फ्रेंस व जश्ने दस्तारबंदी का आयोजन 17 फ़रवरी को किया गया है।जिसमें खटीमा और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। कॉन्फ्रेंस की शुरुआत कुरान की तिलावत से हुई।आस पास के उलिमा के अलावा देश विदेश के प्रसिद्ध धार्मिक गुरुऔं ने लोगों को शिक्षा और अमन व शांति का पैग़ाम दिया है।मौलाना फ़ैज़ान रज़ा जमाली साहब ने अपने बयान में कहा की इल्म की खुशबू को कोई रोक नहीं सकता यह हाफ़िज़ ए क़ुरान जिन्होंने अपने सीनों में क़ुरान को महफ़ूज़ किया है यह जहां जाएंगे वहां लोगों को महकाते रहेंगे और कल मैदाने महशर में इनके मां बाप ऐसा ताज पहनाया जाएगा जिसकी रोशनी सूरज की तरह होगी। मुफ़्ती अफ़ज़लुल क़ादरी साउथ अफ़्रीका ने फरमाया कि उलेमा अंबिया के वारिस हैं।शिक्षा इंसान को बुलंदियों पर पहुंचा देती है। इसलिए हमें हर हाल में शिक्षा हासिल करनी चाहिए और जो लोग शिक्षा हासिल कर चुके हैं उनकी इज़्ज़त करनी चाहिए। शहज़ादऐ हुज़ूर तहसीने मिल्लत अल्लामा हस्सान रज़ा ख़ान ने फरमाया कि ईमान सबसे बड़ी दौलत है। इसलिए हर हाल कभी भी ईमान का सौदा मत करना और हमेशा अपने अक़ीदे की हिफ़ाज़त करते रहना इसी में दुनिया और आख़िरत में भलाई है।मेहमाने खूसूसी आले रसूल सैय्यद मोहम्मद रिज़वान मियां बिलग्राम शरीफ़ ने फ़रमाया की अल्लाह तऑला ने इंसान को अपनी इबादत के लिए पैदा किया है तुम अपने आप को बदलो नमाज़ पढ़ो,रोज़े रखो झूठ से दूर रहो, ग़ीबत मत करो और दूसरे खुराफात से दूर रहो हमेशा दूसरों के लिए मददगार बनों।अल्लाह की पहचान ही ज़िंदगी का मक़सद है इस दौर में बद मज़हबों से दूर रहने ही में ईमान की हिफ़ाज़त मुमकिन है।आखिर में मदरसा गौसिया से फारिग़ होने वाले छे बच्चों की दस्तार बंदी हुई उसके बाद अल्लामा मौलाना इरफानुल हक़ क़ादरी संरक्षक मदरसा गौसिया ने तमाम महमानो का शुक्रिया अदा दिया और आने वाले सालों में मदरसे की तरक़्क़ी और उसकी तामीर के बारे में अपने इरादे को ज़ाहिर किया फिर हुज़ूर सय्यद की दुआ पर पैग़ामें हक़ कॉन्फ्रेंस समाप्त हुआ।इस मौके पर मुफ्ती फ़रियाद आलम मुफ्ती मुहाफ़िज़ रज़ा मिस्बाही,मौलाना रईसुद्दीन साहिब ,मौलाना तारिक मिस्बाही,मुफ्ती अयाज़ अहमद मंज़री, मौलाना अमानुल हक़ क़ादरी, हाफ़िज़ ज़फ़रुददीन अज़हरी, हाफ़िज़ इरशाद हुसैन मुशाहिदी, मुफ्ती सईद अनवर इरशादी, हाफ़िज़ अब्दुल बासित क़ादरी, हाफिज अब्दुल वाहिद, हाफ़िज़ मुहम्मद रज़ा, मौलाना ग़ुलाम साबिर, मौलाना रज़ी मरकज़ी, मौलाना इनामुल हक़ मंजरी, मौलाना ज़ीशान मंजरी, सोहेल अहमद ओवेसी, हाफ़िज़ ताजीम रज़ा आदि मौजूद रहे ।

**उन्नीस फरवरी को होगा किसान दिवस का आयोजन**

**अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता।** उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद अमेठी में माह फरवरी के तृतीय बुधवार उन्नीस फरवरी को किसान दिवस का आयोजन विकास भवन सभागार में अपरान्ह बारह बजे से दो बजे तक किया जायेगा। इस क्रम में उन्होंने जनपद के विभागीय अधिकारियों से किसान दिवस से सम्बन्धित संचालित कार्यक्रमों की सूचना सहित बैठक में समय से स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

# उप निबन्धक कार्यालय में वसीयत कराने पहुंचे अधिवक्ता से अपर जिलाधिकारी ने की अभ्रदता



कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। उप निबन्धक कार्यालय में अपर जिलाधिकारी ऋतु पुनिया आकस्मिक निरीक्षण करने के लिए पहुंची थी। इस दौरान प्रगतिशील अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष अमिताभ मिश्रा अपने साथी अधिवक्ता के साथ उप निबन्धक कार्यालय में वसीयत कराने के लिए पहुंचे थे। आरोप है।कि इस दौरान एडीएम ने उनके साथ अभ्रदता कर दी। जानकारी लगते ही दर्जनों अधिवक्ताओं ने उनका घेराव कर उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और अधिवक्ताओं को समझाने का प्रयास करती रही।लगभग डेड घंटे तक चले हंगामे के बाद एडीएम ने अपने शब्दों को बापस लेते हुए मामले को शांत कराया। हंगामे के दौरान एसडीएम अजीत प्रताप सिंह ने कार्यालय में पहुंचे एक वादकारी के साथ धक्का मुक्की की जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

## खेल प्रतियोगिताएं करती हैं असली राष्ट्र निर्माण:वरुण मिश्र

**सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता।** राष्ट्र निर्माण में खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल मैदानों का अहम रोल है, ये बातें कांग्रेस पार्टी के युवा नेता वरुण मिश्र ने कह वे सुल्तानपुर के इटकौली ग्रामसभा में इटकौली प्रीमियर लीग के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे, प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि खेल के मैदानों में सिर्फ प्रतिभा देखी जाती है वहां कोई जाति ार्म नह देखता है असली राष्ट्र निर्माण यह से शुरूहोता है खुशहाल भारत की नव भी यह से पड़ती है इसलिए ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन बहुत आवश्यक है उन्होंने इटकौली वासियों को प्रतियोगिता का हिस्सा बनाने के लिए आभार ब्यक्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के आयोजक मोइन बाबू, वसीम भाई, पूर्व प्राान इबरार अहमद, अकरम प्राान, राजू भाई, इरशाद भाई, जावेद अख्तर आलोक उपायाय, दीपक पाठक समेत सैकड़ों खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

## युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला

**पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता।** कोतवाली क्षेत्र के गांव पताबोझी के रहने वाले राजेश पुत्र भूपराम ने बताया कि वह अपने खेत पर गया था। इसी दौरान गांव के रहने वाले खेमकरन, जीत कुमार, वीरबल और महेन्द्र पाल ने पुरानी रंजिश के चलते गेहूं फसल को तोड़कर खराब करने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने मारपीट कर धारदार हथियार से युवक पर जानलेवा हमला कर दिया था। घायल युवक ने पूरनपुर कोतवाली पहुंच कर पुलिस से शिकायतकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। क्राइम इंस्पेक्टर ने बताया मारपीट मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पर मामले की जांच की जा रही है।

## धनाराघाट सड़क निर्माण में धाधली की शिकायत पर जाँच करने पहुंचे अधिकारी ग्रामीणों ने किया हंगामा

**पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता।** तहसील क्षेत्र के गांव शेरपुर कला के पास में धनाराघाट रोड पर पीडब्ल्यूडी के द्वारा कराए गए सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण करने मंगलवार तीन बजे चीफ इंजीनियर अजय कुमार,अधीक्षण अभियंता केके सिंह,एक्सईन राजेश कुमार शिकायत के बाद निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने सडक़ निर्माण कार्य में पीडब्ल्यूडी पर लापरवाही व धाधली करने का आरोप लगाया। अधिकारियों के रवैये से ग्रामीणों ने हंगामा काटा इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

## मझोला-धनकुना-पीलीभीत मार्ग का पुनर्निर्माण शुरू करने को लेकर मंत्री प्रतिनिधि ने की डीएम से मुलाकात

**पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता।** राज्यमन्त्री संजय सिंह गंगवार जिले की जनसमस्याओं के समाधान हेतु बहुत ही गम्भीर हैं। उनके निर्देश पर उनके जिला प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल ने जिलाधिकारी पीलीभीत से भेंट कर उनसे कई जनसमस्याओं पर चर्चा की। मंत्री प्रतिनिधि ने डीएम को बताया कि मझोला से धनकुना होते हुए पीलीभीत तक के मार्ग के चौड़ीकरण और हॉटमिक्स निर्माण को कई माह पूर्व शासन द्वारा स्वीकृति दे दी गयी थी। इसके उपरांत भी अब तक यह निर्माण शुरू नहीं हो सका है। जिससे इस बदहाल मार्ग पर लोगों को आवागमन में बड़ी दिक्कत होती है। इस पर जिलाधिकारी पीलीभीत संजय कुमार सिंह ने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को मार्च तक हर हाल में इस मार्ग के पुनर्निर्माण हेतु निर्देशित किया ।साथ ही जिलाधिकारी से पीलीभीत से मझोला सितारगंज मार्ग के बिरहेनी के बाद के भाग को फोर लेन करने हेतु उत्तराखंड सरकार से समन्वय स्थापित करने हेतु आग्रह किया गया जिससे भरा पचपेड़ा औद्योगिक आस्थान को दिल्ली से इस फोर लेन से जोड़ा का सके। ज्ञातव्य है ।कि गत दिनों राज्यमन्त्री के जिला प्रतिनिधि और युवा व्यापार मंडल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कपिल अग्रवाल ने उत्तराखंड से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर उत्तराखंड की सीमा में पड़ रहे इस मार्ग के फोर लेन निर्माण हेतु आग्रह किया था जिस पर मुख्यमंत्री श्री धामी ने शीघ्र निर्णय लेने हेतु आश्वस्त किया था। जिलाधिकारी पीलीभीत ने सभी सुझावों और समस्याओं को ध्यान से सुनकर उन पर प्रभावी कार्यवाही हेतु सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया गया है।

## जगदीशपुर पुलिस ने तीन युवकों को स्मैक के साथ दबोचा

**अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता।** थाना जगदीशपुर पुलिस ने नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत पचपन ग्राम ग्राम स्मैक के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर स्थानीय पुलिस द्वारा क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत मंगलवार को उप निरीक्षक विधानचन्द्र यादव मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर राजू मौर्या पुत्र सिद्धनाथ मौर्या निवासी पूरबगांव थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक को करीडीह रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे बीस ग्राम स्मैक बरामद हुई है। उप निरीक्षक नरेश पाल सिंह मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान सोनू उर्फ शकील पुत्र जलील निवासी पश्चिमगांव थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक को गिरफ्तार किया गया।

# भ्रष्टाचार में लिप्त जिला पंचायत अध्यक्ष सहित प्रतिनिधि की जिला पंचायत सदस्य ने मुख्यमंत्री से की शिकायत, मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जिला पंचायत पीलीभीत की अध्यक्षा दलजीत कौर व उनके पति गुरुभाग सिंह द्वारा जिला पंचायत में किए गए करोडो के भ्रष्टाचार की जांच शासन स्तर पर 4-2-2025 को की गई थी।शिकायत में अपने ग्राम कुंवरपुर की निजी कृषि भूमि के गाटा संख्या 47,48,49,50,51 में जिला पंचायत निधि से नाली निर्माण कार्य कराया गया था। जिसकी लागत लगभग 26,92700 लाख रुपए करवाया है। व उनके ससुर भजन सिंह व पति गुरुभाग सिंह के निजी विद्यालय स्वामी एजुकेशनल कॉम्पेक्स के निजी गाटा संख्या 58,59, 60,89 में निजी रास्ते पर 150 मीटर आरसीसी कार्य जिसकी लागत लगभग 1714900 लाख रुपए हैं। और गुरुभाग सिंह ने एक गाड़ी खुद स्कॉर्पियो खरीद कर जिसका नंबर ठ्ठ 26 इख्र 3852 अपने सगे चेचरे भाई जगबीर सिंह पुत्र अमरजीत सिंह निवासी कुंवरपुर के नाम करवाई और जिला पंचायत में किराए पर लगाकर लगभग जिला पंचायत के सरकारी खाते से 23 लाख रुपए जगबीर सिंह के खाते में ट्रांसफर करवाए हैं।उत्तर प्रदेश शासनादेश के अनुसार कोई भी जिला पंचायत अध्यक्ष जिला पंचायत से निजी लाभ नहीं ले सकते हैं।जिला पंचायत अध्यक्ष दलजीत कौर व उनके पति ने जिला पंचायत से करोड़ों रुपए निजी लाभ में अपनी कृषि भूमि और अपने निजी विद्यालय में लगाए हैं। शासनादेश की प्रति संलग्नक है।जिला पंचायत अध्यक्ष दलजीत कौर के हस्ताक्षर खुद उनके पति गुरुभाग सिंह जिला पंचायत की सरकारी फाइलों में करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष व उनके पति गुरुभाग सिंह द्वारा निर्माण कार्य के ठेकों में जिला पंचायत पीलीभीत से कई करोड़ रुपए के घोटाले करके पिछले डेढ़ वर्ष में अपनी बेनामी संपत्ति अर्जित की है।ग्राम कुंवरपुर अभयपुर माधोपुर सीमा पर घुंघचिहाई के किसान की एक समिति की लगभग 12 एकड़ कृषि भूमि खरीदी है।पूरनपुर बडा हाईवे पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष से 2 एकड़ जमीन दो करोड रुपए की खरीदी है। पूरनपुर बडा हाईवे पर स्वामी कॉलेज के सामने अग्रवाल राइस मिल 5 करोड रुपए की खरीदी है।राज्य की राजधानी लखनऊ के अलीगंज के सेक्टर के में 80 लाख रुपए का एक फ्लैट खरीदा है।इसके साथ ही उन्होंने भाजपा जिला महामंत्री लेखराज भारती द्वारा काटी गई कॉलोनी में लगभग 40 लाख रुपए का एक प्लाट खरीदा है।और अपने सगे तेतरे भाइयों की जमीन भी लाखों रुपए में गिरवी रखी है। यह सभी संपत्तियां जिला पंचायत अध्यक्ष व उनके पति गुरभाग सिंह के नाम खरीदी गई हैं। उक्त भ्रष्टाचार की जांच शासन स्तर पर की गई।जांच वापस लेने के लिए दवाब बनाकर दिनांक 13 फरवरी 2025 को थाना पूरनपुर मे जिला पंचायत अध्यक्ष के पति गुरभाग सिंह दवारा एक फर्जी मुकदमा नंबर 60/2025 दर्ज करवाया है।

# नियम कानून ताक पर रखकर पंचायती राज विभाग में हो रहे तबादले और तैनाती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के पंचायती राज विभाग विभाग में सफाई कर्मियों की तैनाती और तबादले को लेकर बड़ा खेल चल रहा है। मनचाही तैनाती पाने के लिए अंडर टेबल काम हो रहा है। यह सब कुछ जिला पंचायत राज आकारी के नाक के नीचे चल रहा है। इतना ही नह मुख्यमंत्री की आईजीआरएस प्रणाली पर भी कई बार झूठी रिपोर्ट लगाकर शासन को गुमराह किया गया है। पंचायती राज विभाग में तैनाती और तबादले का खेल निराला है। सूत्रों के मुताबिक जो सफाई कर्मी अंडर टेबल सुविाा शुल्क दे रहा है। उसे मनचाही तैनाती मिल रही है। जो अक्षम है वह इार-उार फेंका जा रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण के बरौंसा ग्राम पंचायत है। इस ग्राम पंचायत के अंतर्गत चार राजस्व गांव आते हैं। जिनमें रामपुर, नारायणपुर, गंगोलिया, और बरौंसा है। यहां एक मिनी सचिवालय, तीन प्राथमिक विद्यालय, एक जूनियर हाई स्कूल, एक सुलभ शौचालय और सामुदायिक मीटिंग हाल है। इसके अलावा लखनऊ-बलिया हाइवे पर स्थित बरौसा चौराहा भी है। जहां लोक निर्माण विभाग की ओर से नालियां बनाई गई है। जो सफाई न होने से अक्सर जाम रहती हैं। यहां पर एकमात्र सफाई कर्मी मीरा वर्मा तैनात है जो की महिला है। ऐसे में इतने बड़े क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालना उनके बस की बाहर की बात लगती है। इसके विपरीत ानउडीह ग्राम पंचायत में गुवावा राजस्व ग्राम है। जहां कोई सरकारी भवन नह है। यहां रामजनक वर्मा की तैनाती है। इसी तरह गोपालपुर ग्राम पंचायत में चंदनपुर, भीटी और कन्हापुर राजस्व ग्राम है जहां परमहंस पाल की तैनाती है। सबसे महत्वपूर्ण अठेसी ग्राम पंचायत है। जिसमें तीन राजस्व गांव सबेहा, ऊडौली, अठेसी है। इसी क्षेत्र में तहसील मुख्यालय का भवन भी है। यहां एक सफाई कर्मी बसंत तिवारी तैनात हैं। सूत्रों के अनुसार वह भी सफाई के स्थान स्थान पर माल बाबू के कार्यालय में बैठकर अंडरटेबल काम करते हैं।

# छात्रा को शादी का झांसा देकर किया अगवा, मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। दोस्तपुर थाना क्षेत्र के कक्षा 12 की छात्रा को जबरन शादी करने लिए अगवा करने का मामला आने के एक सप्ताह बाद भी मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस छात्रा को बरामद नह कर सकी है जिससे पीड़ित परिवार किसी अनहोनी घटना की आशंका जताई है। थाना दोस्तपुर में दर्ज मुकदमे के अनुसार बरूआ ग्राम सकरवारी की रहने वाली कक्षा 12 की छात्रा खुशी (काल्पनिक नाम) उम्र 19 वर्ष को मंगलवार 11 तारीख को अगवा कर घर से बाहर बुलाया और उठा ले गये ार्म परिवर्तन कराकर। बताते चलें कि शादी करने का दबाव बनाने वाले थाना क्षेत्र के सुरहुर पुर गांव निवासी दानिश, मोहम्मद सैफ व आवेश ने छात्रा को फोन से सुबह भोर में संपर्क कर घर के बाहर बुलाया, और तीनों ने जबरन अपने साथ उठा ले गया। सुबह जब मामले की जानकारी पिता को हुई तो आनन फानन में थाना दोस्तपुर पहुंच कर घटना की जानकारी दिया। दोस्तपुर पुलिस ने मुकदमा 27/25 ाारा 87 के तहत दर्ज कर कार्यवाही शुरूकर दिया। घटना के एक सप्ताह जब मामले की जानकारी राष्ट्रीय गौ रक्षा वाहिनी गौ सेवा संघ के प्रदेश प्रभारी सर्वेश सिंह को हुई तो उन्होंने जिला स्तरीय जिम्मेदार गौ रक्षा वाहिनी के पदाकारी से वार्ता कर ार्म परिवर्तन कर शादी झांसा देकर अगवा करने वाले मनबढ युवक की ार पकड़ के लिए पुलिस पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने दोस्तपुर पुलिस से कहा कि मामले में पुलिस के पास सिर्फ 24 घंटे का समय है, अन्यथा पुलिस अाीक्षक को ज्ञापन देकर गिरफ्तारी की मांग करेंगे। छात्रा के पिता का कहना है कि घटना कारित करने के पूर्व सुरहुरपुर गांव निवासी उपरोक्त से मिलकर मना किया था तो ामकी भरे लहजे में यूवको ने कहा कि मैं ार्म परिवर्तन कर जबरन शादी करूंगा कक्षा 10 से हम लोग साथ पढ़े हैं जो करना हो कर लो।

# अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए व्यापारी के ऊपर प्राणघातक हमला करने के आरोपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कूरेभार/सुल्तानपुर। दक्खिनवारा चौराहा कूरेभार के निवासी व्यापारी पंकज अग्रहरि, जिनके ऊपर पिछले दिनों जानलेवा हमला हुआ था। उक्त प्रकरण पर एफआईआर लिखे जाने के पांच दिन बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नह हुई। उार प्राण घातक हमले के शिकार पंकज अग्रहरि की तबियत अभी भी गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज शहर के एक हास्पिटल में चल रहा है। अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी के संरक्षक रमेश कुमार मोदनवाल की सूचना पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य दिलीप अग्रहरि , प्रदेश मंत्री सुनील कसौान ,जिलायक्ष सुल्तानपुर राहुल कसौान व जिला महामंत्री सुल्तानपुर अंकुर अग्रहरि हास्पिटल जाकर पीड़ित से मुलाकात किया और उसे ढांढस बंाया। इस अवसर पर अखिल भारतीय हमारा समाज पार्टी के संरक्षक रमेश कुमार मोदनवाल ने पुलिस प्रशासन से मांग किया कि पंकज अग्रहरि पर प्राणघातक हमला करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे। विदित हो कि पिछले दिनों पंकज अग्रहरि अपने दो बेटों के साथ अपनी मोटरसाइकिल से कूरेभार खरीदारी करने जा रहे थे, रास्ते में मियांगंज के पास स्थित एक ढाबा संचालक से उनका विवाद हो गया जिसके चलते दो नामजद आरोपी और तीन चार अज्ञात लोगों द्वारा पंकज अग्रहरि के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया गया। मार पिटाई से बचने के लिए जब पंकज अग्रहरि अपनी मोटरसाइकिल से भाग रहे थे तो आरोपियों ने अपनी कार से पीछा कर पटना चौराहे के पास पंकज अग्रहरि की मोटरसाइकिल में टक्कर मार कर उन्हें गिरा दिया और उन पर हाकी राड से पुनः जानलेवा हमला कर दिया। मामले में प्राथमिकी दर्ज हुए पांच दिन बीत गया है परंतु किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी अभी तक नह हुई है। पीड़ित व्यापारी पंकज अग्रहरि की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है जिनका इलाज शहर के एक हास्पिटल में चल रहा है।

## अश्लीलता-अभद्रता की हद

हाल के दिनों में सोशल मीडिया से जुड़े प्लेटफॉर्मों के कार्यक्रमों में स्वेच्छाचारिता और वर्जनाएं तोड़ने के अनगिनत मामले प्रकाश में आए हैं। जो भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की। इस बदमिजाज यूट्यूबर ने शो के एक प्रतिभागी के माता-पिता के अंतरंग पलों के बारे में घोर निंदाजनक प्रश्न किए। जैसा अपेक्षित था, भारतीय परिवार व सांस्कृतिक मूल्यों पर हमला करने वाली टिप्पणी पर देश में भारी विवाद हुआ। देश के विभिन्न भागों में इस मामले में शिकायतें दर्ज की गईं, और राष्ट्रीय महिला आयोग ने ऐसे कार्यक्रमों के नियमन की मांग करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूट्यूब से इस विवादित कार्यक्रम को हटाने के निर्देश दिए। देश के राजनीतिक क्षेत्रों में भी इस विवाद को लेकर तीखी टिप्पणियां सामने आईं। इस विवाद ने देश में इस बहस को एक बार फिर तेज किया कि सामाजिक मूल्यों को लेकर अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा के निर्धारण और डिजिटल कंटेंट निर्माताओं की जवाबदेही कैसे तय की जाए। साथ ही रचनात्मक अभिव्यक्ति तथा सार्वजनिक शिष्टाचार में सामंजस्य कैसे बनाया जाए। दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर-गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल-जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

> भारतीय सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का अतिक्रमण करते हुए अराजक व्यवहार कर रहे हैं। पिछले दिनों संसद से लेकर सड़क तक यूट्यूब पर प्रसारित एक फूहड़ व अभद्र कार्यक्रम के खिलाफ कार्रवाई की मांग गूंजती रही, जिसमें अभद्रता से सामाजिक मर्यादा की सीमाएं लांघने की कुत्सित कोशिश हुई। पिछले दिनों कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो 'इंडियाज गॉट टैलेंट' में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने एक अश्लील, अभद्र व अमर्यादित टिप्पणी की।

## भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

**भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है।**

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी ज़रूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का ''जिम्मेदार'' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड़यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है। भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिये सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पायेंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पायेंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है। भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिये हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जाग्रत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आयेगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुनः जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ायेंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है, एक ताकत है। संघ और हिंदुत्व को लेकर अक्सर उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचनाएं होती रही हैं लेकिन इस तरह की नीति के द्वारा किसी का हित सधता हो, तो ऐसा प्रतीत नहीं होता तथा न ही उससे संघ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संघ की ऐसी आलोचना करने वाले समय, शक्ति और अर्थ का अपव्यय करते हैं तथा अपनी बुद्धि के दिवालियापन को उजागर करते हैं। संघ न केवल देश बल्कि दुनिया का बहुचर्चित एवं सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। जो बहुचर्चित होता है उसका विरोध भी होता है। निरूद्देश्य एवं स्तरहीन विरोध, विरोधी विचारधाराओं एवं संगठनों की स्वार्थपूर्ण मनोवृत्ति, ईर्ष्या एवं विध्वंस की नीति का स्वयंभू प्रमाण बन जाता है। संघ एवं मोहन भागवत की आलोचना करने वाले तथा उनके व्यक्तित्व पर कीचड़ उछालने वाले लोग एवं संगठन स्वयं को कमजोर अनुभव करते हुए भी समाज एवं राष्ट्र में प्रतिष्ठित होना चाहते हैं, वे ही ऐसी आलोचना करते हैं। उनकी आलोचनाएं एक जीवंत परंपरा को झुठलाने के असफल प्रयास ही रहे हैं। हिन्दू एकता के अभाव में ही देश में जेहादी आतंकवाद, तीन करोड़ विदेशी बांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिन्दुओं का धर्मान्तरण, गौहत्या, मठ-मंदिरों की सरकारी अधिग्रहण के माध्यम से लूट, हिन्दू संतों और देवताओं का अपमान, नारियों पर अत्याचार-बलात्कार, हिन्दुओं के साथ अंधाधुंध भेदभाव, अन्याय, अत्यन्त सहनशील हिन्दू समाज और महान हिन्दू धर्म को नष्ट करने के षडयन्त्र बहुत तेजी से बढ़े। हिन्दू एकता से ये बुराइयां स्वयं नष्ट होने लगेंगी। इससे सबसे अधिक लाभ समाज की दौड़ में पिछड़े रह गए बन्धुओं को, गरीबों को और देश के बेरोजगार नवयुवकों को मिलेगा। हिन्दू विरोधी अपने को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने वाले राजनेताओं ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता के परिश्रम का लाखों करोड़ रुपया हड़पा है। अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस जैसी ताकते भारत विरोधी विमर्श गढ़ने के लिये अकूत पैसा झोंक रहे हैं, वही हमारे देश के कुछ राजनीतिक दल उसके हाथों खेल रहे हैं। सिकंदर से लेकर सोरोस तक हुए ऐतिहासिक आक्रमणों एवं साजिशों पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर बर्बर लोगों ने, जो गुणों में श्रेष्ठ नहीं थे, भारत पर शासन किया, तथा समाज में विश्वासघात का चक्र जारी रहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था तथा भारत के विखंडित होने की धारणा अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी। लेकिन अब न केवल भारत बल्कि भारत का बहुसंख्य हिन्दू समाज इन साजिशों को नाकाम करने में सक्षम है। भारत एक 'हिंदू राष्ट्र' है और हिंदुत्व देश की पहचान का सार है। संघ स्पष्ट रूप से देश की पहचान को हिंदू मानता है क्योंकि राष्ट्र की सभी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं इसी के सिद्धांतों से चलती हैं। भागवत के अनुसार 'हिन्दुत्व' ऐसा शब्द है, जिसके अर्थ को धर्म से जोड़कर संकुचित किया है। संघ की भाषा में उस संकुचित अर्थ में उसका प्रयोग नहीं होता। यह शब्द अपने देश की पहचान, अध्यात्म आधारित उसकी परंपरा के सनातन सत्य तथा समस्त मूल्य सम्पदा के साथ अभिव्यक्ति देने वाला शब्द है। संघ मानता है कि 'हिंदुत्व' शब्द भारतवर्ष को अपना मानने वाले, उसकी संस्कृति के वैश्विक व सार्वकालिक मूल्यों को आचरण में उतारना चाहने वाले तथा यशस्वी रूप में ऐसा करके दिखाने वाली उसकी पूर्वज परम्परा का गौरव मन में रखने वाले सभी 150 करोड़ लोगों पर लागू होता है। मोहन भागवत ने फिर हिन्दू एकता का आह्वान किया है। आओ, फिर एक बार जागें, संकीर्णता एवं स्वार्थ की दीवारों को ध्वस्त करें। -ललित गर्ग

## ट्रंप जो चाहते थे वह सब नरेंद्र मोदी से हासिल किया

**टी एन अशोक**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय भू-राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है और कई देशों में नये नेता सत्ता संभाल रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की निर्धारित बैठक से अमेरिका के लिए उनके व्यापार विस्तार के मामले में सकारात्मक परिणाम सामने आये, लेकिन भारत के लिए सटीक लाभ का आकलन अभी किया जाना बाकी है। हालांकि एक बात स्पष्ट है। ट्रंप आप्रवासियों पर अपनी नीति पर अड़े रहे और मोदी ने इस पर सहमति जतायी। भारतीय प्रधानमंत्री ने ट्रंप की प्रशंसा की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाये जाने वाले भारी पारस्परिक टैरिफ से बचने की कोशिश की। ट्रंप और मोदी के रिश्ते को कुछ मीडिया आउटलेट्स में भाईचारा करार दिया गया है - और गुरुवार की बैठक के दौरान यह आत्मीयता जोरदार तरीके से उबलती रही। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे की प्रशंसा की, जबकि सार्वजनिक रूप से चर्चा के अधिक चुभने वाले बिंदुओं को दरकिनार कर दिया। उनमें से मुख्य था ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित पारस्परिक टैरिफ का सवाल, जिसमें उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी आयात करों का जवाब प्रत्येक देश द्वारा लगाये जाने वाले दरों के बराबर देने का प्रस्ताव रखा है। दोनों दक्षिणपंथी नेताओं, मोदी और ट्रम्प, पर अपने देशों में लोकतांत्रिक पतन के आरोप लगे हैं। दोनों नेताओं ने हाल ही में अपने-अपने देशों में फिर से चुनाव भी जीता हैरू मोदी ने पिछले साल जून में और ट्रम्प ने पिछले नवंबर में। गुरुवार को उनके अधिकांश सार्वजनिक प्रदर्शन एक-दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए समर्पित थे, जिसमें ट्रम्प ने मोदी की महान नेता के रूप में सराहना की और मोदी ने ट्रम्प को मित्र कहा। गुरुवार को मोदी अपने खुद के प्रस्तावों के साथ पहुंचे, जो ट्रम्प द्वारा भारत के खिलाफ उठाये जाने वाले किसी भी आर्थिक कदम से निपटने के लिए तैयार किये गये थे। दोनों नेता अपनी बंद कमरे की बैठक से अंतरिक्ष यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऊर्जा उत्पादन पर साझेदारी सहित अपने देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के समझौते के साथ बाहर आये। ट्रंप ने कहा, प्रधानमंत्री और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लिए तेल और गैस के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में पुनसर्थापित करेगा। उम्मीद है कि यह उनका नंबर-एक आपूर्तिकर्ता होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के समान एक अंतरराष्ट्रीय बुनियादी ढांचे का भी जिक्र किया,जो दुनिया भर के सहयोगियों को जोड़ेगा। ट्रंप ने बताया, श्हम इतिहास के सबसे महान व्यापार मार्गों में से एक के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह भारत से इजरायल, इटली और आगे संयुक्त राज्य अमेरिका तक जायेगा, जो हमारे भागीदारों को बंदरगाहों, रेलवे और अंडरसीकेबल्स से जोड़ेगा। ट्रम्प ने अपनी ओर से कहा कि अमेरिका भारत को कई अरबों डॉलर की सैन्य बिक्री बढ़ायेगा। दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को अधिक मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। उन्होंने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। इस उद्देश्य से, नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया-मिशन 500- जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 अरब डॉलर करना है। दोनों नेताओं ने बेहतर वैश्विक ऊर्जा मूल्य सुनिश्चित करने और अपने नागरिकों के लिए सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रोकार्बन के उत्पादन को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। नेताओं ने संकट के दौरान आर्थिक स्थिरता को बनाये रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के महत्व को भी रेखांकित किया और रणनीतिक तेल भंडार व्यवस्था का विस्तार करने के लिए प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने का संकल्प लिया। इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे - भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा। जहां तक एच-1बी वीजा पर भारत के दबाव वाले मुद्दों का सवाल है, ऐसा लगता है कि भारतीय प्रधानमंत्री को कोई रियायत नहीं मिली।

## सेहत मंत्र

## सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है लोबिया खाना

लोबिया खाने में जितनी स्वादिष्ट होती है, उतनी ही सेहतमंद भी है। सभी बीन्स की तरह लोबिया भी फाइबर, आयरन और विटामिन्स से भरपूर होती है। कब्ज और दिल के रोगियों के लिए लोबिया का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। 100 ग्राम लोबिया में मात्र 90 कैलोरीज होती हैं इसलिए वजन घटाने के लिए भी लोबिया बहुत अच्छा आहार मानी जाती है। लोबिया खाने से ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, कब्ज आदि रोगों का खतरा कम हो जाता है। आइए आपको बताते हैं कि आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद है लोबिया। लोबिया खाने से आपको कभी भी ब्लड प्रेशर की बीमारी नहीं होगी और अगर है भी, तो लोबिया ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करेगी। इसका कारण यह है कि इसमें पोटैशियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है जबकि सोडियम बेहद कम होता है। 100 ग्राम लोबिया में केवल 4 मिलीग्राम सोडियम होता है, जबकि 431 मिलीग्राम पोटैशियम होता है। अगर आप ज्यादा पोटैशियम वाले आहार खाएंगे, तो आपका ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। लोबिया में फाइबर और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है इसलिए ये पेट के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। 100 ग्राम लोबिया में 5 ग्राम फाइबर होता है। फाइबर वाले आहार आंतों की अच्छी तरह सफाई करते हैं और खाने को पचाने में मदद करते हैं। इसलिए कब्ज, एसिडिटी और अपच के मरीजों के लिए भी लोबिया का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। लोबिया में आयरन की मात्रा अच्छी होती है इसलिए इसे खाने से खून में हीमोग्लोबिन बढ़ता है और कमजोरी दूर होती है। खून में हीमोग्लोबिन की कमी के कारण एनीमिया हो जाता है, जिससे खून में लाल रक्त कणिकाएं (रेड ब्लड सेल्स) की संख्या कम हो जाती है। शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए खून में हीमोग्लोबिन होना जरूरी है। 100 ग्राम लोबिया में इतना आयरन होता है कि आपकी दैनिक जरूरत का लगभग 6% पूरा हो जाता है। विटामिन 'ए' और एंटीऑक?सीडेंट्स का खजाना होने के कारण, लोबिया कई तरह की बीमारियों को आपसे दूर रखता है। ये फलियां शरीर से विभिन्न विषाक्त पदार्थों और हानिकारक ऑक्सीजन रहित तत्वों को बाहर करने में मदद कर शरीर को स्वस्थ रखने में उपयोगी है।

## धर्म मंत्र

## भय से मुक्ति और शक्ति की प्राप्ति के लिए हनुमान जी के मंत्रों का करें जाप

ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं, और जो भी श्रद्धा भाव से उनकी आराधना करता है वो भय या किसी भी तरह के डर से मुक्त हो जाता है। सबसे खास बात ये है कि हनुमान जी को प्रसन्न करना बेहद सरल है। कोई भी बाधा उनके स्मरण से ही दूर हो जाती है। हनुमान जी सभी सिद्धियों के दाता भी माने जाते हैं। उन्हे प्रसन्न करके कोई भी सिद्धि और शक्ति को प्राप्त की जा सकती है। सूर्य के शिष्य हनुमान जी बेहद ज्ञानी भी हैं। ये सच है कि हनुमान क्रोध ना करने वाले और सहज प्रसन्न होने वाले देवता है, परंतु उनकी साधना करने के पूर्व कुछ नियमों के बारे में अवश्य जान लें। बिना इन नियमों का पालन करे आप बजरंग बली को प्रसन्न तो नहीं ही कर पायेंगे उनके कोप के भी भागी बन सकते हैं। हनुमान साधना के कुछ तांत्रिक प्रयोग व मंत्र हैं जिनको साधकर हनुमान जी को प्रसन्न किया जा सकता हैं। नीचे ऐसे ही कुछ बीज मंत्रों बताये गए हैं। शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से लाल आसन पर हनुमान जी की प्रतिष्ठित मूर्ति करके उसके सामने घी का दीपक जला कर लाल चंदन की माला अथवा मूंगे की माला पर नित्य 11 माला 40 दिन फ़ेरने से भी उनकी सिद्धि प्राप्त हो सकती है। साथ ही इन मंत्रों का जाप करें। ऊँ हुँ हुँ हनुमतये फट्।, ऊँ पवन नन्दनाय स्वाहा।, ऊँ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट।, नमो भगवते आन्जनेयाये महाबलाये स्वाहा, ओम नमों हनुमते रुद्रावताराय विश्वरूपाय अमित विक्रमाय प्रकटपराक्रमाय महाबलाय सूर्य कोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा।

## पर्यटन

## जैसलमेर में संस्कृति की खूबसूरत और अनोखी झलक

जैसलमेर डेजर्ट फ़ेस्टिवल शुरू करने का मकसद भारत से बाहर रह रहे लोगों को यहां की संस्कृति से रूबरू कराना था। जो अब यहां का खास आकर्षण बन चुका है। रंग-बिरंगे कार्यक्रमों, ऊंट दौड़, मूंछ और पगड़ी बांध प्रतियोगितायों में लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस फ़ेस्टिवल में रहने, खाने-पीने हर एक सुविधाओं का आधुनिक अंदाज देखने को मिलता है। जैसलमेर से 42 किमी दूर स्थित सैम रेत टिब्बा में मनाए जाने वाले इस फ़ेस्टिवल में राजस्थान की संस्कृति, लोक नृत्य-संगीत, स्थानीय कलाकारों और हुनरमंद कारीगरों से रूबरू होने का मौका मिलता है। जो अपने करतब से खुश करने के साथ ही चौंकाने का काम भी करते हैं। सुबह से शुरू होने वाले इन रंगारंग कार्यक्रमों को देखते हुए कब दिन ढ़ल जाता है इसका पता ही नहीं लगता। घेर और फायर डांस, ऊंट दौड़, पगड़ी बांध, लंबी मूंछ और मिस्टर डेजर्ट जैसी प्रतियोगिताएं न सिर्फ फ़ेस्टिवल की रौनक बढ़ाती हैं बल्कि पर्यटक के रोमांच को भी बनाए रखने का काम करती हैं। देश-विदेश के कलाकार इस फ़ेस्टिवल में अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए देखे जा सकते हैं। ऊंट पर की जाने वाली कलाकारियों को देखना अद्भुत और लाजवाब होता है। संजे-सवरें इन ऊंटों को देखकर आप इन्हें कैमरे में कैद करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। आप इसमें शामिल होकर पोलो मैच, ऊंट और जीप पर डेजर्ट सफारी राइड के मज़े भी ले सकते हैं। अगर आप हैंडीक्राफ्ट चीज़ों के शौकीन हैं तो थ्रेड और मिरर वर्क से सज़ी खूबसूरत चीज़ों का भंडार यहां देखने को मिलेगा। आउटफिट्स से लेकर फुटवेयर्स, घर सजावट का सामान आप यहां से अपने साथ ले जा सकते हैं। यहां तक कि फ़ेस्टिवल में पारंपरिक राजस्थानी जायके का भी स्वाद ले सकते हैं। आसपास कई ढाबे और फूड स्टॉल्स भी लजीज़ खाने की खुशबू से पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम करते हैं।

# शुचिता पूर्ण हो बोर्ड परीक्षा : शशांक त्रिपाठी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी । जिलाधिकारी बाराबंकी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में लोकसभागार बारांबकी में माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा जनपद में शांति एवं शुचिता पूर्ण संपन्न करने के उद्देश्य से दो पाली में बैठक आहूत की गई। प्रथम पाली की बैठक में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी, अपर जिलाधिकारी बाराबंकी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अपर चिकित्साधिकारी, अधीक्षण अभियंता विद्युत, अधिशासी अभियंता नगरपालिका, जिला पंचायत राज अधिकारी, सहायक प्रबंधक रोडवेज, उपनियंत्रक संकलन केंद्र सहित जोन 1, 2 और 4 के अंतर्गत सेक्टर 1, 2, 3, 4, 6 एवं 7 के अंतर्गत कुल 56 केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। वहीं द्वितीय चरण अधिकारी, सहायक प्रबंधक रोडवेज, उपनियंत्रक संकलन केंद्र सहित जोन 3, 5, 6 और 7 के अंतर्गत सेक्टर 5, 8, 9, 10 एवं 11 के अंतर्गत कुल 50 केंद्रों के केंद्र व्यवस्थापक, वाह्य केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। इस बैठक में राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक अपर शिक्षा अधिकारी श्री जीवेंद्र सिंह उपस्थित रहे। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक बाराबंकी द्वारा जनपद में संचालित होने वाली परीक्षा के संबंध में परीक्षा केंद्रों, संवेदनशील केंद्रों , परीक्षार्थियों की संख्या एवं परिषदीय परीक्षा संबंधी दिशा निर्देशों से अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक श्री दिनेश कुमार सिंह ने निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि बाराबंकी में नकल विहीन और शुचितापूर्ण परीक्षा की व्यवस्था हेतु पुलिस और प्रशासन सदैव आपके साथ है, किंतु सतर्कता और कानूनों का पालन करना परीक्षा से जुड़े लोगों का दायित्व है। छात्र-छात्राओं की सघन तलाशी की व्यवस्था प्रत्येक विद्यालय में हो, छात्राओं की सघन तलाशी एक अलग कक्ष में की जाने तथा परीक्षार्थियों के सामान रखने हेतु मुख्य द्वार पर टोकन से जमा करने की व्यवस्था सभी केंद्र व्यवस्थापक सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी ने केंद्र व्यवस्थापक, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा में लगाए गए सभी अधिकारी अपनी उपस्थिति के तत्काल पश्चात 21 बिंदुओं के उस चेक लिस्ट से भौतिक सत्यापन स्वयं भी सुनिश्चित करेंगे, और विसंगतियों की सूचना जिला विद्यालय निरीक्षक को अवगत कराएंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक सचल दल की बैठक आयोजित कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दें। परिवहन विभाग परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उस रूट पर वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग पीएचसी, सीएचसी, 108 एंबुलेंस को अलर्ट मोड पर रखे, नगरपालिका परिषद परीक्षा केंद्रों के आस-पास सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी, कक्ष निरीक्षकों की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करें। राज्य स्तरीय पर्यवेक्षक उप शिक्षा निदेशक, राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ श्री जीवेंद्र सिंह ऐरी ने कहा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के प्रति परीक्षा केंद्रों को विशेष सतर्कता बरतने की आश्यकता है। परीक्षा केंद्रों में परीक्षा तिथि के अलावा जिन तिथियों में परीक्षा नहीं है, उसमें सुरक्षा की अधिक आवश्यकता होगी। उपनियंत्रक/ प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज द्वारा इन बैठकों में उत्तर पुस्तिकाओं की वितरण प्रणाली एवं संकलन केंद्र में बंडल जमा करने संबंधी दिशा निर्देशों के बारे में अवगत कराया अपर जिलाधिकारी/ नोडल परिषदीय परीक्षा प्रशासन बाराबंकी श्री इन्द्रसेन ने केंद्र व्यवस्थापकों से कहा कि आपके पास मजिस्ट्रेट का अधिकार है, विशेष परिस्थितियों में उसका उपयोग करे। परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारी परीक्षा केंद्र पर एक घंटे पूर्व उपस्थित हो। सेक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित करें कि परीक्षा केंद्रों के आस-पास माइक, भीड़ आदि एकत्र न हो और परीक्षा अवधि में फोटोस्टेट आदि की दुकानें खुली न हो। चूंकि यह पर्वों का समय है, अतः सड़क पर जुलूस निकालने वालों से भ्रमणशील अधिकारी यह भी सुनिश्चित कराए, कि परीक्षा केंद्रों के आस-पास उनके माइक आदि बंद रहे। कोई भी अधिकारी निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर फोटो आदि न खींचे।

# एनएचआई की भूमि पर हो रही थी मिट्टी पटाई, टीम ने हटवाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हैदरगढ़ बाराबंकी। एनएचआई की भूमि पर मिट्टी डालकर पाटते हुए अतिक्रमण का प्रयास किया गया था जिसके बाद एनएचआई के प्रोजेक्ट मैनेजर ठाकुर वीरभान के निर्देश पर रूट पेट्रोलिंग ऑफिसर आदित्य चतुर्वेदी ने मिट्टी हटवाते हुए दुबारा अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत दी । जानकारी के अनुसार विकास खंड त्रिवेदीगंज के ग्राम जौरास भिलवल में करीब एक दर्जन लोगों ने एनएचआई की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने की नीयत से मिट्टी डाली थी जिसे प्रोजेक्ट मैनेजर ठाकुर वीरभान सिंह के निर्देश में रूट पेट्रोलिंग ऑफिसर आदित्य चतुर्वेदी द्वारा मिट्टी को हटवाते हुए किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न करने की चेतावनी दी ।

# कुर्सी क्षेत्र में जारी अवैध खनन, तीन डम्फर, कब्जे में जेसीबी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। ग्राम पंचायत बैनाटीकरहार में सोमवार की रात्रि को जेसीबी से हो रहे मिट्टी का अवैध खनन की सूचना पर पुलिस व राजस्व टीम ने छापा मारा। पुलिस के पहुंचते ही खनन में लगे लोग फरार हो गए।पुलिस ने दौड़ाकर जेसीबी व डंफर कब्जे में लेकर सीज कर दिया।अचानक हुई कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया।

कुर्सी थाना क्षेत्र में अर्से से अवैध मिट्टी खनन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है।रात होते ही अवैध खनन कार्य शुरू हो जाता है। और सुबह तक बेखौफ निर्वाध चलता है। बीते सोमवार रात्रि को कुर्सी थाना क्षेत्र अंतर्गत बैनाटीकरहार गांव में बिना अनुमति के जेसीबी मशीन व डम्फर से मिट्टी का खनन करने की शिकायत उपजिलाधिकारी फतेहपुर तक पहुंची। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम जैसे ही स्थल पर पहुंची तो खनन कर रहे लोग भागने लगे। पुलिस ने उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराया।उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने पीछा किया और कुछ दूर पर जाकर जेसीबी और डंफर को दबोच लिए और उसे उमरा चौकी पुलिस की अभिरक्षा में दे दिया।उधर पुलिस की इस कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप है।उमरा चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि दो जेसीबी व तीन डंफर को सीज की कार्यवाही की गई है।

## किशोरी से दुष्कर्म, क्षेत्र में तनाव, आरोपी गिरफ्तार

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। फसल की रखवाली कर रही एक किशोरी को अकेला पाकर गांव के हैं एक युवक ने हवस का शिकार बना डाला। दुष्कर्मी अन्य समुदाय का योग बताया गया है।हमले से किशोरी की हालत बिगड़ गई। किसी तरह घर पहुंच कर उसने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। पीड़िता के पिता ने पुलिस मे शिकायत दर्ज कराई। हरकत में आई पुलिस ने पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार के बाद मेडिकल परीक्षण कराया गया। विषेश समुदाय के युवक द्वारा किए गए इस घिनौने कृत्य से गांव में आक्रोश फैल गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने रात में आरोपी युवक का घर घेर लिया। इसके बाद सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफतार कर लिया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस तैनात की गई। क्षेत्राधिकारी रामनगर सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी को गिरफतार कर जेल भेजा गया है।

# पूर्व सीएम कर्पूरी को पुण्य तिथि पर कांग्रेस की भावभीनी श्रद्धांजलि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी ।जननायक कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के पुरोधा थे। आपने जीवन भर दलित शोषित और वंचित वर्ग के उत्थान के लिये संघर्ष किया उनका सादा जीवन सरल स्वभाव स्पष्ट विचार और अदम्य इच्छा शक्ति लोगों को प्रभावित कर लेती थी। और जनता उनके विराट व्यक्तित्व के प्रति आकर्षित हो जाती थी। बिहार प्रान्त के मुख्यमंत्री रहते हुये उन्होनें मुंगेरी लाल आयोग के तहत पिछड़ों को 12 प्रतिशत का आरक्षण दिया। भारत सरकार ने 23 जनवरी 2024 को उनके मरणोपरान्त उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की। आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम कांग्रेस परिवार के साथ स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, शिक्षक, राजनीतिज्ञ बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये उन्हें दिल की गहराइयों से याद करते है।

पूर्व सांसद डा.पी.एल पुनिया ने आज बिहार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री सामाजिक न्याय के पुरोधा स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने ओबरी आवास पर अयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम कांग्रेस परिवार द्वारा उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए ।

कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद मोहसिन ने जननायक कर्पूरी ठाकुर जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये कहा कि, कर्पूरी ठाकुर जी ईमादारी और सादगी के प्रतिमूर्ति ही नही दूरदर्शी होने के साथ-साथ ओजस्वी वक्ता भी थे। आप 1952 से लगातार विधायक रहे लेकिन अपने लिये एक मकान भी नही बनवाया। जब कर्पूरी ठाकुर जी बिहार के उपमुख्यमंत्री बने तो उन्होनें पढ़ाई में बेटियों के लिये अंग्रेजी भाषा की परेशानी को देखते हुये मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिये अंग्रेजी की अनिवार्यता को समाप्त करके शिक्षा को आम लोगों तक पहुंचाने का काम किया। ऐसे सादगी भरे राजनीतिज्ञ जिसने जीवन भर पिछड़ों और दलित शोषितों के लिये संघर्ष किया।

## सुमली नदी तट पर भक्तों का जमावड़ा

**रामनगर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** तहसील रामनगर के ग्राम पंचायत बड़नपुर स्थित सरयू नदी की एक धारा जिसे सुमली नदी कहा जाता है पर बड़ी संख्या में कांवरिये लोधेश्वर धाम से आकर स्नान करते हैं।वहां पर सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम न होने के कारण उन्हें खेतों में कपड़े बदलने की मजबूरी है जिससे असुविधा और असुरक्षा की स्थिति बन रही है।स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा और चेंजिंग रूम की व्यवस्था की मांग की है।उपजिलाधिकारी पवन कुमार ने कहा कि जिला पंचायत को चेंजिंग रूम बनवाने के निर्देश दिए जाएंगे और घाट को विकसित करने की योजना पर काम किया जाएगा।

## गीजर फटा, बाथरूम में पिता पुत्र झुलसे

**सिरौलीगौसपुर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** सुबह स्नान करते समय अचानक गैस गीजर में धमाका हो गया। जिससे स्नान घर में मौजूद पिता पुत्र गम्भीर रूप से झुलस गए। तत्काल दोनों को परिजन संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर स्थिति को देखते हुए दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सोमवार को कोतवाली बदोसरांय क्षेत्र के ग्राम ददरौली भवानीपुर निवासी सुशील कुमार यादव नहाने के लिए बाथरूम में पहुंचे और गीजर आन किया किन्तु गरम पानी नहीं निकल रहा था। इतने में उनका 15 वर्षीय पुत्र अभिषेक भी बाथरूम में पहुंच गया और गीजर आन कर गरम पानी निकालने का प्रयास शुरू कर दिया। इतने में ही अचानक गीजर में जोर दार धमाका हो गया। धमाके से निकली आग की लपटो में दोनों पिता पुत्र झुलस कर गम्भीर रूप से घायल हो गए। धमाका इतना तेज था कि घर में लगी लोहे की ग्रिल उखड़ गई। धमाके की आवाज से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। आनन फानन दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां दोनों का उपचार करके जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

## काम में ढिलाई पर नगर निगम के तीन कर्मचारी सस्पेंड

**लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता।** शहर को स्वच्छ रखने के लिए लखनऊ महापौर की स्वस्थ्य शहर स्वच्छ शहर मुहिम में नगर आयुक्त डॉ इंद्रजीत सिंह ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर के विभिन्न जोन में बेस्ट एरिया का दौरा किया और वहां की सफाई की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान यदुनाथ सान्याल वार्ड में नालियों की सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई जिससे नगर आयुक्त ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बीट इंचार्ज महेश कुमार और संविदा सफाई कर्मचारी पिंटू को निलंबित करने के आदेश दिया है। इसके साथ ही जेसी बोस वार्ड में भी गंदगी पाई जाने पर सुपरवाइजर मुकेश को निलंबित करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही नगर आयुक्त ने सभी जोन के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सुबह 7 बजे से बेस्ट एरिया का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान जहां भी कोई कमी पाई जाती है उसे तुरंत ठीक किया जाएगा। अगर किसी स्थान पर निर्माण कार्य चल रहा है या पैच वर्क की जरूरत है तो उसे भी जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। इसके साथ ही पार्कों की सफाई की जिम्मेदारी उद्यान विभाग को दी गई है और अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं कि वे पार्कों की सफाई पर विशेष ध्यान दें।

# बम बम भोले बोल बम का जयकारा लगाते महादेव आ रहे हैं शिव भक्त कांवरियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। कोटि कोटि जनमानस की आस्था का केंद्र शिवतीर्थ महादेवा में प्रसिद्ध फाल्गुनी मेला को सकुशल सम्पन्न कराने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के उद्देश्य से प्रशासन ने व्यापक तैयारी की है।इसी क्रम में मेला क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के कमांडो ने भी सुरक्षा व्यवस्था सम्भाल ली है। एटीएस कमांडो द्वारा मेला क्षेत्र के प्रमुख स्थलों प्रवेश एवं निकास द्वारों जलाभिषेक स्थल और श्रद्धालुओं की आवाजाही वाले महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा का जायजा लिया।श्री लोधेश्वर महादेवा में चल रहे फाल्गुनी मेला में दूर दराज से काफी संख्या में कांवरियों का निर्वाध आना शुरू है । कांवरियों द्वारा शिवलिंग का जलाभिषेक

### मेला में घटिया मिठाई सामग्री की बिक्री जारी

करने के बाद यहां पर विशाल भंडारे का आयोजन करते हैं। श्रीनाथ कुटी और दुर्वासा ऋषि पहाड़ी बाबा की कुटी पर कांवरियों का भारी जमावडा है। उन्नाव जनपद के सफीपुर से आए जगन्नाथ प्रसाद व औरैया जनपद से आए राजेंद्र प्रसाद ने अभरण तालाब के पश्चिम बाग में अपने सहयोगियों के साथ भंडारे का आयोजन किया ।जिसमें सभी लोगों ने भगवान शिव जी का प्रसाद ग्रहण किया ।बहुत से शिव भक्तों ने शिव नाला और अभरण तालाब में स्नान करके भगवान शिव जी की पूजा अर्चना करते हैं। उसके बाद विश्रामालय में आराम करते हैं। बहुत से कांवरिया यहां पर स्थित संतो के कुटी में भी आराम करते हैं ।इस समय लोधेश्वर महादेवा में कांवरियों का आना जारी है। जिसके चलते भगवान शिव का कपाट केवल सफाई के समय बंद किया जाता है ।बाकी समय में खुला रहता है ।भगवान शिव का जयकारा लगाते हुए बैंड बाजा की धुन पर नाचते गाते भगवान शिव की नगरी लोधेश्वर महादेवा की ओर बढ़ते चले आ रहे हैं ।शिव दरबार में कांवर चढ़ाने के बाद शिव भक्त कांवरिया कान पड़कर उठक बैठक लगाते हैं अर्थात क्षमा याचना करते हैं। वापसी में यहां से अपने गांव में प्रसाद हेतु लाई, रेवाड़ी, इलायची दाना ,मीठा ,बिंदी ,सिंदूर व अन्य सामग्रियां ले जाते हैं ।जिसे अपने गांव पहुंचकर लोगों के घरों में प्रसाद का वितरण करते हैं ।यहां पर इस समय लड्डू और लाई की भरमार है।भारी कीमत में घटिया मिठाई लड्डू बर्फी की बिक्री की जा रही है। बाहर जनपदों से आने वाले कांवरियां खरीददारी कर रहे हैं उन्हें प्रसाद स्वरूप कुछ घर जो ले जाना है।

# महिला की चैन गायब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

### रास्ते मे उतरने वाली महिलाओं पर लगाया गले से चैन निकालने का आरोप

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी के एचसीएल चौकी क्षेत्र में ई रिक्शा से बाजार गोसाईंगंज जा रही महिला की गले की चैन आचानक गायब हो गई। महिला का आरोप है कि रास्ते मे उतरने वाली महिलाओं ने उसके गले की चैन निकाल ली। पुलिस ने महिला से तहरीर लेकर जांच में जुटी है। बाराबंकी जनपद के लोनी कटरा थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद गांव निवासी लज्जावती (50) ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि वह बीते पंद्रह फरवरी को मायके अमौसी गई थी, मंगलवार सुबह घर वापस जाने के लिए अहमामऊ से एक ई रिक्शा में बैठी ही थी। इस दौरान पाँच महिलाए और आकर बैठ गई, कुछ दूर चलने के बाद उन लोगों ने एचसीएल चौकी के पास उनके गले की चेन निकाल ली। एसएचओ अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर जांच की जा रही है। उन्होने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सड़क पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। पुलिस इस घटना को न चोरी से जोड़कर देख रही है और न स्नैचिंग से । पुलिस का मानना है कि महिला की चैन कही रास्ते में गिर गई होगी। उसने महिलाओं के रिक्शा से उतरने के बाद गले की ओर देखा। तब उसे पता चला की मेरे गले मे चैन नही है।

14 अप्रैल 2024 इस घटना का भी नही हुआ खुलासा : महिपाल खेडा अर्जुनगंज की रहने वाली गुड्डी देवी अपनी बेटी के साथ टेम्पो से गोसाईंगंज बाजार जा रही थी।अहिमामऊ के पास कुछ अन्य औरते भी उसी टेम्पो में बैठ गई। इसी बीच रास्ते मे वह औरते उतर भी गई। महिला जब एचसीएल पुलिस चौकी के पास पहुँची तो उसके गले से चैन गायब थी। महिला ने टेम्पो रुकवाकर तलाशी ली तो टेम्पो में चेन का लॉकेट मिला लेकिन चेन नही मिली थी। पुलिस ने मामले की जांच व महिला टप्पेबाजो को आज तक नही पकड़ सकी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर ठंडे बस्ते में डाल दिया। अभी तक खुलासा नही हुआ।

# एएमसी की होगी बेस्ट एरिया की पूरी जिम्मेदारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन की टीम को यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे मानक के अनुसार बेस्ट एरिया को तैयार करें। इस अभियान के तहत हर वार्ड में एक बेस्ट एरिया निर्धारित किया गया है और कुल 110 बेस्ट एरिया हैं।

इन सभी बेस्ट एरिया की पूरी जिम्मेदारी उस एरिया के एएमसी को दी गई है। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक अधिकारी को फील्ड में जाकर इन क्षेत्रों का निरीक्षण करने के लिए नगर आयुक्त ने आदेश दिया है। नगर आयुक्त डॉ इंद्रजीत सिंह ने कहा कि महापौर की मुहिम का यह कदम शहर को स्वच्छ बनाने के लिए महत्वपूर्ण है और इसे गंभीरता से लागू करने के लिए अधिकारियों को पूरी तत्परता से काम करने का निर्देश दिया गया। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर बेस्ट एरिया की सफाई और रख-रखाव पूरी तरह से मानक के अनुरूप हो ताकि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। इस कदम से यह भी संकेत मिलता है कि नगर निगम की ओर से सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शहर को स्वच्छ रखने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी। अपने निरीक्षण के दौरान जोन 3 विवेकानंद वार्ड सेक्टर-एच पार्क के पास खुले में कूड़ा पड़ा देखकर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने तुरंत इस इस एरिया को कवर करने या पोर्टेबल कॉम्पेक्टर लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने एलएसए के प्रोजेक्ट हेड अनुपम मिश्रा को निर्देश दिए है कि 48 घंटे के अंदर इस कूड़ा घर को ठीक करें।

# जयंती पर एहतराम से याद किए गए स्वतंत्रता सेनानी रफी अहमद किदवई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मसौली बाराबंकी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रफी अहमद किदवाई के जन्म जयंती अवसर पर कस्बा मसौली स्थित उनके मकबरा पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। मंगलवार की भोर मजार पर मिलाद एवं पुष्प अर्पित किए गए। इसके बाद स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा देश भक्ति कार्यक्रम का प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रफी अहमद किदवाई ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ अम्मार रिजवी ने कहा कि देश की आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्व रफी साहब द्वारा किए गए संघर्ष को भूला पना सम्भव नहीं है।यह वह सरजमी है जहां ऐसे शख्स ने जन्म लिया था। जिसने हिन्दुस्तान को सियासी ताकत एवं राजनीतिक सुझबुझ से मुल्क एकसूत्र में बंधाने कार्य किया है।जब भी इतिहास के पन्नों को पलटगे तो उनकी हमेशा यादें ताजी हो जायेगी। ट्रस्ट के सचिव रामनगर विधायक फ़रीद महफूज किदवाई ने कहा कि संघर्ष पूर्ण जीवन रहा है। जिससे हम लोगों को सीख लेने की जरूरत है उन्होंने कहा कि रफी साहब ने देश की आजादी के साथ सच्चाई का साथ देने वाले शख्स थे। जिनके द्वारा किए गए कार्यों को आज भी भुला पाना मुश्किल होगा।हम यही चाहते है कि विद्यालय के बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें।अपने गांव और माता पिता का नाम रोशन करे। ट्रस्ट ने छात्राओं के लिए कम्प्यूटर सेन्टर, सिलाई कढ़ाई के आलावा डिग्री कालेज के लिए बिल्डिंग का निर्माण करा रही है।

वही रफी मेमोरियल इण्टर कालेज मसौली चौराहा पर रफी साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण प्राचार्य विजय बहादुर एवं अन्य शिक्षकों ने किया। रफी मेमोरियल गर्ल्स कॉलेज की शिक्षिका बेनजीर खालिद के संचालन मे आयोजित कार्यक्रम मे फैजान किदवई, लल्लन वर्मा, जाबी किदवई, जुहेब किदवई ,रफी मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज की प्राधानचार्य सबा जाहीर, सुरेन्द्र कुमार पाण्डेय असरा किदवई राबिया उजमा सऊद अहमद किदवई, तारिक किदवई सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

# दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वारियर्स को बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वारियर्स को बुधवार को महिला प्रीमियर लीग के अपने मैच में बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो पिछले मैच में नहीं चल सके थे। यह कोटाम्बी स्टेडियम पर आखिरी मैच भी है जिसके बाद डब्ल्यूपीएल के मैच 21 फरवरी से बेंगलुरू में होंगे। टूर्नामेंट से पहले खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही दिल्ली कैपिटल्स अभी तक फार्म में नहीं दिखी है। मुंबई इंडियंस को हराने के बावजूद पहले दो मैचों में उसके बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। मुंबई को दो विकेट से हराने से पहले 165 रन के लक्ष्य को हासिल करने में उसे काफी पसीना बहाना पड़ा। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ टीम 141 रन पर आउट हो गई और आठ विकेट से पराजय झेलनी पड़ी। कप्तान मेग लैनिंग अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई है। ऐसा लगता है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का असर उनके प्रदर्शन पर पड़ा है। शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स या सारा ब्रूस ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन बड़ी पारियां नहीं खेल सकीं। गेंदबाजी में अनुभवी शिखा पांडे ने मोर्चे से अगुवाई की है लेकिन दूसरे छोर से उन्हें सहयोग नहीं मिल सका। यूपी वारियर्स का भी यही हाल ही। ग्रेस हैरिस और ताहलिया मैकग्रा शीर्षक्रम पर असर पड़ा है। लेग स्पिनर अलाना किंग्स से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो गुजरात जाइंट्स के खिलाफ काफी महंगी साबित हुई थी।

यूपी वारियर्सः दीप्ति शर्मा (कप्तान), अरुशी गोयल, किरण नवगिरे, श्वेता सहरावत, वृंदा दिनेश, चमारी अटापट्टू, चिनेले हेनरी, ग्रेस हैरिस, क्रांति गौड़, पूनम खेमनार, सोफी एक्लेस्टोन, ताहलिया मैकग्राथ, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अलाना किंग, अंजलि सरवानी, गौहर सुल्ताना, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर।

दिल्ली कैपिटल्सः मेग लैनिंग (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, स्नेह दीप्ति, एलिस कैप्सी, एनाबेल सदरलैंड, अरुंधति रेड्डी, जेस जोनासेन, मारिजैन कैप, मिन्नू मणि, एन चरणी, निकी प्रसाद, राधा यादव, शिखा पांडे, नंदिनी कश्यप (विकेटकीपर), तानिया भाटिया (विकेटकीपर), सारा ब्राइस (विकेटकीपर), तितास साधु।

# मैंने इस्तीफा नहीं दिया है, कार्यकाल पूरा करूंगी... आईओए पैनल छोड़ने की खबरों पर बोलीं मैरी कॉम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग की अध्यक्ष और महान मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने मंगलवार को इन खबरों का खंडन किया कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी बात को गलत समझा गया और वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगी। लंदन ओलंपिक 2012 कांस्य पदक विजेता मणिपुर की 42 वर्ष की इस मुक्केबाज ने पिछले सप्ताह राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह में हलद्वानी में एक 'खराब होटल' में ठहराये जाने पर नाराजगी जताई थी। मैरी कॉम ने पीटीआई से कहा कि उनकी नाराजगी को इस्तीफा मान लिया गया। उन्होंने कहा, मैंने इस्तीफा नहीं दिया है। मैं अपना कार्यकाल (2026 के अंत तक) पूरा करूंगी। उन्होंने कहा, मैं अपने साथी सदस्यों (खिलाड़ियों के आयोग में) से इतना ही कह रही थी कि आगे से ऐसा हुआ तो मैं इस्तीफा दे सकती हूं। मैंने यह कभी नहीं कहा कि मैं इस्तीफा दे रही हूं। आईओए मेरा परिवार है और अगर मैं किसी बात को लेकर नाराज हूं तो मुझे उसे व्यक्त करने का पूरा अधिकार है। मैरी कॉम को 2022 में पैनल में चुना गया था जिसमें टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल उपाध्यक्ष हैं। आयोग में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु, पूर्व शॉटपुट खिलाड़ी ओम प्रकाश करहाना, शीतकालीन ओलंपियन शिवा केशवन, लंदन ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, नौकायन खिलाड़ी बजरंग लाल ताखड़, तलवारबाज भवानी देवी, पूर्व हॉकी कप्तान रानी रामपाल और तोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू हैं। मैरी कॉम ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि जब भी मैं किसी मामले पर आवाज उठाती हूं तो उसे इस तरह लिया जाता है। मेरे साथी कई खिलाड़ी कई मसलों पर बोलते हैं लेकिन उन्हें कोई गलत नहीं समझता।

## संक्षिप्त समाचार

### पारिवारिक इमरजेंसी के कारण भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल घर लौटे

**दुबई।** भारत के गेंदबाजी कोच मोर्नी मोर्कल पारिवारिक इमरजेंसी के कारण दक्षिण अफ्रीका अपने घर रवाना हो गए। मोर्कल को पिछले साल सितंबर में भारत का गेंदबाजी कोच बनाया गया था। वह शनिवार को भारतीय टीम के साथ दुबई पहुंचे और बुधवार से शुरू हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले शुरूआती अभ्यास सत्र में भी मौजूद थे। वह सोमवार को दूसरे अभ्यास सत्र में भारतीय टीम के साथ नहीं थे। भारत को पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश से खेलना है। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर है जिससे तेज आक्रमण का दारोमदार मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा पर है जबकि हार्दिक पंड्या चौथा विकल्प हैं।

### कोहली की एक झलक, श्रेयस के आटोग्राफ भारतीय क्रिकेटरों के लिये दीवानगी दुबई में भी

**दुबई।** रहमान जैद मस्कट से हैं और फातिमा ओमान से। भारत के सुपरस्टार क्रिकेटरों की एक झलक पाने के लिये उन्होंने घंटों इंतजार किया और आखिर उनका सपना सच हो गया। इन देशों के क्रिकेटप्रेमियों को भारतीय खिलाड़ियों को इतने करीब से देखने का मौका कम ही मिलता है लेकिन जब मिला तो जिंदगी भर के लिये उनकी यादों में चस्पा हो गया। भारत से कई प्रशंसक यहां आये हैं लेकिन आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर जमा 200 से अधिक प्रशंसकों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ओमान, ब्रिटेन और अमेरिकी नागरिक भी थे। बांग्लादेश के खिलाफ 20 फरवरी को चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच से पूर्व भारतीय टीम सोमवार की शाम यहां तीन घंटे अभ्यास सत्र के लिये आई। इन प्रशंसकों ने खिलाड़ियों की तस्वीरें ली और वीडियो बनाये। खिलाड़ियों से महज पांच मीटर की दूरी पर खड़े इन प्रशंसकों और इनके प्रिय खिलाड़ियों के बीच चंद सुरक्षाकर्मी और बैरीकेड ही था। जैद ने कहा ,'' हम ओमान से यहां आये हैं। हम भारत के कुछ मैच देखेंगे। हमें खुशी है कि इतने करीब से क्रिकेटरों को देखने का मौका मिल रहा है। उन्होंने अभ्यास सत्र पूरा होने के बाद भी तस्वीरें लेने की कोशिश की। क्रिकेटरों ने टीम बस में जाने से पहले आटोग्राफ दिये जिससे इनका दिन बन गया। सत्रह वर्ष की फातिमा को श्रेयस अय्यर का आटोग्राफ टीशर्ट पर मिला। उन्होंने कहा ,'' मैं बहुत खुश हूं। आईसीसी को इस मौके के लिये धन्यवाद देती हूं जिसकी वजह से भारतीय क्रिकेटरों को इतने करीब से देख सकी। मुझे टीशर्ट पर आटोग्राफ भी मिला। उन्होंने कहा ,' यह सपने जैसा था। मैने विराट को देखा। वह आये और मुझे आटोग्राफ भी दिये। वह बहुत अच्छे और शानदार हैं।मैं शमी का आटोग्राफ नहीं ले सकी। सबसे ज्यादा तालियां विराट के लिये बजी जो प्रशंसकों के चहेते हर जगह हैं।

### अजारेंका दुबई ओपन के दूसरे दौर में, अनिसिमोवा हारी

**दुबई।** दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका ने एक सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अन्हेलिना कालिनिना को 2-6, 7-6, 6- 4 से हराकरदुबई टेनिस चैम्पियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। पैंतीस वर्ष की अजारेंका दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने अगले पांच अंक लगातार लेकर दूसरा सेट जीता। अब वह दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से खेलेंगी जिन्हें दूसरे दौर में बाय मिला है। वहीं दो दिन पहले दोहा में कतर ओपन खिताब जीतने वाली अमांडा अनिसिमोवा पहले दौर में अमेरिका की ही मैकार्टनी केसलेर से 2-6, 3-6 से हार गई। 11वीं वरीयता प्राप्त डायना स्नाइडेर ने मैगडालीना फ्रेच को 6-2, 6-2 से हराया जबकि 12वीं रैंकिंग वाली मीरा आंद्रीवा ने एलिना एवानेसियान को 6-2, 6-1 से मात दी। अब उनका सामना 2023 विम्बलडन चैम्पियन मार्केटा वोंड्रोउसोवा से होगा। दसवीं रैंकिंग वाली डारिया कासात्किना को सोराना क्रिस्टी ने 6-1, 6-4 से हराया जबकि 13वीं रैंकिंग वाली बीट्रिज हदाद माइया को अनास्तासिया पोटापोवा ने 6-3, 6-0 से शिकस्त दी। पूर्व विम्लबडन चैम्पियन ओंस जबाउर को अमेरिका की पेटोन स्टीयर्न्स ने 7-6, 6-4 से हराया।

### पटेल इंजीनियरिंग, उसकी साझेदार को महाराष्ट्र में 1,090 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना मिली

**नयी दिल्ली।** पटेल इंजीनियरिंग ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने संयुक्त उद्यम (जेवी) भागीदार के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 1,090 करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना हासिल की है। महाराष्ट्र कृष्णा घाटी विकास निगम, पुणे ने पटेल इंजीनियरिंग को उसके संयुक्त उद्यम भागीदार के साथ नीरा देवघर राइट बैंक मुख्य नहर (87 किलोमीटर से 135 किलोमीटर तक) और इसकी वितरिकाओं के लिए पाइपलाइन वितरण नेटवर्क के निर्माण से जुड़े अनुबंध के लिए सबसे कम बोली लगाने वाला (एल-1) घोषित किया है। पटेल इंजीनियरिंग ने कहा कि यह परियोजना 36 महीने की अवधि में पूरी की जाएगी। परियोजना में उसकी हिस्सेदारी 20 प्रतिशत (218.09 करोड़ रुपये) है। मुंबई स्थित इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी की जलविद्युत और बांध परियोजनाओं के लिए सुरंगों और भूमिगत कार्यों में उपस्थिति मजबूत है।

### दिसंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था के 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमानः इक्रा

**नयी दिल्ली।** रेटिंग एजेंसी इक्रा ने मंगलवार को अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी ने इसका कारण असमान उपभोग के बीच बढ़े हुए सरकारी खर्च को बताया है। अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रही, लेकिन आम चुनावों के कारण सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी तथा कमजोर उपभोग मांग के कारण सितंबर तिमाही में यह धीमी होकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष (2024-25) की तीसरी तिमाही में भारत के आर्थिक प्रदर्शन को पूंजीगत और राजस्व व्यय पर कुल सरकारी खर्च (केंद्र और राज्य) में तेज बढ़ोतरी, सेवा निर्यात में उच्च वृद्धि, व्यापारिक निर्यात में सुधार, प्रमुख खरीफ फसलों के अच्छे उत्पादन आदि से लाभ हुआ, जिससे ग्रामीण धारणा को बल मिला। त्योहारी सीजन के दौरान कुछ उपभोक्ता-केंद्रित क्षेत्रों में तेजी देखी गई, जबकि शहरी उपभोक्ता भावना में थोड़ी गिरावट आई, तथा खनन और बिजली जैसे अन्य क्षेत्रों में पिछली तिमाही में मौसम संबंधी चुनौतियों के बाद सुधार देखा गया। नायर ने कहा, कुल मिलाकर, जहां हम उम्मीद करते हैं कि सितंबर तिमाही के सात-तिमाही के निम्नतम आंकड़ों के सापेक्ष दिसंबर तिमाही में जीडीपी और जीवीए विस्तार की गति बढ़ेगी, जो एक सुधार को दर्शाता है, वहीं प्रदर्शन जून तिमाही के लिए एनएसओ के शुरुआती अनुमानों से कमतर रह सकता है।

# एक दिवसीय क्रिकेट की प्रासंगिकता पर बहस के बीच चैम्पियंस ट्रॉफी का आगाज

एजेंसी

दुबई /कराची। अनिश्चितता, नाटकीयता और पर्दे के पीछे की सरगर्मियां, आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी शुरू होने से पहले ही यह सब देखा जा चुका है और पाकिस्तान तथा न्यूजीलैंड के बीच कराची में उद्घाटन मैच के साथ ही अगले तीन सप्ताह तक चलने वाले टूर्नामेंट में रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिलेगी। विश्व कप के समान कठिन माने जाने वाले इस टूर्नामेंट में आठ टीमें खिताब के लिये जोर आजमाइश करेंगी और अपने क्रिकेट इतिहास का सुनहरा अध्याय लिखने की कोशिश में होंगी। भारतीय टीम के मैच दुबई में होंगे जबकि बाकी टीमें पाकिस्तान में खेलेंगी जहां 1996 विश्व कप के बाद पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा है। आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट के आयोजन में कई परेशानियां आई। वनडे क्रिकेट की प्रासंगिकता पर चल रही बहस के बीच इस टूर्नामेंट की अहमियत को स्थापित करना भी एक चुनौती थी। टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता और टेस्ट प्रारूप के लिये प्रतिबद्धता की जद्दोजहद में कहीं न कहीं इसके लिये जगह बनाना विकट था। शायद ही किसी क्रिकेट आयोजन में इतना भू राजनीतिक तनाव, दो अहम प्रतिभागियों के दो प्रशासनिक बोर्ड की जिद और मेजबान स्टेडियमों की तैयारियों को लेकर आशंकायें देखने को मिली हों। इससे नब्बे के दशक की यादें ताजा हो गई जब उपमहाद्वीप में क्रिकेट का आयोजन आनन फानन में की गई किसी पार्टी की तरह लगता था। लेकिन एक बार जब पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के कप्तान पहले मैच के टॉस के लिये उतरेंगे तो मैदान से बाहर की ये सारी बातें हाशिये पर चली जायेंगी। पाकिस्तान ने पिछली बार 2017 में खिताब जीता था। पहले मैच में पाकिस्तान की प्रतिभाशाली टीम न्यूजीलैंड से खेलेगी जबकि 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान का मुकाबला है जिसे हमेशा टूर्नामेंट का 'ब्लॉकबस्टर' माना जाता है। इसमें सरहद के आर पार जज्बात उमड़ेंगे, यादों की परतें खोली जायेंगी और सोशल मीडिया किसी अखाड़े से कम नहीं दिखेगा। टीम समीकरणों के अलावा खिलाड़ियों पर भी नजरें होंगी जिनमें पहला नाम रोहित शर्मा और विराट कोहली का है। आधुनिक क्रिकेट के दोनों दिग्गज अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं और जीत के साथ विदा लेना चाहेंगे। भारतीय वनडे टीम में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद रोहित और कोहली की जगह नहीं दिखती। यहां खराब खेलने पर टेस्ट क्रिकेट में भी उनके भविष्य पर असर पड़ सकता है। वहीं चैम्पियंस ट्रॉफी में नाकामी की गाज कोच गौतम गंभीर पर भी गिर सकती है। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन से गंभीर को क्षणिक राहत भले ही मिल गई हो लेकिन न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के हाथों हार को इतनी जल्दी भुलाया नहीं जा सकता। ऐसे में आईसीसी खिताब उनके लिये बड़ा सहारा बन सकता है। भारतीय टीम ने भी महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद कोई वनडे खिताब नहीं जीता है।

## जसपाल राणा मेरे कोच बने रहेंगे : मनु भाकर

नयी दिल्ली। दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने कहा कि जसपाल राणा उनके कोच बने रहेंगे जिन्हें भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पिस्टल निशानेबाजी का हाई परफार्मेंस ट्रेनर नियुक्त किया है। चार बार एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता राणा और मनु के बीच तोक्यो ओलंपिक से पहले मतभेद हो गए थे लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले दोनों फिर साथ आये। मनु ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा।

राणा के मार्गदर्शन में मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजादी के बाद पहली भारतीय खिलाड़ी बनी। उन्होंने दस मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम वर्ग में कांस्य पदक जीते। मनु ने सोमवार की रात वर्ष 2024 की बीबीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने के बाद कहा ,'' मैं इतना ही कहूंगी कि वह (राणा) मेरे कोच हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं।

# भारत के साथ निवेश प्रोत्साहन, संरक्षण समझौते पर वार्ता तेज करने के लिए कदम उठाने को तैयार: कतर

एजेंसी

नयी दिल्ली। कतर ने मंगलवार को कहा कि वह भारत के साथ नए द्विपक्षीय निवेश संवर्धन और संरक्षण समझौते के लिए बातचीत में तेजी लाने के लिए कदम उठाने को तैयार है। कतर के वाणिज्य और उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी ने कहा कि भारत उसका तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के व्यवसायों को निवेश और औद्योगिक सहयोग को और मजबूत करने के लिए सीमाओं को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के भारत कतर व्यापार मंच सम्मेलन में फैसल अल थानी ने कहा, ह्लहमने अपने निवेश तंत्र का आधुनिकीकरण किया है३ हम भारतीय निवेशकों और उद्यमियों को कतर की अर्थव्यवस्था की वास्तविक क्षमता का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं३ हम एक नए द्विपक्षीय निवेश संवर्धन और संरक्षण समझौते के लिए बातचीत को तेज करने की दिशा में कदम उठाने के लिए तैयार हैं। कतर के वाणिज्य मंत्री एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां आए हैं। वे कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ हैं, जो कल दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 के दौरान भारत को कतर से 1.5 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ। भारत और कतर में द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 18.77 अरब डॉलर से घटकर 2023-24 में 14 अरब डॉलर रह गया है। कतर द्वारा भारत को किए जाने वाले प्रमुख निर्यातों में एलएनजी, एलपीजी, रसायन और पेट्रोरसायन, प्लास्टिक और एल्युमीनियम उत्पाद शामिल हैं, जबकि भारत के प्रमुख निर्यातों में अनाज, तांबे के उत्पाद, लोहा और इस्पात उत्पाद, सब्जियां, फल, मसाले, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, इलेक्ट्रिकल और अन्य मशीनरी, प्लास्टिक उत्पाद, निर्माण सामग्री, वस्त्र और परिधान, रसायन, कीमती पत्थर और रबर शामिल हैं। कतर एलएनजी और एलपीजी का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। इसके अलावा, भारत कतर से एथिलीन, प्रोपलीन, अमोनिया, यूरिया और पॉलीइथिलीन भी आयात करता है। व्यापार संतुलन कतर के पक्ष में बना हुआ है। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हम दोनों देशों के बीच ऊर्जा व्यापार के प्रति झुकाव देखते आए हैं तथा अन्य उत्पादों के व्यापार को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, अब हम एक नए भविष्य की ओर देख रहे हैं, जहां हम ऊर्जा को अपने व्यापार का आधार बनाने से हटकर नए युग की प्रौद्योगिकियों की ओर बढ़ेंगे, चाहे वह कृत्रिम मेधा (एआई) हो, 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' (आईओटी) हो, क्वांटम कंप्यूटिंग हो या सेमीकंडक्टर हो।

# सोलिटैरियो लैब ग्रोन डायमंड्स ने आईपीओ से पहले वित्तपोषण में 36 लाख डॉलर जुटाए

एजेंसी

नयी दिल्ली। कृत्रिम हीरों के अग्रणी ब्रांड सोलिटैरियो लैब ग्रोन डायमंड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले वित्तपोषण चरण में 36 लाख डॉलर जुटाए हैं। मंगलवार को कंपनी ने एक बयान में कहा कि वित्तपोषण चरण में नीरज गुप्ता (मेरु कैब्स के संस्थापक), मॉरीशस स्थित एफपीआई इन्वेस्टी ग्लोबल, विको ग्रुप और सीमा मनीष नुवाल (सोलर इंडस्ट्रीज के प्रवर्तक) सहित कई उल्लेखनीय निवेशकों ने हिस्सा लिया, साथ ही अमित अग्रवाल, राजेश सिंगला, गरिमा थीती और संदीप सिंह सहित कई बहुत अमीर व्यक्ति (यूएचएनआई) भी शामिल हुए। आभूषण उद्योग के दिग्गज रिकी वासंदानी और बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित सोलिटैरियो टिकाऊ, पर्यावरण के प्रति जागरूक हीरे के आभूषणों का निर्माण करता है, जिसमें हार, अंगूठी, झुमके, कंगन और पेंडेंट शामिल हैं। विवेक ओबेरॉय ने कहा, नई जुटाई गई पूंजी का उपयोग सोलिटैरियो के खुदरा नेटवर्क को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैलाने, नए भौगोलिक बाजारों में प्रवेश करने, ब्रांडिंग और विपणन पहलों को बढ़ाने, अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को व्यापक बनाने और अपनी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। कंपनी की खुदरा उपस्थिति मजबूत है और 10 प्रमुख भारतीय शहरों में इसके 18 स्टोर हैं। कंपनी के दुबई, मलेशिया और स्पेन में 38 आउटलेट हैं। सोलिटैरियो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रिकी वासंदानी ने बयान में कहा, यह निवेश सुंदर, टिकाऊ आभूषण बनाने के हमारे दृष्टिकोण को मान्य करता है जो हमारे ग्रह के भविष्य से समझौता नहीं करता है। भारतीय रत्न एवं आभूषण बाजार के 2021 में 43 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 तक 91 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

# चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर बेंगलुरू में पहला एशिया-प्रशांत अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करेगा

एजेंसी

बैंकॉक। साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि वह बेंगलुरु में अपना पहला एशिया-प्रशांत अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है। चेक प्वाइंट के वार्षिक सीपीएक्स बैंकॉक-2025 सम्मेलन के दौरान इस विस्तार का अनावरण किया गया। यह विस्तार भारत के गतिशील प्रौद्योगिकी प्रतिभा पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाते हुए साइबर सुरक्षा नवाचार को आगे बढ़ाने में कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज की एशिया-प्रशांत एवं जापान की अध्यक्ष रूमा बालासुब्रमण्यन ने कहा, ह्लभारत एक वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति है, और बेंगलुरु में हमारा नया अनुसंधान एवं विकास केंद्र इस क्षेत्र से शीर्ष स्तरीय साइबर सुरक्षा प्रतिभाओं को आकर्षित करने की हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ह्लइस निवेश के साथ, हम न केवल अपने कदमों का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि अत्याधुनिक सुरक्षा नवाचारों की नींव भी रख रहे हैं, जिससे दुनिया भर के ग्राहकों को लाभ होगा। यह पहल वैश्विक साइबर सुरक्षा और डिजिटल नवाचार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में देश की भूमिका को भी मजबूत करती है। कंपनी के एक बयान के अनुसार, बेंगलुरु आरएंडडी केंद्र चेक प्वाइंट क्वांटम जैसी प्रमुख उत्पाद शृंखलाओं के विकास को आगे बढ़ाएगा, जो उद्यम स्तर की नेटवर्क सुरक्षा प्रदान करता है, और सिक्योर एक्सेस सर्विस एज (एसएएसई) पर विशेष जोर देता है। बयान में कहा गया है कि बेंगलुरु स्थित यह सुविधा, इजराइल के तेल अवीव स्थित चेक प्वाइंट के प्राथमिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र का पूरक होगी।

# सर्राफा बाजार में उछला सोना चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

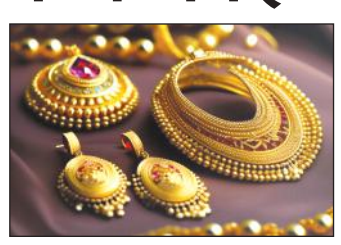

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने आज 520 रुपये से लेकर 570 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 86,630 रुपये से लेकर 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 79,410 रुपये से लेकर 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# निर्वाचित सरकार के संवैधानिक जनादेश को कमतर आंक रहे हैं राहुल : भाजपा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति संबंधी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों को मंगलवार को खारिज करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित' बताया और उन पर 'दुर्भावनापूर्ण' न्यायिक सक्रियता के जरिए निर्वाचित सरकार के संवैधानिक जनादेश को कमतर आंकने का आरोप लगाया।

भाजपा की यह प्रतिक्रिया गांधी के उस आरोप के मद्देनजर आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब चयन समिति की संरचना और प्रक्रिया को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई है और 48 घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है, तो ऐसे समय में सीईसी और निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति का निर्णय आधी रात को लेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के लिए गरिमा के प्रतिकूल है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि सरकार का यह कदम वर्ष 2023 में आए उच्चतम न्यायालय के आदेश की मूल भावना का घोर उल्लंघन है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में सोमवार शाम को आयोजित चयन समिति की बैठक के बाद ज्ञानेश कुमार को भारत के नए सीईसी के रूप में नियुक्त किया गया। इस समिति में गृह मंत्री और राहुल गांधी भी शामिल हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने अपना असहमित नोट 'एक्स' पर साझा किया जिसमें उन्होंने पैरवी की थी कि न्यायालय की सुनवाई तक इस बैठक को टाला जाना चाहिए। यह बैठक सोमवार शाम संपन्न हुई और फिर देर रात कुमार के चयन की अधिसूचना जारी की गई। भाजपा के सूचना और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार करते हुए कहा कि सीईसी की नियुक्ति पर राहुल गांधी की असहमति न केवल 'राजनीति से प्रेरित' है, बल्कि इसमें दम नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''यह दुर्भावनापूर्ण न्यायिक सक्रियता के माध्यम से चुनी हुई सरकार के संवैधानिक जनादेश को कमजोर करने का प्रयास है। इसके अतिरिक्त, यह सीईसी की नियुक्ति पर उच्चतम न्यायालय के फैसले की गलत व्याख्या करता है। मालवीय ने कहा कि मार्च 2023 में उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया था कि सीईसी और ईसी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं भारत के मुख्य न्यायाधीश की एक समिति की सलाह पर की जाएगी। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था तब तक लागू रहेगी जब तक संसद एक स्थायी तंत्र स्थापित करने वाला कानून नहीं बना देती। मालवीय ने कहा कि संविधान निर्माताओं की मूल मंशा का पता लगाने के लिए अदालत ने 1949 की संविधान सभा की बहस का विश्लेषण किया था और कहा था कि नियुक्ति प्रक्रिया संसद के विवेक पर छोड़ दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने फैसले से पहले सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केवल प्रधानमंत्री की सिफारिश पर की है। मालवीय ने कहा, ''इस प्रकार, वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और समावेशी है, जिसमें विपक्ष के नेता सहित कई हितधारक शामिल हैं। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि कम से कम पार्टी और विशेष रूप से गांधी परिवार को सीईसी की नियुक्ति पर उपदेश देने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए, क्योंकि उनके रिकॉर्ड में 'पद का दुरुपयोग करने, आसानी से वश में आने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति करने और बाद में पद छोड़ने के बाद उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कार के रूप में राजनीतिक नियुक्तियां करने का रिकॉर्ड है।

# सुरक्षित प्रवासन के लिए एक मंच पर आए दक्षिण एशिया के संगठन

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण एशिया के 39 मानवाधिकार एवं बाल अधिकार संगठनों ने सुरक्षित प्रवासन पर जोर देते हुए कहा है कि मानव तस्करी को रोकने के एक समग्र रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिससे पूरे क्षेत्र में प्रवासन नीतियों का समन्वय किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मानकों के अनुरूप कानूनी और नीतिगत सुधार किए जा सकें। इस संगोष्ठी का आयोजन कल देर शाम यहां एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन ने किया। इस एकदिवसीय संगोष्ठी में समग्र, अधिकार-आधारित रणनीति को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया और कहा गया कि पूरे क्षेत्र में प्रवासन नीतियों का समन्वय किया जाना चाहिए? और अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मानकों के अनुरूप कानूनी और नीतिगत सुधार होने चाहिए। मौजूदा समय में दुनिया भर में जारी असुरक्षित प्रवासन के संकट के मद्देनजर संगोष्ठी में नौ दक्षिण एशियाई देशों की सरकारों, नीति-निर्माताओं, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, संयुक्त राष्ट्र और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने सुरक्षित प्रवासन को प्रोत्साहन के लिए संगोष्ठी में शिरकत की। इसमें भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मानव तस्करी के पीड़ित भी मौजूद थे। संगोष्ठी में बाल अधिकारों और बाल संरक्षण के लिए दुनिया के 39 देशों में कार्यरत संगठनों का वैश्विक नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन इस परामर्श का सहयोगी रहा। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा कि जागरूकता एक महत्वपूर्ण पहलू है, जिस पर ध्यान देना जरूरी है। सबसे पहले पीड़ितों को यह समझना होगा कि उनका शोषण हो रहा है और उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि मानव तस्करी भारी मुनाफ़े वाला एक संगठित अपराध है, जो विशेष रूप से बच्चों और मजबूर युवाओं के शोषण के सहारे फल-फूल रहा है। इससे निपटने के लिए हमें बहु-आयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के डीसेंट वर्क टेक्निकल सपोर्ट टीम के दक्षिण एशिया विशेषज्ञ इंसाफ निजाम ने कहा कि अवैध प्रवासन को रोकने के लिए कार्यस्थल पर गरिमा और मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) की दीपिका नरुका ने बताया कि ट्रैफिकिंग इन पर्सन 2024 रिपोर्ट के अनुसार बंधुआ मजदूरी कराने के मकसद से मानव तस्करी में इजाफा हो रहा है, लेकिन इन मामलों में दोषसिद्धि नगण्य है। नेपाल के लुंबिनी प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री दिल्ली बहादुर चौधरी ने कहा कि सुरक्षित प्रवासन सुनिश्चित करने के लिए नागरिक समाज संगठनों, सरकार और निजी संस्थानों को एक साथ आना चाहिए।

# मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था को कर दिया बर्बाद : खरगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार की नीतियों को देश के आर्थिक विकास के दिए दिशाहीन तथा नीतिहीन करार देते हुए कहा है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है और देशवासियों का जीवन बर्बाद हो रहा है।

श्री खरगे ने कहा इससे अधिक विडंबनापूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि मोदी सरकार के वित्त मंत्री यह कहें कि हमारी अर्थव्यवस्था 'अच्छा रिटर्न' दे रही है। इस साल अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 45 लाख करोड़ रुपए का सफाया हो चुका है। निफ्टी 50 कंपनियों ने 5 वर्षों में सबसे खराब तिमाही लाभ वृद्धि दिखाई है। अक्टूबर से विदेशी निवेशकों ने 1.56 लाख करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जिसमें 2025 में लगभग एक लाख लाख करोड़ भी शामिल है जिसके कारण छोटे और मध्यम निवेशकों की संपत्ति खत्म हो गई है। उन्होंने कहा रुपया 87 पर, मतलब व्यापार घाटा आसमान छू रहा है। पिछले 05 वर्षों में आयात 62.21 प्रतिशत बढ़ गया है। मोदी सरकार की व्यापार नीति भारत के लिए विनाशकारी है। निर्यात वृद्धि यूपीए सरकार में 2004-14 में 549.36 मोदी 2014-24 -24.72 प्रतिशत अप्रैल-नवंबर 2024 तक ही। इस सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपयेका कॉर्पोरेट टैक्स राजस्व माफ कर दिया है, इस उम्मीद में कि वे नौकरियां पैदा करेंगे लेकिन कॉर्पोरेट करों में कटौती से लाभान्वित होने वाली 9 में से 8 कंपनियों ने नौकरियां कम कर दी हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने मोदी सरकार को दृष्टिहीन, दिशाहीन और नीतिहीन करार देते हुए कहा कि इस सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है जिसके कारण देशवासियों का जीवन बर्बाद हो गया है।

उन्होंने देश के समक्ष मौजूद स्थितियों का जिक्र करते हुए कहा ह्लभारत वैश्विक टैरिफ युद्ध का सामना कर रहा है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र डूब रहा है। मेक इन इंडिया और पीएलआई योजनाएं विफल हो गई हैं। युवा बेरोजगारी का कोई समाधान नहीं है। मूल्य वृद्धि बचत को खत्म कर रही है। खपत गिर रही है, बजट से राहत नहीं। ग्रामीण मजदूरी में शून्य वृद्धि देखी गई है। पिछले 10 वर्षों में रुपये का मूल्य 43 प्रतिशत गिर गया है। जबरन तेल-गैस खरीदने से हमारे आयात बिल पर बोझ पड़ेगा।

# सुप्रीम कोर्ट ने विवादित यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को दी अंतरिम राहत

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को ऑनलाइन शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के एक एपिसोड के दौरान उनके द्वारा की गई कथित अश्लील टिप्पणियों के बाद मुंबई समेत विभिन्न शहरों में दर्ज मुकदमों के मामले में मंगलवार को अंतरिम राहत देते हुए उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की याचिका पर मुंबई, गुवाहाटी और जयपुर में दर्ज कई मुकदमों में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया। पीठ ने यह भी निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता पर उसी यूट्यूब शो के मामले में कोई और प्राथमिकी दर्ज न की जाए। इसके अलावा उन्हें (याचिकाकर्ता) को धमकियों के मामले में पुलिस सुरक्षा मांगने की स्वतंत्रता दी। अदालत ने हालांकि जांच में सहयोग करने की उन पर शर्त लगाई। राहत की शर्तों के तहत उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है।

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इलाहाबादिया और उनके सहयोगियों को अगले आदेश तक कोई भी शो प्रसारित करने से बचना चाहिए। अदालत ने अंतरिम राहत तो उन्हें दी लेकिन उनकी की भाषा की कड़ी आलोचना की और इसे 'गंदी' और 'विकृत' बताया। न्यायमूर्ति कांत ने इलाहाबादिया के अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ से सवाल किया, 'क्या आप इस तरह की भाषा का बचाव कर रहे हैं? इस पर अधिवक्ता ने स्वीकार किया कि उन्हें ये टिप्पणियां 'घृणित' लगीं, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि मुद्दा यह है कि क्या वे आपराधिक अपराध की श्रेणी में आती हैं। उन्होंने अपूर्वा अरोड़ा के फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि केवल अपवित्रता अश्लीलता नहीं है। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति कांत हालांकि उनकी इस दलील से सहमत नहीं हुए और कहा, अगर यह अश्लीलता नहीं है, तो क्या है? क्या अपूर्वा अरोड़ा का फैसला कुछ भी कहने की छूट देता है? पीठ ने इलाहाबादिया के खिलाफ दर्ज कई मुकदमों पर भी चर्चा की। जब चंद्रचूड़ ने 'टी टी एंटनी' मामले का हवाला देते हुए तर्क दिया कि एक ही अपराध के लिए कई प्राथमिकी कानूनी रूप से अस्वीकार्य हैं, तो न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि शिकायतों की प्रकृति अलग-अलग है। इनमें एक विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणियों से संबंधित है। शीर्ष अदालत ने यूट्यूबर के बयानों पर गंभीर असहमति व्यक्त करते हुए कहा, ह्लउसके दिमाग में कुछ बहुत गंदा है, जो इस कार्यक्रम में उगल दिया गया है... वह अपने माता-पिता का अपमान कर रहा है। अदालतों को उसका पक्ष क्यों लेना चाहिए? अधिवक्ता चंद्रचूड़ ने पीठ को यह भी बताया कि इलाहाबादिया को जान से मारने की धमकियाँ मिल रही हैं, जिस पर न्यायमूर्ति कांत ने टिप्पणी की, ह्लयदि आप ऐसी टिप्पणियाँ करके सस्ता प्रचार चाहते हैं, तो अन्य लोग भी धमकियाँ देकर सस्ता प्रचार चाहते हैं। अदालत ने पुलिस स्टेशन में इलाहाबादिया के अधिवक्ता की मौजूदगी की आलोचना की और इसकी वैधता पर सवाल उठाते हुए कहा, सिर्फ़ इसलिए कि आप पैसे दे सकते हैं, अधिवक्ता ये सेवाएँ देना शुरू कर देंगे? यह कानूनी पेशे का अपमान है।

## आधी रात को चुनाव आयुक्त की नियुक्ति करना मोदी-शाह की असभ्यता : राहुल

**नयी दिल्ली।** लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आधी रात को नये मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कर सबको चौंकाया ही नहीं है बल्कि संवैधानिक कदम उठाकर असभ्य होने का भी परिचय दिया है । श्री गांधी ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सोमवार को हुई बैठक में अपनी असहमति यह कहते हुए व्यक्त की थी कि समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को हटाना गलत है और उनकी जगह गृहमंत्री अमित शाह को समिति में रखना अनुचित है। यह मामला न्यायालय में है और बुधवार को इस बारे में उच्चतम न्यायालय को फैसला देना है इसलिए इस मुद्दे को 19 फरवरी तक स्थगित किया जाना चाहिए लेकिन सरकार ने उनकी असहमति पर ध्यान दिए बिना आधी रात को नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी और इस कदम को सभ्य नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा अगले चुनाव आयुक्त का चयन करने के लिए समिति की बैठक के दौरान मैंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को एक असहमति नोट प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया है कि एक स्वतंत्र चुनाव आयोग का सबसे बुनियादी पहलू चुनाव आयुक्त और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने की प्रक्रिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करके और भारत के मुख्य न्यायाधीश को समिति से हटाकर सरकार ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर करोड़ों मतदाताओं की चिंता को बढ़ा दिया है। श्री गांधी ने लिखा नेता प्रतिपक्ष के रूप में यह मेरा कर्तव्य है कि मैं बाबा साहेब अम्बेडकर और हमारे देश के संस्थापक नेताओं के आदर्शों को कायम रखूं और सरकार को जिम्मेदार ठहराऊं। नयी सीईसी का चयन करने के लिए आधी रात को निर्णय लेना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए अपमानजनक और असभ्य दोनों है, जब समिति की संरचना और प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा रही है और अड़तालीस घंटे से भी कम समय में सुनवाई होनी है।

## सागर परिक्रमा का तीसरा चरण पूरा किया नौसेना की जांबाज अधिकारियों ने

नयी दिल्ली। समुद्र के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाने के अभियान पर निकली भारतीय नौसेना की दो जांबाज अधिकारियों ने अपनी नौका तारिणी में मंगलवार को शाम सवा पांच बजे पोर्ट स्टेनली में प्रवेश किया इसके साथ ही नाविका सागर परिक्रमा - दो का तीसरा और सबसे चुनौतीपूर्ण चरण पूरा हो गया। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि यह दुनिया भर में यात्रा करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस चरण के दौरान पोत ने तीन चक्रवातों का सामना किया, जबकि वह प्वाइंट निमो से गुज़र रहा था जिसे दुर्गमता का महासागरीय ध्रुव कहा जाता है। वे केप हॉर्न को पार करने से पहले ड्रेक पैसेज के खतरनाक पानी से भी गुज़रे। नाविका सागर परिक्रमा पहल भारतीय नौसेना की लैंगिक सशक्तिकरण और समुद्री उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। दो महिला अधिकारियों द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य समुद्री नौकायन, आत्मनिर्भरता और भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को बढ़ावा देना है। उनके अनुभव युवा आकांक्षियों के लिए प्रेरणा का काम करते हैं, जो समुद्री और रक्षा क्षेत्रों में महिलाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं। तारिणी ने गत दो अक्टूबर को गोवा से अपनी महत्वाकांक्षी यात्रा शुरू की, जो हिन्द , अटलांटिक और प्रशांत महासागरों में चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों को पार करते हुए आगे बढ़ी। पोर्ट स्टेनली में पोत का सुरक्षित आगमन भारत की बढ़ती समुद्री पहुंच और नौसेना कूटनीति के माध्यम से वैश्विक सद्भावना को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन है। पोर्ट स्टेनली में पड़ाव के बाद तारिणी भारत लौटने से पहले केप टाउन तक नौकायन करते हुए अपना अभियान जारी रखेगी। यह अभियान साहसिकता, लचीलेपन और वैश्विक समुद्री सहयोग को बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की भावना को मजबूत करता है।

## ऋषि सुनक ने परिवार के साथ संसद भवन का किया दौरा

**नई दिल्ली।** ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने मंगलवार को पत्नी अक्षता मूर्ति और बेटियों कृष्णा और अनुष्का के साथ संसद भवन का दौरा किया। राज्यसभा से सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति भी उनके साथ थीं। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने श्री सुनक और उनके परिवार का स्वागत किया। अपने दौरे के दौरान सुनक परिवार ने संसद भवन परिसर का दौरा किया और इसकी वास्तुकला की भव्यता की प्रशंसा की। उन्होंने गैलरी, चैंबर, संविधान हॉल और संविधान सदन जैसे प्रमुख स्थलों का दौरा किया। सुनक भारत यात्रा पर आये हैं और कुछ दिन पहले ही 15 फरवरी को उन्होंने परिवार के साथ ताजमहल का दीदार किया था। श्री सुनक का यह दौरा हाल के भारतीय कार्यक्रमों का हिस्सा है। गत शनिवार को श्री सुनक ने परिवार के सदस्यों के साथ ताजमहल का दौरा किया था।

# पेज एक का शेष

## देश को कठमुल्लापन...

करने में वह गोरखपुर, लखनऊ और तिहाड़ जेल में बंद रहे। अंग्रेजी थोप कर आखिर सरकार क्या संदेश देना चाहती है। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि लोगों पर अंग्रेजी थोपी नहीं जा रही है। यदि कोई दक्षिण भारतीय या फिर अमेरिका ब्रिटेन में बैठा व्यक्ति सदन की कार्यवाही को सुनना चाहे तो वह अंग्रेजी में सुन सकता है। सरकार उत्तर प्रदेश विधानसभा का विस्तार कर रहे है ताकि यहां होने वाली चर्चा को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जा सके।

## विपक्ष के हंगामे के...

पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को विधानसभा के मुख्य द्वार पर गार्ड आफ आनर दिया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विधान परिषद के सभापति उन्हें लेकर सदन में आए।

## महाकुंभ में ...

पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। उन्होंने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है। वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। उनका यह आंकलन बीते 11 फरवरी को ही सच साबित हो गया था। वहीं शुक्रवार (14 फरवरी) को यह संख्या 50 करोड़ के ऊपर पहुंच गई और अब इसने 55 करोड़ का नया शिखर छू लिया है। अभी महाकुम्भ के समापन में नौ दिन शेष हैं और एक महत्वपूर्ण स्नान पर्व शेष है। पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की यह संख्या 60 करोड़ के ऊपर जा सकती है।

## घरेलू हिंसा अधिनियम:...

रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। केंद्र शासित प्रदेशों दादरा एवं नगर हवेली और दमन व दीव, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख तथा लक्षद्वीप ने भी स्थिति रिपोर्ट दाखिल नहीं की। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, 5,000 रुपये का भुगतान करें और रिपोर्ट दाखिल करें। यदि आप रिपोर्ट दाखिल नहीं करते हैं, तो अगली बार जुर्माना दोगुना हो जाएगा। पीठ ने मामले को 25 मार्च के लिए सूचीबद्ध कर दिया। शीर्ष अदालत ने दो दिसंबर 2024 के आदेश में कहा था कि घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 के कार्यान्वयन के संबंध में स्थिति रिपोर्ट दाखिल की जाए। इससे पहले 17 जनवरी को शीर्ष अदालत ने स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का समय 14 फरवरी तक बढ़ा दिया था।

## प्लेटफॉर्म बदलने ...

को क्लियर करवाने का प्रयास किया जा रहा था उसी दौरान समय करीब 20:45 बजे उद्घोषणा हुई कि प्रयागराज को जाने वाली कुम्भ स्पेशल प्लेटफॉर्म 12 से जाएगी लेकिन उसके कुछ समय बाद स्टेशन पर दोबारा उद्घोषणा की गई कि कुम्भ स्पेशल प्लेटफॉर्म 16 से जाएगी जिसके चलते यात्रिओं में भगदड़ की स्थिति उत्पन हो गयी जबकि उस समय प्लेटफॉर्म 14 पर गाड़ी संख्या 20802 मगध एक्सप्रेस व प्लेटफॉर्म 15 पर गाड़ी संख्या 12445 उत्तर सम्पर्क क्रांति खड़ी थी तथा गाड़ी संख्या 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्रियों की भी भीड़ प्लेटफॉर्म 14 पर मौजूद होने के कारण यात्रियों का आवागमन रुक गया था। उक्त उद्घोषणा सुनने के बाद यात्री प्लेटफॉर्म - 12-13 एवं 14-15 से सीढियों के रास्ते फुटओवर ब्रिज 2 और 3 पर चढ़ने का प्रयास करने लगे तथा गाड़ी संख्या 20802 मगध एक्सप्रेस, 12445 उत्तर सम्पर्क क्रांति तथा 12418 प्रयागराज एक्सप्रेस के यात्री जो सीढियों से नीचे उतर रहे थे इन सबके बीच धक्का-मुक्की के दौरान कुछ यात्री सीढियों पर फिसल कर गिरकर घायल हो गये जिनके ऊपर से अन्य यात्री गुजरने लगे। उक्त सूचना से सेक्टर इंचार्ज सहायक उपनिरीक्षक धनेश्वर द्वारा सीसीटीवी के माध्यम से समय 20.48 बजे ऑन ड्यूटी स्टेशन अधीक्षक नई दिल्ली को अवगत कराया तथा आरपीएफ स्टाफ एवं कुलियों की मदद से एम्बुलेंस एवं पीसीआर दिल्ली पुलिस के माध्यम से घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों (राम मनोहर लोहिया अस्पताल, लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल और लेडी हार्डिंग अस्पताल) भिजवाया गया। इसी दौरान मन निरीक्षक नई दिल्ली द्वारा सहायक सुरक्षा आयुक्त (नई दिल्ली) के निर्देश पर अजमेरी गेट साइड पहुँच कर सभी एंट्री गेट को बंद करवाया गया तथा स्थिति ठीक होने तक उन्हें ऐसे ही रखा गया। उक्त कार्यवाही के सम्बन्ध में मौके से ही उच्च अधिकारियो को अवगत करवाया गया। इस दौरान स्टेशन एरिया में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति सही नही होने की वजह से इस सम्बन्ध में सभी संदेशो का आदान प्रदान सीसीटीवी एवं रोजनामचा स्टाफ के माध्यम से करवाया गया और मण्डल सुरक्षा नियन्त्रण कक्ष को भी घटना के सम्बन्ध में सीसीटीवी स्टाफ द्वारा अवगत करवाया गया। अधोहस्ताक्षरी के द्वारा उपरोक्त के सम्बन्ध में राजकीय रेल पुलिस थाना नई दिल्ली के प्रभारी को सूचना दी गई। घटना की सूचना पाकर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, महानिदेशक रेलवे सुरक्षा बल, महानिरीक्षक रेलवे बोर्ड, प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त उतर रेलवे, उप महानिरीक्षक (प्रोजेक्ट), वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त दिल्ली, रेलवे तथा जीआरपी एवं दिल्ली पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुचे। अधिकारियों द्वारा घटना स्थल का मौका मुआयना किया गया। मौके से ही उप निरीक्षक कुलदीप को स्टाफ के साथ उपरोक्त सभी अस्पतालों में भेजा गया जहाँ से यह सूचना प्राप्त हुई कि उपरोक्त तीनों अस्पतालों में कुल 30 घायल यात्री भेजे गये थे जिनमे से 20 यात्रियों की मृत्यु हो गई तथा 10 यात्री घायल हो गए जिनका उपचार किया गया। मौके पर 18 एम्बुलेन्स, 18 पीसीआर तथा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां एवं आपदा प्रबंधन की टीमें भी पहुंचीं। रेलवे द्वारा मृतक और घायल यात्रियों के लिए मुआवजे का ऐलान किया गया है तथा अस्पतालों में ही मृतकों व घायलों के परिजनों को मुआवजे का भुगतान किया गया। रेल प्रशासन द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को साथ मृतक व्यक्तियों के घर बिहार भिजवाया गया है बाकि मृतकों के सम्बन्ध में कार्यवाही की गई। मृतकों का पोस्ट मार्टम सम्बंधित पुलिस द्वारा कराया गया।

## जन्म या मृत्यु तिथि...

न्यायिक मजिस्ट्रेट का संबंध केवल जन्म या मृत्यु के सत्यापन से है। उपधारा (3) के अनुसार मजिस्ट्रेट को जन्म या मृत्यु की तिथि का सत्यापन करने या मृत्यु या जन्म की सटीक तिथि पर विवाद की स्थिति में जांच करने का अधिकार नहीं है। सत्यापन केवल जन्म या मृत्यु के तथ्य की सत्यता से संबंधित होना चाहिए। मजिस्ट्रेट को इस बात से संतुष्ट होना होगा कि जन्म या मृत्यु वास्तव में हुई थी। तिथि के सम्बंध में विवाद की स्थिति में मृत्यु या जन्म की सटीक तिथि तय करना धारा 13(3) के दायरे से बाहर है। धारा 8 में उल्लिखित है कि कोई भी व्यक्ति जन्म या मृत्यु के पंजीकरण के लिए जानकारी देने के लिए बाध्य है, वह उनके ज्ञान या यहां तक कि विश्वास पर आधारित हो सकती है। यदि सत्यापन के बाद मजिस्ट्रेट इस बात से संतुष्ट नहीं है कि जन्म या मृत्यु वास्तव में हुई थी, तो उसे पंजीकरण का आदेश जारी करने से इनकार कर देना चाहिए। और यदि वह इस बात से संतुष्ट है कि जन्म या मृत्यु हुई थी तो उसे पंजीकरण का आदेश देना होगा। उसे जन्म या मृत्यु की सही तारीख से कोई सरोकार नहीं है। उसे आवेदक की आवश्यकता के अनुसार पंजीकरण करना होगा और यदि कोई पीड़ित पक्ष है तो उसे सिविल फोरम या किसी अन्य उचित फोरम में उपचार लेने के लिए छोड़ देना होगा। याची का कहना है कि उसके पिता लटूरी सिंह की 12 जनवरी 1987 को मृत्यु हो गई थी। आवश्यकता होने पर उसने 18 अक्टूबर 2023 को अपने दिवंगत पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए एटा के एसडीएम सदर को प्रार्थना पत्र दिया। एसडीएम ने बीडीओ शीतलपुर को एक सप्ताह में जांच कर सुस्पष्ट आख्या उपलब्ध कराने के आदेश दिए। बीडीओ ने वीडीओ जिरसिमी से आख्या प्राप्त की। वीडीओ ने मृत्यु दिनांक स्पष्ट न होने के कारण प्रमाण पत्र निर्गत करने से इनकार कर दिया। बीडीओ ने यह आख्या एसडीएम सदर को भेज दी। दोनों पक्षों की दलील एवं साक्ष्यों को देखने के बाद एसडीएम ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना न्यायोचित न पाते हुए याची का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया। जबकि याची ने साक्ष्य के रूप में ग्राम प्रधान द्वारा जारी मृत्यु प्रमाण पत्र और पिता की मृत्यु के बाद वारिस के रूप में खतौनी की प्रवृष्टि प्रस्तुत की थी। याची ने याचिका दाखिल कर एसडीएम सदर के आदेश को चुनौती दी थी।

## बनी रणनीतिक ...

गया, जिसमें दोनों देशों के शीर्ष उद्योगपतियों, कंपनियों और संस्थानों ने बहुत ही उपयोगी बातचीत की। श्री चटर्जी ने कहा कि भारत और कतर ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत जीवंत साझीदारी साझा करते हैं। कतर भारत के लिए ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है। दोनों नेताओं ने आज कहा कि फरवरी 2024 में, कतर एनर्जी और पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड ने 2028 से शुरू होने वाले 20 वर्षों के लिए कतर से भारत में प्रति वर्ष 7.5 मिलियन मीट्रिक टन एलएनजी की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने आपसी निवेश की खोज सहित ऊर्जा साझीदारी को और मजबूत और व्यापक बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत और कतर के बीच गहरे, मैत्रीपूर्ण संबंध ऐतिहासिक व्यापार और लोगों से लोगों के संबंधों पर आधारित हैं। प्रधानमंत्री ने कतर के अमीर को कतर में रह रहे विशाल भारतीय समुदाय के लिए उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी अवधि के दौरान दिये सहयोग के लिए। श्री चटर्जी ने एक सवाल के जवाब में कहा, ह्लहम इस समय भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। जहां तक कतर का सवाल है, दोनों पक्ष भविष्य में एक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की संभावना तलाश रहे हैं और आज हुई चर्चाओं में इस विषय पर भी बातचीत हुई है। जहां तक रणनीतिक साझीदारी समझौते का सवाल है, यह वास्तव में द्विपक्षीय संबंधों की वर्तमान स्थिति को रणनीतिक स्तर तक बढ़ा देता है। हम जो देख रहे हैं वह व्यापार, ऊर्जा, निवेश, सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करना है। वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा से जुड़े एक सवाल के जवाब में श्री चटर्जी ने कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बात की, स्वाभाविक रूप से पश्चिम एशिया की स्थिति और वहां की उभरती स्थिति पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने इज़रायल-हमास मुद्दे पर अपने आपसी रुख से अवगत कराया और दोनों नेताओं ने एक दूसरे के रुख को समझा और उसकी सराहना की। कतर की जेलों में कैद भारतीयों की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर श्री चटर्जी ने कहा, ह्लहमारे कुछ लोग जेल में हैं, इस समय उनकी संख्या लगभग 600 है। समय-समय पर कतरी नेतृत्व ने उनको क्षमादान देते हुए और उन्हें उनकी शर्तों से रिहा किया है। 2024 में लगभग 85 भारतीयों को क्षमादान मिला है। इसके अलावा हमारे पास कैदियों की सजा के हस्तांतरण का समझौता है जिस पर अभी भी कतरी पक्ष द्वारा अनुमोदन का इंतजार है। भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों की रिहाई के बारे में श्री चटर्जी ने कहा, पूर्व नौसेना अधिकारी के बारे में जो अभी भी कतर जेल में है, मैं यह बताना चाहूंगा कि उनका मामला अभी भी कतर की स्थानीय अदालतों में विचाराधीन है। प्रधानमंत्री ने कतर के अमीर और उनकी सरकार द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण में किए जा रहे कामों की सराहना की है।

# महाकुम्भ : विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी : जीयर स्वामी

- हर दिन नया कीर्तिमान रच रहा महाकुम्भ, लोहा मान रही दुनिया
- विश्व कल्याण की कामना के साथ सनातन धर्म के वैभव की झलक
- वसुधैव कुटुम्बकम् का बोध करा रहा दुनिया के बड़े देशों में शुमार महाकुम्भ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महाकुम्भनगर। सनातन संस्कृति और त्रिवेणी संगम की महिमा किस तरह फैल रही है, महाकुम्भ में इसकी बानगी देख दुनिया हैरान है। पूरी दुनिया की निगाहें इस समय महाकुम्भ की ओर है और महाकुम्भ के जरिए विश्व में आध्यात्मिक राजधानी के रूप में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। महाकुम्भ 2025 ने ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो पूरी दुनिया में कभी नहीं बना। आस्था, परम्परा और भव्यता का प्रतीक महाकुम्भ हर दिन विश्व कीर्तिमान रच रहा है। संगत तीरे बसी सनातनी दुनिया इसकी गवाह है। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयाग की धरती न केवल भव्य-दिव्य महाकुम्भ के रूप में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का साक्षात्कार कर रही है, बल्कि संगम नगरी विश्व रिकार्ड्स की भी साक्षी बन रही है। यह अविश्वसनीय, अद्भुत व अकल्पनीय है। उन्होंने कहा कि यह दिव्य-भव्य धार्मिक, सांस्कृतिक समागम महाकुम्भ अब विश्व

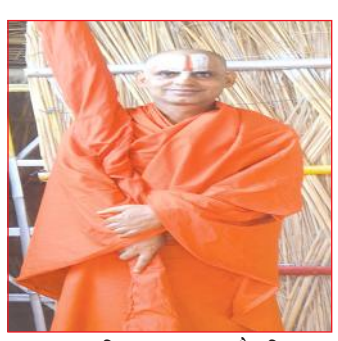

फलक पर इतिहास रच चुका है। विश्व का सबसे बड़ा महाकुम्भ देश-दुनिया को धर्म, संस्कृति, सेवा, संवेदना,सद्भावना और वसुधैव कुटुम्बकम् का बोध करा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बाद दुनिया के बड़े देशों में शुमार महाकुम्भ में विश्व कल्याण की कामना के साथ सनातन धर्म के वैभव की झलक दिख रही है। भारत की प्राचीन परंपरा का लोहा आज पूरी दुनिया मान रही है। महाकुम्भ की दिव्यता और भव्यता से पूरी दुनिया मंत्रमुग्ध है। मानव जाति के सबसे अधम इंसान से लेकर उत्तम इंसान सभी वहां मौजूद हैं। कल्पना कीजिए कि एक ऐसा विशाल समागम हो जिसमें दुनिया भर से लाखों लोग एक ही धर्म से जुड़े हों, आध्यात्मिक पुनर्जन्म की तलाश में हों और अपने पापों का शुद्धिकरण कर रहे हों। यह कोई सपना नहीं है। यह महाकुम्भ की वास्तविकता है। यह हिन्दू धर्म के सबसे बड़े और विस्मयकारी धार्मिक समागम है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में आंतरिक विज्ञान को जितनी गहराई से समझा गया है ऐसी समझ पृथ्वी पर किसी दूसरी संस्कृति में नहीं मिलती। यही करण है कि इस देश को हमेशा से ही विश्व की 'आध्यात्मिक राजधानी' रूप में भी जाना जाता रहा है। श्री जीयर स्वामी ने कहा कि सनातन धर्म की विराटता का प्रतीक महाकुम्भ का दिव्य एवं भव्य स्वरूप भारत की लोक आस्था का 'अमृतकाल' है। जैसे-जैसे महाकुम्भ अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे यह नया इतिहास रच रहा है और संपूर्ण विश्व को भारतीय संस्कृति की अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति से परिचित करा रहा है। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ के सेक्टर-8 स्थित शिविर में विश्व कल्याण के लिए 27 लाख दीप प्रज्वलित किए गए, 12500 शंखों की ध्वनि गूंजी, 500 बालकों का जनेऊ संस्कार संपन्न हुआ और 1260 कुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। साथ ही 105 कन्याओं का विवाह संपन्न हुआ, श्रीरामानुजाचार्य का 10 लाख कलशों से जलाभिषेक किया गया, 70 महात्माओं को बैकुंठेश्वर के साथ 11,000 कंबल वितरित किए गए और भोजन व जलपान का वितरण किया गया।

## महाकुम्भ का अंतिम स्नान 26 फरवरी को

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ अब समापन की ओर बढ़ रहा है। तीन अमृत और दो विशेष पर्व स्नान हो चुके हैं। सभी अखाड़े लौट चुके हैं। महाकुम्भ 26 फरवरी महाशिवरात्रि स्नान के साथ संपन्न हो जाएगा। महाकुम्भ के अंतिम स्नान से पूर्व प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। लेकिन अब साधु-संतों के साथ ही ?श्रद्धालुओं को अगले कुम्भ की प्रतीक्षा है। आम श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि अगला कुम्भ कहां होगा? 2027 में लगेगा अर्ध कुम्भ : अगला कुम्भ धर्मनगरी हरिद्वार में लगने वाला है। हालांकि ये कुम्भ अर्द्धकुम्भ होगा। जो 2027 में आयोजित होगा। प्रयागराज महाकुम्भ 2025 की चर्चा देश-दुनिया में चारों तरफ है। पहली बार 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम नगर प्रयागराज पहुंचकर महाकुम्भ का पुण्य लाभ लिया है। प्रयागराज महाकुम्भ मेले की व्यवस्थाओं को देखकर उत्तराखंड सरकार ने भी हरिद्वार में होने वाले 2027 के अर्द्धकुम्भ को लेकर कमर कस ली है। 6 साल बाद लगने वाले इस अर्ध कुम्भ में भी करोड़ों की तादाद में श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। बता दें, वर्ष 2021 में कोरोना महामारी की वजह से हरिद्वार कुम्भ का आयोजन केवल परंपराओं तक सीमित रहा। क्या होता है कुम्भ और अर्धकुम्भ में अंतर : धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले कुम्भ मेले का आयोजन 12 साल में हर 3 साल के अंतराल पर प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में क्रमशः होता है। हरिद्वार में गंगा के तट पर, उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर, नासिक में गोदावरी नदी के तट पर और प्रयागरात में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर कुंभ मेले का अयोजन होता है। जब सूर्य मेष राशि में और बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं तब हरिद्वार में कुम्भ का आयोजन होता है। । हालांकि कुम्भ मेला और अर्ध कुम्भ मेला दोनों ही का स्वरूप बेहद अलग होता है। साधु संतों की पेशवाई, श्रद्धालुओं की भीड़, कुंभ में सबसे अधिक होती है। जबकि 6 साल में लगने वाले अर्ध कुम्भ मेले में वह भव्यता भले ही ना हो। लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ अर्ध कुम्भ मेले में भी अत्यधिक पहुंचती है. ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार या उत्तराखंड सरकार इस अर्धकुम्भ मेले को करवाने के लिए सालों पहले तैयारी शुरू कर देती है।

# दिल्ली/बिहार/उत्तराखण्ड/पंजाब

## संक्षिप्त समाचार

### हाथ टूटने पर डॉक्टर ने लगाया गर्दन में इंजेक्शन, 12 साल के बच्चे की हुई मौत

- आक्रोशित लोगों ने डॉक्टर के दो कंपाउंडर को बनाया बंधक, जांच में जुटी पुलिस

**पूर्वी चंपारण।** जिला मुख्यालय मोतिहारी में एक डॉक्टर की लापरवाही से 12 साल के बच्चे की जान चली गयी। बच्चा घर का इकलौता चिराग था। जिसकी मौत होने के बाद परिजनो में कोहराम मचा है। सबका रो-रोकर हाल बुरा है। परिजन आरोपी डॉक्टर और कंपाउंडर पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मृत 12 वर्षीय बच्चे की पहचान पटेरवा निवासी बुलेट महतो के पुत्र प्रिंस के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि बीते दिनो प्रिंस का हाथ टूट गया था। जिसका आपरेशन डॉ राजेश्वर के यहां कराया गया था,लेकिन उसमे दर्द होने की शिकायत पर मोतिहारी के मिशन चौक स्थित डॉक्टर राजेश्वर कुमार के क्लिनिक में दुबारा आये थे। लेकिन यहां डॉक्टर ने टूटे हाथ का ऑपरेशन करने के बजाय बच्चे के गर्दन में इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के कुछ देर बाद ही बच्चे की हालत बिगड़ने लगी, और कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना पर डॉक्टर के क्लीनिक में पहुंचे परिजन व अन्य आक्रोशित लोगों ने डॉक्टर के दो कंपाउंडर को बंधक बना लिया और शव को लेकर मुफ्फसिल थाना पहुंच कर अपनी व्यथा पुलिस बताया। मृतक की दादी पुनकली देवी ने बताया कि 12 साल का प्रिंस हमारा इकलौता पोता था। घर का वो इकलौता चिराग भी था। उनका पोता बिल्कुल ठीक था। एक बार डॉक्टर राजेश्वर कुमार ने ही उसके हाथ का ऑपरेशन किया था लेकिन हाथ में दर्द रहने के कारण उसे दोबारा ऑपरेशन करने के लिए डॉक्टर राजेश्वर ने बुलाया था। लेकिन इससे पहले बच्चे के गर्दन में इंजेक्शन दिया गया जिसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गयी। डॉ. राजेश्वर क्लिनिक के कंपाउंडर रामजी प्रसाद का कहना है कि बच्चे को इंजेक्शन दिया गया था लेकिन इंजेक्शन के बाद बच्चे को उल्टी होने लगी और कुछ देर बाद मौत हो गयी। कंपाउंडर ने बताया कि डॉक्टर राजेश्वर कुमार के यहां हम लोग काम करते हैं और उन्हीं के आदेश पर हमने बच्चों को इंजेक्शन दिया था। बच्चे की मौत के बाद परिजनों ने हम लोगों को बंधक बना लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

### फरीदकोट : ट्रक से टकराकर बस नाले में गिरी, पांच की मौत व 21 घायल

**चंडीगढ़।** पंजाब के फरीदकोट जिले में ट्रक से टकराने के बाद एक बस बरसाती नाले में गिर गई। इस दुर्घटना में पांच यात्रियों की मौत हो गई और 21 अन्य यात्री घायल हुए हैं। घायलों में दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें अमृतसर के लिए रैफर किया गया है।अन्य घायलों का फरीदकोट में इलाज चल रहा है। बताया गया कि मंगलवार की सुबह न्यू दीप ट्रांसपोर्ट कंपनी की बस फरीदकोट से अमृतसर से जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस सवारियों से भरी थी। हलका कोहरा व स्पीड होने के कारण बस सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई और अनियंत्रित होकर बस पुल की रेलिंग को तोड़ कर नाले में जा गिरी। बस के गिरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया और अपने स्तर पर राहत कार्य शुरू किए। घटना में पांच लोगों की मौत हो गई और 21 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला उपायुक्त विनीत कुमार और एसएसपी प्रज्ञा जैन मौके पर पहुंचे। एसएसपी प्रज्ञा जैन ने बताया कि हादसे की वजह अभी तक साफ नहीं है। पुल का काम अंडर कंस्ट्रक्शन था। हमारी पहली कोशिश लोगों की जान बचाने की है। इसी बीच 21 घायलों की सूची जारी कर दी गई है, जबकि मृतकों की शिनाख्त खबर लिखने तक नहीं हो सकी थी।

### जमुई हिंसा मामले में खुशबु पाण्डेय को न्यायिक हिरासत में भेजा गया जेल

**पटना।** बिहार के जमुई जिले में दो पक्षों के बीच हुए हिंसक झड़प के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने भड़काऊ भाषण देने के मामले में हिंदू शेरनी के नाम से चर्चित खुशबू पांडेय को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेशी के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मलयपुर निवासी खुशबू पांडेय पर झाझा थाना क्षेत्र के बलियाडीह गांव में हुए हिंसक झड़प के दौरान भड़काऊ भाषण देने और आपत्तिजनक नारेबाजी करने के साथ बिना पुलिस को सूचना दिए भीड़ इकट्ठा करने का आरोप है। पुलिस टीम ने गिरफ्तारी के बाद सदर अस्पताल में खुशबू पांडेय का मेडिकल जांच बीती देर रात कराया था। मेडिकल जांच के बाद आज कोर्ट में पेश किया गया, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। खुशबू पांडेय रविवार को हनुमान चालीसा का पाठ करने अपने दो दर्जन से अधिक सहयोगियों के साथ झाझा थाना क्षेत्र के बलियाडीह गांव गई थी। जहां पाठ करने के बाद लौटने के दौरान दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। इस दौरान दोनों तरफ से जमकर पत्थराव भी हुआ था। इस दौरान खुशबू पांडेय ने भड़काऊ भाषण दिया था और आपत्तिजनक नारे लगाए थे। इसके साथ ही धमकी भरा वीडियो भी वायरल किया था। मामले में एसआई नंदन राय ने सात लोगों के खिलाफ नामजद और 50 अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। एसपी मदन कुमार आनंद ने आज पत्रकारों से बातचीत में बताया कि दोषी दोनों पक्ष में से कोई भी हो बख्शे नहीं जाएंगे। दोषियों को सलाखों के पीछे जाना ही होगा।

### कृषि सहायकों के प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री गणेश जोशी से की मुलाकात

**देहरादून।** जनपद रुद्रप्रयाग में कार्यरत कृषि सहायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि कृषि सहायकों को पिछले आठ महीनों से मानदेय नहीं मिला है, जिससे वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री से मानदेय में वृद्धि करने और समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने कृषि सहायकों को उपनल कर्मचारियों की तरह वेतन, आकस्मिक मृत्यु पर जीवन बीमा योजना लागू करने, राज्य कर्मचारियों की तरह गोल्डन कार्ड सुविधा देने और सेवा में रहते हुए असमय निधन पर आश्रित को नौकरी देने की मांग की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार कृषि सहायकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करेगी और उनकी मांगों पर उचित निर्णय लिया जाएगा।

## विपक्ष के हंगामे के बीच राज्यपाल का अभिभाषण, गिनाई सरकार की उपलब्धियां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आज उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत राज्यपाल के अभिभाषण के साथ ही हुई। अभिभाषण का कांग्रेस विधायकों ने विरोध करने के साथ ही बहिष्कार किया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने विपक्ष के विधायकों के विरोध के बाद भी अभिभाषण जारी रखा। अभिभाषण में राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की कड़ी में उत्तराखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाने की लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में कई नए आयाम स्थापित किए गए है। राज्यपाल ने अभिभाषण में सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों गिनाई। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य है, जहां मातृ शक्ति के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार ने तीन नये

आपराधिक कानून एक जुलाई से 2024 से राज्य में लागू कर दिए है। उत्तराखंड में लोक और निजी संपत्ति क्षति वसूली अधिनियम 2024 लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि आपरेशन स्माइल अभियान के अंतर्गत गुमशुदा बच्चों को तलाशने और ऑप्रेशन मुक्ति अभियान के तहत भिक्षावृत्ति कर रहे बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश कराया जा रहा है और राज्य में साइबर अपराध से निपटने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल ने राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का अवसर दिए जाने और राष्ट्रीय खेल सकुशल संपन्न कराने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ का आभार व्यक्त किया। कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेल में उत्तराखंड ने 100 से अधिक पदक प्राप्त कर नया कीर्तिमान बनाया है। गत राष्ट्रीय खेलों में जहां उत्तराखंड 25वें स्थान पर था वहीं इस बार सात स्थानों में शामिल है। उन्होंने खिलाड़ी उन्नयन योजना और खेल उपकरणों के लिए दी जा रही राशि की भी चर्चा की। नियोजन विभाग की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नियोजन के युक्ति संगतीकरण के लिए उपलब्ध संसाधनों में नीति आयोगकी तर्ज पर स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर इंपावरिंग एंड ट्रांसफार्मिंग उत्तराखंड सेतु का गठन किया गया है।उन्होंने कहा कि सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी उत्तराखंडी सम्मेलन व प्रवासी सम्मेलन का आयोजन कर उपलब्धि हासिल की है। राज्यपाल ने कहा कि आयुष विभाग ने 2024 में विश्व आयुर्वेद कांग्रेस व अंतर्राष्ट्रीय एक्सपो का आयोजन स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास रहे हैं। उन्होंने कार्मिक एवं सतर्कता विभाग द्वारा उत्तराखंड राज्य आंदोलन के चिन्हित आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में आरक्षण दिए जाने की चर्चा की। कहा कि समाज कल्याण विभाग दक्ष दिव्यांग कर्मचारियों को सम्मानित कर रहा है। राज्यपाल ने पर्यटन विभाग की ओर से टिहरी में पहली बार आयोजित टिहरी एक्रो फ़ेस्टिवल की चर्चा की। उन्होंने कहा कि इसमे 26 देशों के 54 विदेशी व 120 देशी पैरागलाइडिंग प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कौशाल विकास एवं सेवायोजन द्वारा सहसपुर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान को स्किल हब बनाने की भी चर्चा की। उन्होंने परिवहन विभाग, नागरिक उड्डयन, लोक निर्माण, आपदा प्रबंधन, राजस्व विभाग समेत सभी विभागों की उपलब्धियां प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरकार के विकास कार्यों का दूरगामी प्रभाव विकास पर पड़ेगा।

## बिहार के बक्सर-मुजफ्फरपुर में महाकुंभ से लौट रहे तीन श्रद्धालुओं की दुर्घटना में मौत

पटना। बिहार में बक्सर और मुजफ्फरपुर जिले में हुई सड़क दुर्घटना में आज तीन लोगों की मौत हो गई। पहली घटना बक्सर जिले के चौसा गोला की है,जहां सुबह तेज रफ्तार बोलेरो ने अल्टो कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में अल्टो कार सवार एक की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए हैं। अल्टो कार सवार सभी लोग महाकुंभ से स्नान कर वापस घर लौट रहे थे। उसी दौरान यह हादसा हुआ है। हादसे के बाद बोलेरो में सवार लोग मौके से फरार हो गए। हादसे की सूचना पर डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस की टीम ने सभी को चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया। इस घटना में मृतक की पहचान छपरा के रहने वाले धीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है।

## मौसम ने ली करवट, राजधानी में अगले दो दिनों तक हल्की बारिश के आसार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते तापमान के बीच मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के चलते राजधानी समेत राजस्थान और हरियाणा में अगले दो दिनों तक बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट होने की संभावना है। मंगलवार को मौसम विभाग ने बताया कि अगले दो घंटे में दिल्ली के कुछ स्थानों (रोहिणी, बादिली, पीतमपुरा, मुंडाका, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, राजौरी गार्डन, बुद्ध जयंती पार्क, जाफरपुर, नजफगढ़, द्वारका, दिल्ली कैंट, पालम, वसंत विहार, वसंत कुंज), एनसीआर (बहादुरगढ़, गुरुग्राम, मानेसर) सोहाना, रेवाड़ी, पलवल, बावल, नूंह, औरंगाबाद, होडल (हरियाणा) जट्टारी, खैर, नंदगांव में हल्की बारिश/बूंदा बांदी होने की संभावना है। इसके साथ अगले 2 घंटों के दौरान इगलास, बरसाना, राया, हाथरस, मथुरा, सादाबाद, आगरा, जजऊ (यूपी) भिवाड़ी, तिजारा, खैरथल, नगर, डीग, नदबई, भरतपुर, बयाना, धौलपुर (राजस्थान) में भी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार राजधानी में 18 फरवरी को हल्के बादल छाए रह सकते हैं और सुबह हल्का कोहरा भी रह सकता है। 19 और 20 फरवरी को दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है जिसकी वजह से मौसम में ठंडक बढ़ सकती है। साथ ही 20-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, आईएमडी ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों में भी इस हफ्ते बारिश और बर्फबारी की संभावना जतायी है।

## गुरदासपुर में पुलिस कर्मी के घर पर धमाका, बब्बर खालसा ने ली जिम्मेदारी

- कांग्रेसी सांसद ने घटनास्थल की तस्वीरें की वायरल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के सीमावर्ती जिला गुरदासपुर में बीती रात आतंकियों ने एक पुलिस कर्मी के घर को निशाना बनाकर धमाका किया है। पुलिस इस मामले में अधिकारित तौर पर कुछ नहीं बोल रही है लेकिन आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने एक पोस्ट डालकर धमाके की जिम्मेदारी ली है। पंजाब में पुलिस थानों पर हो रहे हमलों व धमाकों की श्रृंखला में यह 12वां धमाका

है। गुरदासपुर से कांग्रेसी सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने मंगलवार सुबह घटनास्थल का दौरा करके तस्वीरें भी वायरल कर दी हैं। जानकारी के अनुसार गुरदासपुर जिले के अंतर्गत आते डेराबाबा नानक विधानसभा हलके के गांव रायमल्ल में बीती रात जोरदार धमाका हुआ। यह धमाका पुलिस कर्मी जतिंद्र सिंह के चाचा के घर पर हुआ। अपुष्ट सूत्रों के अनुसार बीती रात जतिंद्र सिंह को यहां आना था। गली से किसी ने ग्रेनेडनुमा कोई वस्तु फेंकी जो खिड़की तोड़ते हुए घर के भीतर गिरी और जोरदार धमाका हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गुरदासपुर के एसएसपी सुहेल कासिम मीर मौके पर पहुंचे और एफएसएल की टीमों ने वहां से सैंपल भरे। एसएसपी के अनुसार यह लो इंटेंसिटी धमाका था। जिसकी जांच की जा रही है। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस अभी मामले की जांच कर ही रही थी कि बब्बर खालसा के आतंकी हैप्पी पासियां ने पोस्ट डालकर इसकी जिम्मेदारी ली। हैप्पी पासियां के अनुसार यह धमाका शेरा मान की मदद से अंजाम दिया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि आज जो घटना गांव रायमल में जतिंदर पुलिस वाले के घर ग्रेनेड हमला हुआ है, उसकी जिम्मेदारी मैं, हैप्पी पासियां और भाई शेरा मान लेता है।

## मैट्रिक की परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में 5 वीडियोग्राफर पकड़े गए

कैनविज टाइम्स संवाददाता

फारबिसगंज/अररिया। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक परीक्षा( मैट्रिक परीक्षा) के पहले दिन ही दूसरी पाली में प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में 5 वीडियोग्राफर पकड़े गए है। बताया जा रहा है की परीक्षा की निगरानी के लिए तैनात पांच वीडियोग्राफरों को प्रश्नपत्र लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। दंडाधिकारी ने जब इनकी गतिविधियों पर शक किया, तो उन्होंने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि ये ये वीडियोग्राफर परीक्षा के दौरान प्रश्नपत्र की तस्वीरें खींचकर मोबाइल के जरिए दूसरे परीक्षा केंद्रों पर भेज रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी वीडियोग्राफरों के रिश्तेदार उसी परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे थे। इससे आशंका जताई जा रही है कि ये वीडियोग्राफर अपने रिश्तेदारों को परीक्षा में मदद पहुंचाने के लिए प्रश्नपत्र लीक

कर रहे थे। बोर्ड के द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और वीडियोग्राफी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए थे और वही, कहां गया था की जिन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे थे, वहां वीडियोग्राफी की व्यवस्था किया गया था। आदेश था की इन वीडियोग्राफरों को परीक्षा की वीडियो रिकॉर्डिंग करके जिला प्रशासन के कंट्रोल रूम में भेजने की । लेकिन इन वीडियोग्राफरों ने वीडियो फुटेज अपने मोबाइल में कॉपी करके कंट्रोल रूम के साथ-साथ दूसरे परीक्षा केंद्रों पर भी भेज रहे थे। इसके बाद उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरफ्तार वीडियोग्राफरों को अनुमंडल कार्यालय लाया गया । जहां अनुमंडल पदाधिकारी - अनुमण्डल पुलिस अधिकारी और थानाध्यक्ष ने उनसे कड़ी से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार वीडियोग्राफरों ने स्वीकार किया कि उनके रिश्तेदार उसी परीक्षा केंद्र में परीक्षा दे रहे थे। वे अपने रिश्तेदारों को परीक्षा में मदद करने के लिए प्रश्नपत्र लीक कर रहे थे। संदर्भ में डीएसपी मुकेश कुमार साहा ने बताया की पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा की गिरफ्तार वीडियोग्राफरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। सभी गिरफ्तार वीडियोग्राफर अररिया जिला के नरपतगंज प्रखंड के डुमरिया पंचायत वार्ड संख्या 10 के रहने वाले बताये जा रहे है । जिनके नाम है मनीष कुमार, आशीष कुमार, अमन कुमार, सोनू कुमार और अविनाश कुमार हैं।

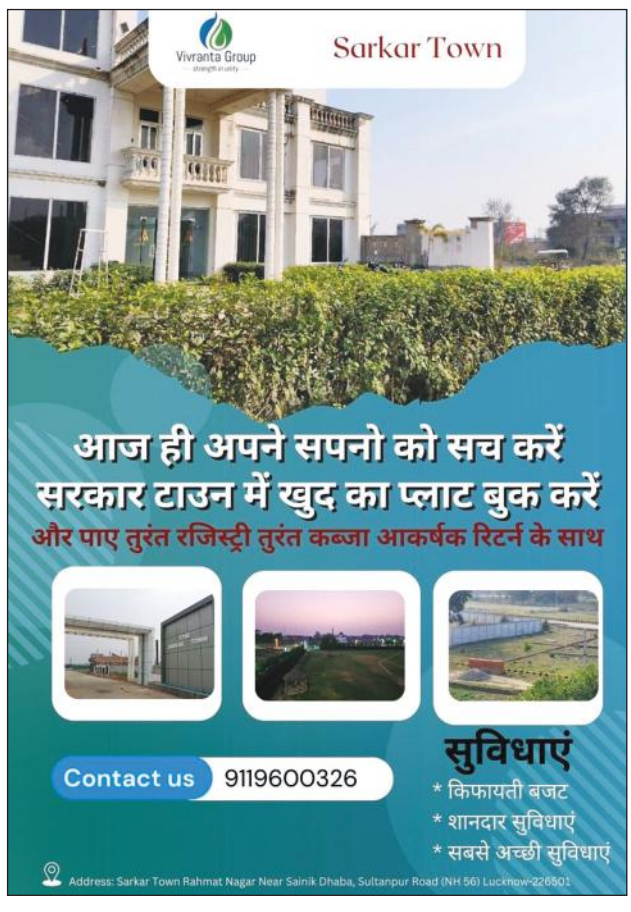


चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063